देशबन्धु

वर्ष – 8 । अंक – 81 । नर्मदापुरम, बुधवार 18 जून 2025 । पृष्ठ–8 । मूल्य – 2.00 रुपए

सौधर्म इंद्र ने ऐरावत हाथी पर विराजित कर नगर में निकली भव्य शोभायात्रा — पृष्ठ 2
▸ न्यायपालिका को अपना घर भी ठीक करना चाहिए ▸ प्रबंधन से ज्यादा जरूरी है आपदा रोकना — पृष्ठ 4
▸ एक अस्थाई कलेक्शन से जल रही आधा सैकड़ा घरों की बिजली — पृष्ठ 6
सामाजिक विकास के लिए मिलकर करें काम : डॉ. यादव — पृष्ठ 8

ईरान का इजराइल के मोसाद मुख्यालय पर हमला

- इजराइल ने ईरानी सेना के डिप्टी कमांडर को मारा
- अब तक 224 ईरानी मारे जा चुके है
- भारतीय नागरिकों को तेहरान छोड़ने की सलाह

तेहरान, एजेंसी। इजराइल और ईरान के बीच 5वें दिन भी संघर्ष जारी है। ईरान ने मंगलवार को तेल अवीव में इजराइल की खुफिया एजेंसी मोसाद के मुख्यालय पर हवाई हमला किया। इसके अलावा मिलिट्री इंटेलिजेंस से जुड़ी खुफिया एजेंसी की बिल्डिंग को भी निशाना बनाया है। इजराइली हवाई हमले में ईरान के डिप्टी कमांडर मेजर जनरल अली शादमानी की मौत हो गई है। शादमानी ईरान की खतम-अल-अनबिया हेडक्वार्टर्स यानी सैन्य आपात कमान के हेड थे। उन्होंने 4 दिन पहले ही यह पद संभाला था। अली शादमानी ने मेजर जनरल गुलाम अली राशिद की जगह ली थी। इजराइल ने 13 जून को हमले में उनकी हत्या ▪ शेष पृष्ठ 8 पर

विदेश मंत्रालय ने नियंत्रण कक्ष बनाया

नई दिल्ली, एजेंसी। ईरान और इजरायल के बीच सैन्य संघर्ष को देखते हुए विदेश मंत्रालय ने दोनों देशों में रहने वाले भारतीयों के लिए यहां और दूतावासों में नियंत्रण कक्ष बनाए हैं। विदेश मंत्रालय ने मंगलवार को बताया कि ईरान और इजरायल के बीच सैन्य संघर्ष को देखते हुए मंत्रालय में दिन रात काम करने वाला एक नियंत्रण कक्ष बनाया गया है। इस नियंत्रण कक्ष में टोल फ्री नम्बर 1800118797 और निम्न नम्बरों +91-11-23012113, +91-11-23014104, +91-11-23017905 और +91-9968291988 (व्हाटस्एप) पर संपर्क किया जा सकता है। इसके अलावा तेहरान में भारतीय दूतावास ने भी दिन रात काम करने वाली हेल्पलाइन शुरू की है। इस पर निम्न नम्बरों पर +98 9128109115, +98 9128109109 बात की जा सकती है। ▪ शेष पृष्ठ 8 पर

ट्रम्प जी-7 समिट छोड़कर अमेरिका लौटे, कहा-

मैं सीजफायर के लिए नहीं लौट रहा

जी-7 देशों का इजराइल को मिला समर्थन

अल्बर्टा, एजेंसी। कनाडा के अल्बर्टा राज्य के कैननास्किस में चल रही जी-7 समिट में इजराइल-ईरान तनाव का असर दिख रहा है। समिट के पहले दिन जी-7 देशों ने इजराइल का समर्थन किया। मंगलवार सुबह साझा बयान में कहा गया कि इजराइल को अपनी आत्मरक्षा करने का अधिकार है। ईरान के पास कभी भी परमाणु हथियार नहीं होना चाहिए। उधर, अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प समिट को बीच में छोड़कर अमेरिका रवाना हो गए हैं। व्हाइट हाउस ने बताया कि मिडिल ईस्ट में तनाव के चलते ट्रम्प ने यह फैसला लिया है। इस बीच ट्रम्प ने कहा, 'मैं सीजफायर के लिए वॉशिंगटन नहीं लौट रहा हूं। बात ▪ शेष पृष्ठ 8 पर

विमान हादसे के बाद एयरलाइन के अंतरराष्ट्रीय संचालन पर असर

एक दिन में एअर इंडिया की 7 उड़ानें रद्द

- रद्द की गई उड़ानों में अहमदाबाद-लंदन फ्लाइट भी
- सैन फ्रांसिस्को-मुंबई के पैसेंजर कोलकाता में उतारे

नई दिल्ली, एजेंसी। एअर इंडिया की 7 अंतरराष्ट्रीय उड़ाने मंगलवार को रद्द कर दी गईं। इनमें अहमदाबाद-लंदन, दिल्ली-पेरिस, दिल्ली-वियना, लंदन-अमृतसर, दिल्ली-दुबई, बेंगलुरु-लंदन फ्लाइट शामिल हैं। इसके अलावा सैन फ्रांसिस्को से मुंबई आ रही फ्लाइट के पैसेंजर्स को कोलकाता एयरपोर्ट पर उतारा गया। अहमदाबाद में 12 जून को एआई-171 फ्लाइट क्रैश हुई थी। इसकी जगह ▪ शेष पृष्ठ 8 पर

इंडिगो विमान में बम की सूचना

मंगलवार को मस्कट (ओमान) से कोच्चि होते हुए दिल्ली जा रही इंडिगो की फ्लाइट को बम से उड़ाने की धमकी के बाद नागपुर एयरपोर्ट पर इमरजेंसी लैंडिंग करवाई गई। एयरलाइंस को सूचना मिली थी कि विमान में बम रखा गया है। इसके बाद फ्लाइट को नागपुर डायवर्ट किया गया और लैंड कराया गया। नागपुर के डीसीपी लोहित मातानी ने बताया कि सभी यात्रियों को सुरक्षित विमान से उतार लिया गया है और विमान की तालाशी ली जा रही है। हालांकि, अभी तक कुछ भी संदिग्ध नहीं मिला है।

यात्रियों के लिए एडवाइजरी जारी

नई दिल्ली, एजेंसी। देश की दिग्गज विमान सेवा कंपनियों इंडिगो और एयर इंडिया ने मंगलवार को दिल्ली के यात्रियों के लिए ट्रैवल एडवाइजरी जारी की हैं। इसमें एयरलाइनंस की ओर से यात्रियों को बारिश के कारण घर से निकलने से पहले फ्लाइट का स्टेटस चेक करने की सलाह दी गई है। इंडिगो की ओर से सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म 'एक्स' पर की गई पोस्ट में कहा गया कि दिल्ली में बारिश के कारण ट्रैफिक अकसर धीमा हो जाता है। इस कारण से अगर आप ▪ शेष पृष्ठ 8 पर

सार-समाचार

सोनिया गांधी के स्वास्थ्य में हो रहा सुधार

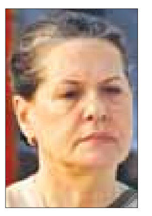

नई दिल्ली, एजेंसी। कांग्रेस संसदीय दल की नेता सोनिया गांधी के स्वास्थ्य में सुधार हो रहा है। राष्ट्रीय राजधानी के निजी सर गंगाराम अस्पताल के सूत्रों ने मंगलवार को यहां बताया कि श्रीमती गांधी के पेट के संक्रमण में सुधार हो रहा है और उन्हें स्वास्थ्य लाभ हुआ है। श्रीमती गांधी को पेट में दर्द की शिकायत के कारण रविवार रात यहां सर गंगाराम अस्पताल में भर्ती कराया गया था। अस्पताल के सूत्रों ने बताया कि 78 वर्षीय श्रीमती गांधी को चिकित्सा निगरानी में रखा गया है।

पाकिस्तानी सेना प्रमुख आसिम मुनीर का अमेरिका में विरोध

नई दिल्ली, एजेंसी। अमेरिका दौरे पर पहुंचे पाकिस्तान के सेना प्रमुख आसिम मुनीर को पाकिस्तानी नागरिकों के विरोध का सामना करना पड़ा है। प्रदर्शनकारियों ने आसिम मुनीर के खिलाफ नारेबाजी की और उन्हें 'सामूहिक हत्यारा' बताया। पाकिस्तानी सेना प्रमुख के लिए शर्मिंदगी तब और बढ़ गई, जब प्रदर्शनकारियों द्वारा उन्हें नाम से पुकारने के वीडियो सोशल मीडिया पर प्रसारित किए गए। कई वीडियो में दिखाया गया कि जब वे वाशिंगटन के एक होटल में पहुंचे, तो लोग उन्हें चिढ़ाते दिखे। कई लोग चिल्ला भी रहे थे।

विकास यादव की अंतरिम जमानत बढ़ाई गई

नई दिल्ली, एजेंसी। सुप्रीम कोर्ट ने नीतीश कटारा हत्याकांड में विकास यादव को राहत दी है। मंगलवार को हत्याकांड के दोषी विकास यादव की अंतरिम जमानत बढ़ा दी गई। सुप्रीम कोर्ट ने विकास की अंतरिम जमानत को दो हफ्ते के लिए बढ़ाया है। नीतीश कटारा हत्याकांड में विकास यादव को 25 साल की सजा हुई थी। विकास यादव की मां बीमार है। उसने मां के इलाज के लिए अंतरिम जमानत के लिए कोर्ट का रुख किया था। 24 अप्रैल को सुप्रीम कोर्ट ने उसे अंतरिम जमानत दी थी।

कोरोना सक्रिय मामले घटकर सात हजार से नीचे आए

नई दिल्ली, एजेंसी। देश में पिछले तीन दिनों के दौरान कोरोना सक्रिय मामलों में कमी देखी गयी है और मंगलवार सुबह तक सक्रिय मामलों की संख्या घटकर 6836 रही गयी। इससे पहले रविवार और सोमवार को कुल सक्रिय मामलों की संख्या क्रमश॰ 7383 और 7264 थी। पिछले 24 घंटों के दौरान कोरोना संक्रमण से एक और मरीजों की मौत होने से मृतकों का आंकड़ा 109 पहुंच गया है और 428 मामले घटने के साथ इनकी कुल सक्रिय मामलों की संख्या 6836 रह गई।

पहलगाम सहित कश्मीर के कई पर्यटन स्थल फिर से खुले

श्रीनगर, एजेंसी। जम्मू और कश्मीर के कई पर्यटन स्थलों और पार्कों को मंगलवार को फिर से खोल दिया गया। यह पर्यटक स्थल 22 अप्रैल को पहलगाम में हुए आतंकवादी हमले के बाद बंद कर दिए गए थे। गौरतलब है कि आतंकवादियों ने 22 अप्रैल को पहलगाम में 25 पर्यटकों और एक स्थानीय निवासी की हत्या कर दी थी। अधिकारियों ने कहा कि मंगलवार को फिर से खुलने वाले पर्यटक स्थलों में बेताब घाटी, पहलगाम मार्केट पार्क, वेरीनाग गार्डन, कोकरनाग गार्डन और अच्छाबल गार्डन शामिल हैं।

पूर्व विधायक के खिलाफ गैर जमानती वारंट

पटना, एजेंसी। आचार संहिता उल्लंघन एवं सरकारी आदेश की अवहेलना के मामले में बिहार में पटना की एक विशेष अदालत ने दानापुर विधानसभा क्षेत्र की पूर्व विधायक आशा सिन्हा के खिलाफ गिरफ्तारी का गैर जमानती वारंट जारी करने का आदेश दिया। सांसदों एवं विधायकों के आपराधिक मामलों की सुनवाई के लिए गठित विशेष अदालत के न्यायाधीश अपर मुख्य न्यायिक दंडाधिकारी प्रवीण कुमार मालवीय ने मुकदमे में सिन्हा की लगातार अनुपस्थिति के कारण उनका बंध पत्र खारिज करते हुए गैर जमानती वारंट जारी किए जाने का यह आदेश पारित किया है।

मोहन सरकार ने लोक सेवा पदोन्नति नियम 2025 को दी मंजूरी

अधिकारियों-कर्मचारियों की पदोन्नति का रास्ता साफ, 2 लाख खाली पदों पर होगी भर्ती

भोपाल, देशबन्धु। मध्यप्रदेश में सरकारी अधिकारियों और कर्मचारियों की पदोन्नति का रास्ता साफ हो गया है। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव की अध्यक्षता में हुई मंत्रिपरिषद की बैठक में इससे संबंधित मध्यप्रदेश लोक सेवा पदोन्नति नियम, 2025 को मंजूरी दे दी गई। इससे 9 वर्षों से लंबित पदोन्नति के मामले का निराकरण हो सकेगा। कर्मचारियों की पदोन्नति से 2 लाख पद रिक्त होंगे। रिक्त होने वाले पदों पर नए सिरे से भर्ती की संभावनाएं बनेगी। मंत्रिपरिषद ने 459 नए आंगनबाड़ी केन्द्रों की स्थापना के लिए भी स्वीकृति दी है। इसके लिए 143 करोड़ रुपए से अधिक का प्रावधान किया गया है।

बैठक के बाद नगरीय प्रशासन मंत्री कैलाश विजयवर्गीय ने बताया कि नई पदोन्नति नियमों में अनुसूचित जनजाति के लिये 20 प्रतिशत एवं अनुसूचित जाति के लिये 16 प्रतिशत आरक्षण का प्रावधान किया गया है। अनुसूचित जाति एवं अनुसूचित जनजाति के कर्मचारियों को भी मेरिट के आधार पर पदोन्नति प्राप्त करने का अवसर दिया जाएगा है। उन्होंने बताया कि रिक्तियों के लिए पदोन्नति समिति की बैठक कर चयन सूची बनाये जाने का प्रावधान किया गया है। पदोन्नति के में वरिष्ठता का पर्याप्त ध्यान रखा गया है। श्री विजयवर्गीय ने बताया कि चतुर्थ श्रेणी के लिये अंक व्यवस्था नहीं होगी, केवल पदोन्नति के लिए उपयुक्त होने पर ही पदोन्नति प्राप्त हो सकेगी। अर्हकारी सेवा के लिए किसी वर्ष में की गई आंशिक सेवा को भी पूर्ण ▪ शेष पृष्ठ 8 पर

मुख्यमंत्री ने सोशल मीडिया पर दी जानकारी

कर्मचारियों-अधिकारियों के हितों को ध्यान में रखा गया

भोपाल, देशबन्धु। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा है कि मंत्रि-परिषद की बैठक में मंगलवार को एक महत्वपूर्ण निर्णय लिया गया है। इसमें मध्यप्रदेश के सभी शासकीय अधिकारियों एवं कर्मचारियों के हितों को ध्यान में रखते हुए पदोन्नति के लंबित मसले को मंजूरी दे दी गई है।

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने सोशल मीडिया एक्स पर कहा कि राज्य सरकार ने प्रदेश के कर्मचारियों-अधिकारी के 9 साल से लंबित पदोन्नति के मामले का निराकरण किया है। इसमें अनुसूचित जाति और अनुसूचित जनजाति सहित सभी वर्गों के शासकीय अधिकारियों एवं कर्मचारियों के हितों का समुचित ध्यान रखा गया है। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि अधिकारियों एवं कर्मचारियों की पदोन्नति होने के बाद शासकीय सेवाओं में 2 लाख पद रिक्त होंगे और तत्पश्चात इन रिक्त पदों पर भर्तियों की संभावना बनेगी।

कल्याणकारी योजनाओं की होगी समीक्षा, मुख्यमंत्री ने कहा-

भोपाल मेट्रो का काम सितम्बर तक पूरा होगा, उद्घाटन के लिए प्रधानमंत्री को करेंगे आमंत्रित

मूंग और उड़द की खरीदी के लिए पंजीयन कल से, रतलाम में होगी उद्योग और रोजगार समिट

भोपाल, देशबन्धु। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा है कि राज्य शासन द्वारा किसानों के हित में न्यूनतम समर्थन मूल्य पर मूंग और उड़द के उपार्जन का निर्णय लिया गया है। प्रदेश के 36 मूंग उत्पादक जिलों में 8682 रुपए प्रति क्विंटल की दर से मूंग और 13 उड़द उत्पादक जिलों में 7400 रुपए प्रति क्विंटल की दर से उड़द उपार्जित की जाएगी। कृषक 19 जून से 6 जुलाई तक पंजीयन करा सकेंगे, इसके बाद 7 जुलाई से 6 अगस्त तक उपार्जन किया जाएगा। मुख्यमंत्री डॉ. यादव मंगलवार को आयोजित मंत्रि-परिषद की बैठक के पहले मंत्रियों को संबोधित कर रहे थे।

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि प्रदेश में निवेश प्रोत्साहन के लिए विभिन्न गतिविधियां संचालित हैं। इस क्रम में गंगा दशमी के अवसर पर उज्जैन में वैलनेस पर केंद्रित वृहद आयोजन संपन्न हुआ। इसी ▪ शेष पृष्ठ 8 पर

कनाडा के कालगरी पहुंचे मोदी

कालगरी, एजेंसी। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी अपनी विदेश यात्रा के दूसरे चरण में कनाडा के कालगरी पहुंच गए हैं जहां वह अल्बर्टा के कानानास्की में 51वें जी7 शिखर सम्मेलन में भाग लेंगे। प्रधानमंत्री मोदी का कालगरी हवाई अड्डे पर गर्मजोशी से स्वागत किया गया। श्री मोदी कनाडा के प्रधानमंत्री मार्क कार्नी द्वारा भारत को आउटरीच अतिथि देश के रूप में 2025 के जी-7 शिखर सम्मेलन में भाग लेने के लिए आमंत्रित किये जाने पर यहां पहुंचे हैं। विदेश मंत्रालय के अनुसार यह लगातार छठी बार है जब भारत एक अतिथि देश के रूप में जी7 में भाग ले रहा है, जो मौजूदा समय में विश्व मंच पर भारत के महत्व को रेखांकित करता है।

हिमाचल में 2 हादसे : एक कार और एक बस खाई में गिरी, कई घायल

मंडी, एजेंसी। हिमाचल प्रदेश के मंडी जिले की द्रंग घाटी में एक वाहन अनियंत्रित होकर गहरी खाई में जा गिरा। यह हादसा सोमवार देर रात करीब 3 बजे हुआ, जिसमें अपने पिता की अस्थियां विसर्जित कर हरिद्वार से लौट रहे 4 लोग घायल हो गये। उन्हें एक घंटे की कड़ी मशक्कत के बाद बाहर निकाला जा सका।

जानकारी के अनुसार, सभी लोग जोगिंदरनगर क्षेत्र के रहने वाले हैं। वे हरिद्वार में अपने दिवंगत पिता की अस्थियां विसर्जित करने के बाद घर लौट रहे थे। इसी दौरान द्रंग क्षेत्र में वाहन चालक का संतुलन बिगड़ गया और गाड़ी अनियंत्रित होकर खाई में गिर गई। घटना की सूचना मिलते ही पधर से एंबुलेंस कर्मी मौके पर पहुंचे। घायलों को मौके पर प्राथमिक उपचार देने के बाद मंडी के ज़ोनल अस्पताल रेफर किया गया, जहां उनका उपचार चल रहा है। दूसरा हादसा भी मंडी जिले के अंतर्गत पटड़ीघाट में कलखर में हुआ, जहां एक निजी ▪ शेष पृष्ठ 8 पर

कांग्रेस ने सरकार की मंशा पर उठाए सवाल

अधिसूचना में जाति जनगणना का जिक्र नहीं

नई दिल्ली, एजेंसी। केंद्र सरकार ने जनगणना के लिए नोटिफिकेशन जारी कर दिया है। इसके बाद से सियासत तेज हो गई है, विपक्षी दल भाजपा पर हमलावर हैं। कांग्रेस नेता पवन खेड़ा ने कहा है कि नोटिफिकेशन में जाति जनगणना का कोई जिक्र नहीं किया गया है। उन्होंने सरकार की मंशा पर सवाल उठाया है।

कांग्रेस नेता पवन खेड़ा ने कहा, जनगणना तो होगी, लेकिन इसमें जाति जनगणना का कोई जिक्र नहीं है। अगर इसकी तुलना तेलंगाना सरकार के आदेश से करें तो उस आधिकारिक आदेश में तीन बार 'जाति जनगणना' शब्द का स्पष्ट उल्लेख है, यहां तक कि इसे 'जाति सर्वेक्षण' भी कहा गया है। इसलिए इस सरकार की मंशा पर संदेह या आशंका होना स्वाभाविक है। क्योंकि सत्ताधारी पार्टी ने हमेशा इसका विरोध किया है। वहीं पीएम मोदी के जी-7 की बैठक में हिस्सा लेने पर उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी 11 साल के दौरान कई बैठकों में हिस्सा ले चुके हैं, देश को कोई लाभ होता तो दिखता नहीं है। अपनी वाहवाही के लिए विदेश नीति नहीं होती है, यह देश को लाभ पहुंचाने के लिए होती है।

पहलगाम में हुए आतंकी हमले का जिक्र करते हुए पवन खेड़ा ने कहा कि ऑपरेशन सिंदूर में भारत के साथ कोई देश खड़ा नहीं दिखा, इस समय हम अकेले ही रहे। पहलगाम में हुए आतंकी हमले के बाद किसी भी राष्ट्र ने पाकिस्तान को आतंकी देश नहीं कहा, यह सब विदेश नीति की विफलताएं हैं। चीन, तुर्की, अजरबैजान और पाकिस्तान को आसानी से एडीबी, वर्ल्ड बैंक, आईएमएफ के लोन ▪ शेष पृष्ठ 8 पर

पहली बार ब्रिटेन की ख़ुफ़िया एजेंसी एमआई-6 का नेतृत्व एक महिला के पास

ब्लेस मेत्रेवेली साल 1999 में ब्रिटेन की सीक्रेट इंटेलिजेंस सर्विस (एमआई-6) से जुड़ी थीं। अब वह इस एजेंसी की 18वीं प्रमुख बनने जा रही हैं।

वह इस साल रिचर्ड मूर की जगह लेंगी, जो मौजूदा चीफ़ हैं। फ़िलहाल मेत्रेवेली के पास टेक्नोलॉजी और इनोवेशन विभाग की ज़िम्मेदारी है। उन्हें जब एमआई-6 के नेतृत्व का प्रस्ताव मिला, तो उन्होंने इसे सम्मान की बात बताया।

ब्रिटेन के प्रधानमंत्री कीएर स्टार्मर ने इस नियुक्ति को 'ऐतिहासिक' बताते हुए कहा कि आज के दौर में ब्रिटेन की ख़ुफ़िया सेवाओं की भूमिका पहले से कहीं ज़्यादा महत्वपूर्ण हो गई है।

एमआई-6 का काम है विदेशों से ख़ुफ़िया जानकारी जुटाकर ब्रिटेन की सुरक्षा को मजज़बूत करना। इसका मुख्य मक़सद आतंकवादी गतिविधियों को रोकना, दुश्मन देशों की संदिग्ध हरकतों पर निगरानी रखना और साइबर सुरक्षा सुनिश्चित करना है।

एमआई-6 के प्रमुख को आमतौर पर 'सी' कहा जाता है। यह इस ख़ुफ़िया संस्था से जुड़ा एकमात्र पद है, जिसे सार्वजनिक रूप से लोग जानते हैं।

47 साल की मेत्रेवेली फिलहाल डायरेक्टर के पद पर हैं, जिसे 'क्यू' कहा जाता है। वह टेक्नोलॉजी और इनोवेशन डिविज़न की प्रमुख हैं। उनके ऊपर ख़ुफ़िया सेवा के एजेंटों की जानकारी को गोपनीय रखने की ज़िम्मेदारी है। साथ ही, उनके पास ऐसे नए तरीके विकसित करने का काम भी है, जिनसे ब्रिटेन को दुश्मनों से बचाया जा सके।

'एमआई-6, एमआई-5 और जीसीएचक्यू के साथ मिलकर एक अहम भूमिका निभाता है, जिससे ब्रिटेन के लोगों की सुरक्षा सुनिश्चित की जा सके और दूसरे देशों में ब्रिटेन के उद्देश्य पूरे किए जा सकें। मैं एमआई-6 के बहादुर अधिकारियों और अपने अंतरराष्ट्रीय सहयोगियों के साथ काम करने के लिए तैयार हूं।'

मेत्रेवेली ने कैंब्रिज यूनिवर्सिटी से एंथ्रोपोलॉजी की पढ़ाई की है। वह पहले एमआई-6 की सहयोगी और घरेलू सुरक्षा एजेंसी एमआई-5 में निदेशक स्तर पर काम कर चुकी हैं। उन्होंने अपना अधिकतर करियर मध्य पूर्व और यूरोप में कार्य करते हुए बिताया है। ब्रिटिश विदेश नीति में योगदान के लिए उन्हें साल 2024 में किंग द्वारा 'कंपेनियन ऑफ़ द ऑर्डर ऑफ़ सेंट माइकल एंड सेंट जॉर्ज' से सम्मानित किया गया।

दिसंबर 2021 में, अंग्रेज़ी अख़बार 'द टेलीग्राफ़' से बात करते हुए उन्होंने कहा था कि ब्रिटेन की सुरक्षा पर वास्तव में कई तरह के ख़तरे मंडरा रहे हैं। उस वक़्त वह एमआई-5 में 'डायरेक्टर एम' के छद्म नाम से जानी जाती थीं।

उन्होंने कहा था, 'जिन ख़तरों की ओर हम इशारा कर रहे हैं, वे मुख्य रूप से सरकार, ख़ुफ़िया सूचनाओं और हमारे लोगों की सुरक्षा से जुड़े हैं। हमारा काम है संभावित हमलों से मुक़ाबला करना, देश की अर्थव्यवस्था को सुरक्षित रखना, और संवेदनशील तकनीक व ज़रूरी जानकारियों की रक्षा करना।'

इसके अलावा उन्होंने यह भी कहा, 'रूस समर्थित गतिविधियां हमारे लिए लगातार ख़तरा बनी हुई हैं. साथ ही, दुनिया को बदलने वाला चीन, ब्रिटेन के लिए बड़े अवसर और चुनौती दोनों लेकर आ रहा है'

पांच साल तक एमआई-6 के प्रमुख रहे रिचर्ड मूर अब पद छोड़ रहे हैं। रविवार को उन्होंने कहा कि वह अपनी सहयोगी ब्लेस मेत्रेवेली की ऐतिहासिक नियुक्ति से बेहद खुश हैं। 'ब्लेस एक बेहद कुशल ख़ुफ़िया अधिकारी और प्रभावी नेतृत्वकर्ता हैं। वह तकनीक पर हमारे अग्रणी विचारकों में शामिल हैं। मैं एमआई-6 की पहली महिला प्रमुख के रूप में उनका स्वागत करते हुए उत्साहित हूं।'

एमआई-6 प्रमुख के तौर पर ब्लेस मेत्रेवेली ब्रिटेन के विदेश मंत्री डेविड लैमी को रिपोर्ट करेंगी। लैमी ने उन्हें इस पद के लिए 'उपयुक्त उम्मीदवार' बताया और भरोसा जताया कि वह ब्रिटेन को वैश्विक स्थिरता और बढ़ते सुरक्षा ख़तरों का मुक़ाबला करने में सक्षम बनाएंगी।

साभार : बीबीसी हिन्दी

क्या हैं चुनौतियाँ ?

ब्रिटेन की ख़ुफ़िया एजेंसी एमआई-6 का मूल काम ऐसे एजेंटों की भर्ती करना है जो दुश्मन देशों और अल-क़ायदा जैसे संगठनों से ख़ुफ़िया जानकारी जुटा सकें।

लेकिन मौजूदा समय में जब सूचनाएं तेजी से डिजिटल माध्यमों और स्पेस टेक्नोलॉजी के ज़रिए एकत्रित की जा रही हैं, एमआई-6 के सामने खुद को तेज़, सक्षम और प्रासंगिक बनाए रखने की चुनौती लगातार बढ़ रही है।

पिछले सितंबर में, एमआई-6 के निवर्तमान प्रमुख रिचर्ड मूर और तत्कालीन सीआईए प्रमुख विलियम बर्न्स ने चेतावनी दी थी कि, 'दुनिया आज उस स्तर के ख़तरों से जूझ रही है, जैसा कोल्ड वॉर के बाद नहीं देखा गया।' दोनों अधिकारियों ने फाइनेंशियल टाइम्स में लिखा था कि यूक्रेन युद्ध के अलावा वे पूरे यूरोप में रूसी ख़ुफ़िया एजेंसियों के आक्रामक अभियानों का मुकाबला करने के लिए मिलकर काम कर रहे हैं।

मूर और बर्न्स ने यह भी कहा था कि वे चीन के उदय को इस सदी की सबसे बड़ी ख़ुफ़िया और भू-राजनीतिक चुनौती के रूप में देख रहे हैं। उनके अनुसार, उन्होंने मध्य पूर्व में तनाव कम करने के लिए 'कड़ी मेहनत' की है।

सुमेरू पर्वत पर पांडुक शिला पर विराजमान कर इंद्रों ने किया जन्माभिषेक

सौधर्म इंद्र ने ऐरावत हाथी पर विराजित कर नगर में निकली भव्य शोभायात्रा

◆ भगवान का हुआ जन्म हुए कार्यक्रम

हरदा, देशबन्धु। टिमरनी नगर में चल रहे ऐतिहासिक श्रीमज्जिनेन्द्र पंचकल्याणक महोत्सव एवं विश्व शांति महायज्ञ के चौथे दिन भगवान का जन्मकल्याणक मनाया गया । प्रात: काल शुभमुहूर्त में भगवान के जन्म के पश्चात अयोध्या नगरी बने अमृतश्री कॉलेज परिसर स्थित आयोजन स्थल पर लगे राजा नाभिराय के दरबार में सौधर्म इंद्र इंद्राणी सहित उपस्थित हुए और भगवान को ऐरावत हाथी पर विराजितकर कर नगर भ्रमण करवाते हुए सुमेरू पर्वत स्थित पांडुकशिला पर ले जा कर जन्माभिषेक किया ।

इस अवसर पर उपस्थित सभी इंद्रों द्वारा क्रमबद्ध रूप से भगवान का जन्माभिषेक किया ।शोभायात्रा नगर के प्रमुख मार्ग से होती हुई निकली, जिसमें गजराज ,कलश, रथ यात्रा धार्मिक ,संगीतमय धुन के साथ निकाली गई। जैन बंधुओ ने हर्षोल्लास के साथ भाग लिया। जगह जगह शोभायात्रा का स्वागत,पूजन हुआ,वैश्य समाज के लोगो ने पूजन अर्चन स्वागत किया। सैकड़ों की संख्या में नगर क्षेत्र सहित अन्य जिलों,प्रान्तों से भी श्रद्धालु कार्यक्रम में शामिल हुए ।

मुनिश्री निर्णयसागर महाराज ने उपस्थित श्रावकों को संबोधित करते हुए जन्मकल्याणक का महत्व बताया । मुनिश्री ने प्रवचन में, अहिंसा, संयम और तप के महत्व पर प्रकाश डाला जो कि लोक कल्याण के लिए आवश्यक है। मुनिश्री ने जन्म, मरण और जीवन के चक्र से मुक्ति पाने की भावना पर भी जोर देते हुए यह भी बताया कि कैसे एक शुभ और संस्कारवान परिवार में जन्म लेना सौभाग्य की बात है।

पंचकल्याणक समिति के अध्यक्ष सुरेन्द्र जैन एवं कोषाध्यक्ष राजीव जैन ने बताया कि पंचकल्याणक में जन्म कल्याणक, तीर्थंकर के जन्म से संबंधित एक महत्वपूर्ण घटना है। यह जैन धर्म के पांच प्रमुख कल्याणकों (शुभ घटनाओं) में से एक है, जिसमें गर्भ कल्याणक, जन्म कल्याणक, दीक्षा कल्याणक, केवलज्ञान कल्याणक और मोक्ष कल्याणक शामिल हैं। जन्म कल्याणक, तीर्थंकर के जन्म के साथ मनाया जाता है, जहां जैन धर्म के अनुयायी खुशी मनाते हैं और मंगल गीत गाते हैं। पंचकल्याणक महोत्सव, जैन धर्म में एक महत्वपूर्ण धार्मिक उत्सव है जो 6 से 8 दिनों तक चलता है। इस उत्सव में, तीर्थंकरों की मूर्तियों को प्रतिष्ठित किया जाता है और जन्म, दीक्षा, ज्ञान और मोक्ष जैसी महत्वपूर्ण घटनाओं का उत्सव मनाया जाता है।

जन्म कल्याणक, पंचकल्याणक का दूसरा कल्याणक है। यह उस दिन को संदर्भित करता है जब तीर्थंकर बालक का जन्म होता है। इस अवसर पर, जैन धर्मावलंबी खुशी मनाते हैं, मंगल गीत गाते हैं और भगवान के जन्म का उत्सव मनाते हैं।

जन्म कल्याणक के दौरान, तीर्थंकर बालक को 1008 कलशों से पाण्डुक शिला पर अभिषेक किया जाता है। इसके बाद, भगवान को सुंदर वस्त्र पहनाए जाते हैं और माता-पिता को सौंपा जाता है।

यह उत्सव जैन धर्म के अनुयायियों के लिए बहुत महत्वपूर्ण है और वे इसे उत्साह और भक्ति के साथ मनाते हैं। आज पांडुकशिला पर प्रथम अभिषेक का सौभाग्य श्रावक श्रेष्ठी संतोष कुमार, श्रीवत्स जैन परिवार को तो द्वितीय अभिषेक का सौभाग्य अनुज नवनीत जैन भादूगांव एवं अमृतश्री परिवार हरदा को प्राप्त हुआ। संध्याकालीन महाआरती का सौभाग्य अरविंद कुमार, जैन, प्रखर जैन, प्रयक जैन, प्रनय जैन सुश्री परिवार को प्राप्त हुआ ।

स्वच्छता पर विशेष ध्यान दें, पार्क सौन्दर्यीकरण के कार्य कराएं

हरदा, देशबन्धु। कलेक्टर सिद्धार्थ जैन ने मंगलवार को कलेक्ट्रेट सभाकक्ष में आयोजित साप्ताहिक समीक्षा बैठक में मुख्य नगर पालिका अधिकारी हरदा को निर्देश दिये कि हरदा शहर में साफ-सफाई व्यवस्था सुधारें तथा शहर में सफाई पर विशेष ध्यान दें। उन्होने कहा कि शहर के पार्कों में सौन्दर्यीकरण के कार्य कराएं। इसके लिये बैंकों से सीएसआर के तहत राशि प्राप्त कर कार्य कराया जा सकता है। बैठक में संयुक्त कलेक्टर सतीश राय, संजीव नागू व सुश्री रजनी वर्मा के साथ-साथ एसडीएम महेश बड़ोले, अशोक डेहरिया, कुमार शानु देवड़िया भी मौजूद थे।

वर्षा से पूर्व नाले नालियों की सफाई अवश्य करा लें : कलेक्टर ने सिराली, खिरकिया, टिमरनी व हरदा के सीएमओ को निर्देश दिये कि अपने-अपने नगरीय क्षेत्र में सर्वाधिक कचरे वाले स्थान चिन्हित करें और उनकी सफाई पर विशेष ध्यान दें। उन्होने शहरी क्षेत्र के नाले व नालियों की वर्षा पूर्व सफाई की कार्यवाही कराने के निर्देश भी चारों सीएमओ को दिये। कलेक्टर श्री जैन ने कहा कि शहरी क्षेत्रों को पॉलिथीन फ्री क्षेत्र के रूप में विकसित करें तथा गंदगी फैलाने वालों पर अर्थदण्ड लगाने की कार्यवाही भी की जाए।

ग्रामीण पहुँच मार्गों की स्थिति सुधारें, वर्षा में कोई भी गांव पहुँचविहीन न रहे

कलेक्टर ने बैठक में सीएम हेल्पलाइन में दर्ज शिकायतों के संतुष्टिपूर्ण ढंग से निराकरण के निर्देश सभी अधिकारियों को दिये और सभी विभागों में लंबित शिकायतों की विस्तार से समीक्षा की। उन्होने लोक निर्माण विभाग, ग्रामीण यांत्रिकी सेवा, सडक विकास निगम, ग्रामीण सडक विकास प्राधिकरण के अधिकारियों को ग्रामीण क्षेत्र में पहुँच मार्गों की आवश्यक रिपेयरिंग कराने के निर्देश दिये ताकि वर्षा ॠतु में कोई भी गांव पहुँचविहीन न रहे। उन्होने ग्रामीण पुल पुलियों की रिपेयरिंग कराने के लिये भी अधिकारियों से कहा।

उचित मूल्य की दुकानों से अपात्रों को खाद्यान्न न मिले, यह सुनिश्चित करें : कलेक्टर श्री जैन ने निर्देश दिये कि जो पुल पुलिया अत्यधिक पुराने व खतरनाक स्थिति में है तथा रिपेयरिंग संभव नहीं है, उन्हें बेरिकेटिंग कराकर बंद किया जाए ताकि किसी दुर्घटना की आशंका न रहे। उन्होने जनपद पंचायतों के सीईओ व मुख्य नगर पालिका अधिकारियों को समग्र व आधार लिंकिंग तथा ई-केवायसी की कार्यवाही की गति ब?ाने के निर्देश भी दिये।

कलेक्टर श्री जैन ने बैठक में जिला आपूर्ति अधिकारी को निर्देश दिये कि सार्वजनिक वितरण प्रणाली के तहत वितरित होने वाला खाद्यान्न अपात्र व्यक्तियों को न मिले, यह सुनिश्चित किया जाए। उन्होने सूची से अपात्र हितग्राहियों के नाम हटाने के लिये आवश्यक कार्यवाही करने के संबंध में भी निर्देश दिये।

जनसुनवाई में सुनी नागरिकों की समस्याएं

हरदा, देशबन्धु। कलेक्टर सिद्धार्थ जैन ने मंगलवार को जिला पंचायत के सभाकक्ष में आयोजित 'जनसुनवाई' कार्यक्रम में नागरिकों की समस्याएं सुनी। उन्होंने उपस्थित अधिकारियों को नागरिकों की समस्याओं के निराकरण के लिए निर्देश दिए। इस अवसर पर संयुक्त कलेक्टर श्री सतीश राय, संजीव नागू व सुश्री रजनी वर्मा के साथ-साथ एसडीएम कुमार शानु देवडिया व जिला पंचायत के प्रभारी मुख्य कार्यपालन अधिकारी प्रवीण इवने सहित विभिन्न विभागों के जिला अधिकारी भी मौजूद थे।

बाल एवं किशोर श्रम अधिनियम के उल्लंघन पर लगाया दंड

नर्मदापुरम, देशबन्धु। आईटीआई रोड पर निर्माणाधीन भवन में किशोर श्रमिक की सूचना प्राप्त होने पर जिला टास्क फोर्स नर्मदापुरम द्वारा निमार्णाधीन स्थल का निरीक्षण गत दिवस को बाल एवं किशोर श्रम अधिनियम के अंतर्गत किया गया। निरीक्षण के दौरान अधिनियम अंतर्गत धारा 12 एवं 3(ए) का सारांश प्रदर्शित नहीं पाया गया। जिस हेतु संस्थान आर्ची कन्स्ट्रक्शन को सूचना पत्र जारी किया गया। प्रकरण में अधिनियम अंतर्गत प्रश्मन की कार्यवाही की जाकर संस्थान पर राशि रु. 5 हजार अध्यारोपित किया गया। संस्थान द्वारा उक्त राशि का डी.डी. बाल एवं पुनर्वास कोष में जमा कराया गया।

विकसित भारत संकल्प सभा का हुआ आयोजन

हरदा, देशबन्धु। भाजपा कार्यालय में विकसित भारत संकल्प सभा का आयोजन किया गया। इस अवसर पर मुख्य अतिथि पूर्व कृषि मंत्री कमल पटेल ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में भाजपा सरकार के 11साल पूर्ण होने पर अमृतकाल ,सेवा सुशासन, गरीब कल्याण के संकल्पों को समर्पित रहेगा । उन्होंने कहा यह नया भारत है 11साल में श्रीमोदी के नेतृत्व के साथ जनता के विकास और विश्वास के साथ देश आगे बढ रहा है। जिला अध्यक्ष राजेश वर्मा ने कहा कि देश मे श्री मोदी के नेतृत्व वाली सरकार जन जन से सरोकार वाली सरकार है सरकार की विभिन्न योजनाओं के माध्यम से गांव गरीब किसान युवाओं के सपनों को साकार करते हुए विकसित भारत की ओर अग्रसर है। मुख्य वक्ता प्रियंका दुबे ने कहा कि इन 11सालों में सरकार ने सभी वर्गों तक अपनी योजनाओं के माध्यम से जोडने का प्रयास किया चाहे महिला सशक्तिकरण की बात हो, महिलाओं को नेतृत्व प्रदान करना हो यहाँ महिलाओं को हर क्षेत्र में अपनी भागीदारी सुनिश्चित एवं दूरदर्शी सकारात्मक सोच के साथ आगे बढाने में प्रयास किया गया। कार्यक्रम में जिला महामंत्री देवीसिंह सांखला, शिक्षक प्रकोष्ठ प्रदेश सह संयोजक बसंत राजपूत, महिला मोर्चा जिला अध्यक्ष अनिता अग्रवाल, किसान मोर्चा जिला अध्यक्ष राजेश गोदारा,अशोक जैन ,विनोद गुर्जर ,मनसुख लोहाना सहित बड़ी संख्या में कार्यकर्ता उपस्थिति रहे।

मीनाक्षी चौक का उपयंत्री ने किया निरीक्षण, पोल शिफ्टिंग और पार्किंग मार्किंग के दिए निर्देश

नर्मदापुरम, देशबन्धु। नगरपालिका परिषद द्वारा किए गए ऐतिहासिक कार्य मीनाक्षी चौक सौंदर्यीकरण एवं चौड़ीकरण के बाद पोल शिफ्टिंग पार्किंग मार्किंग की कार्रवाई की जा रही है। साथ ही स्वच्छता और सफाई पर विशेष ध्यान दिया जा रहा है। उपयंत्री आयुषी रिछारिया ने बताया कि नगरपालिका अध्यक्ष नीतू महेंद्र यादव एवं मुख्य नगरपालिका अधिकारी हेमेश्वरी पटले के निर्देश पर पोल शिफ्टिंग एवं पार्किंग मार्किंग की कार्रवाई की जा रही है। साथ ही वहां पर बिल्डिंग डिस्मेटल के बाद पेवर ब्लाक डेमेज हो गए थे उन्हें भी फिर से लगाने के निर्देश दिए गए हैं। मंगलवार को मीनाक्षी चौक का बारीकी से निरीक्षण किया गया है। जो भी कमियां हैं उसे दूर करने का जल्द से जल्द प्रयास किया जा रहा है। सफाई और स्वच्छता पर विशेष ध्यान केंद्रित किया गया है।

जिला विकास एवं समन्वय समिति ''दिशा'' की बैठक आज होगी

हरदा, देशबन्धु। जिला विकास समन्वय एवं निगरानी समिति ''दिशा'' की बैठक 18 जून को केन्द्रीय मंत्री एवं क्षेत्रीय सांसद डी.डी. उइके की अध्यक्षता में आयोजित होगी। कलेक्टर सिद्धार्थ जैन ने बताया कि यह बैठक 18 जून को कलेक्टर कार्यालय के सभाकक्ष में प्रात: 11 बजे से आयोजित होगी। उन्होने समिति से संबंधित विभागों के अधिकारियों को विभागीय योजनाओं की अद्यतन जानकारी सहित बैठक में उपस्थित रहने के निर्देश दिये है। बैठक में रोजगार गारंटी योजना, ग्रामीण आजीविका मिशन, ग्रामीण कौशल्या योजना, प्रधानमंत्री आवास योजना, प्रधानमंत्री ग्रामीण सड़क योजना, सांसद आदर्श ग्राम, आरसेटी, राष्ट्रीय कृषि बाजार योजना, प्रधानमंत्री फसल बीमा योजना, कृषि सिंचाई योजना, ग्राम स्वराज अभियान, स्वच्छ भारत मिशन,पशुधन मिशन, एकीकृत बाल विकास, मातृ वंदना योजना, राष्ट्रीय स्वास्थ्य मिशन, पोषण शक्ति निर्माण योजना, उज्जवला योजना, प्रधानमंत्री रोजगार सृजन कार्यक्रम सहित केन्द्र सरकार द्वारा संचालित विभिन्न योजनाओं की समीक्षा की जाएगी।

माखन नगर निवासी कुरेशा बी को मिला दिव्यांगजन पेंशन का लाभ

नर्मदापुरम, देशबन्धु। दिव्यांगजन पेंशन योजना राज्य सरकार की एक महत्वपूर्ण सामाजिक सुरक्षा योजना है, जिसका उद्देश्य दिव्यांगजनों को आर्थिक रूप से सक्षम बनाना और उन्हें सम्मानजनक जीवन जीने का अवसर प्रदान करना है।

ऐसा ही मामला है नर्मदापुरम जिले के माखन नगर निवासी दिव्यांग महिला कुरेशा बी का जिन्हें दिव्यांगजन कल्याण पेंशन का लाभ तकनीकी बाधा — ई-केवाईसी (आधार सत्यापन) पूर्ण न होने के कारण प्राप्त नहीं हो पा रहा था, जिससे उन्हें आर्थिक कठिनाइयों का सामना करना पड़ रहा था।

कुरेशा बी ने अपनी समस्या को लेकर संयुक्त कलेक्टर एवं उपसंचालक, सामाजिक न्याय एवं निशक्तजन कल्याण विभाग, श्रीमती संपदा सराफ को आवेदन प्रस्तुत किया। विभाग ने इस आवेदन पर संवेदनशीलता दिखाते हुए त्वरित कार्यवाही की, और उनका ई-केवाईसी पूर्ण कर उन्हें योजना का लाभ फिर से उपलब्ध कराया गया।

पेंशन मिलने पर कुरेशा बी ने प्रसन्नता व्यक्त करते हुए सामाजिक न्याय एवं निशक्तजन कल्याण विभाग सहित प्रशासनिक अधिकारियों का हृदय से धन्यवाद ज्ञापित किया। उन्होंने कहा कि समय पर की गई इस सहायता से उन्हें आर्थिक रूप से बहुत राहत मिली है।

जनसुनवाई में आए 88 आवेदनों का किया गया समाधान

नर्मदापुरम, देशबन्धु। मंगलवार को कलेक्ट्रेट कार्यालय में जनसुनवाई कार्यक्रम आयोजित किया गया। जिसमें सिटी मजिस्ट्रेट बृजेंद्र रावत ने अधिकारियों के साथ जनसामान्य की समस्याओं पर गंभीरता से सुनवाई कर उनका निराकरण किया। जनसुनवाई में आए 88 आवेदनों पर सुनवाई की गई। उन्होंने संबंधित विभागों के अधिकारियों को प्राप्त आवेदनों का शीघ्र निराकरण करने के निर्देश दिए। साथ ही पिछली जनसुनवाई में आए आवेदनों के निराकरण की स्थिति की जानकारी भी ली। जनसुनवाई तहसीलदार देव शंकर धुर्वे, सहित अन्य सभी विभागों के अधिकारी उपस्थित रहें।

कॉलोनी के रहवासियो ने कॉलोनीनाइजर की शिकायत

◆ नपा सीएमओ को अवैध अयोध्या

आमला, देशबन्धु। नगर के वार्ड नं. 13, अयोध्यानगर कॉलोनी के रहवासियो ने एसडीएम के बाद नपा सीएमओ को कालोनीनाइजर की लिखित शिकायत की। यहां के शिवनन्दन प्रसाद, मानती सोनकी, मालती सोककी, प्रियंडा राठौर, पवन तिवारी, सीमा झा, बसंत तुमडाय सहित अन्य लोगों ने उल्लेख किया है कि वार्ड नंबर 13 अयोध्या कालोनी भीमनगर में प्लाट खरीदकर नगरपालिका से मकान मानचित्र स्वीकृत करवाकर मकान बनवाए हैं। प्लाट विक्रेता अंजनी लोनारे पति गंगाराम लोनारे (सहमतिकर्ता) लोनारे भवन बंधा रोड, बोड़खी, से प्लाट खरीदे थे। आवासीय परिसर में मूलभूत सुविधाएं जैसे स्थाई बिजली, पानी, सड़क, पार्क, बाउन्ड्रीवाल आदि प्रदान नहीं की गयी है। सम्पूर्ण कॉलोनी में दो मकान को छोडकर स्थाई विद्युत कनेक्शन प्रदान नही किया गया जिससे वर्तमान में टेम्पयेरी मीटर से 10 रू. यूनिट बिल भुगतान करना पड रहा है।कॉलोनी में लाइट के खम्बे नहीं लगे हैं, जो दो खम्बे लगे है उसमें बिल्डर ने ट्रांसफार्मर लगवाने तथा विद्युत तार विस्तार का शुल्क विद्युत विभाग को नहीं भरा है।

इनका कहना है

अगर कालोनी अवैध है तो एक्ट अंतर्गत वैधानिक कार्यवाही प्लाट विक्रेता के खिलाफ की जाएगी।

वीरेंद्र तिवारी, नपा सीएमओ

बारिश से पूर्व नवीन बाढ़ प्रभावित स्थान चिन्हित कर लिए जाएं : संभागायुक्त

नर्मदापुरम, देशबन्धु। नर्मदापुरम संभागायुक्त कृष्ण गोपाल तिवारी ने नर्मदापुरम संभाग के हरदा बैतूल एवं नर्मदापुरम जिले के कलेक्टर को निर्देश दिए की वर्षा पूर्व बाढ़ से बचाव के लिए वे सभी तैयारी सुनिश्चित कर लें। उन्होंने कहा कि नर्मदापुरम, हरदा और बैतूल जिला प्रदेश में टॉप-03 में रहे। संभागायुक्त ने निर्देश दिए की बारिश में सड़क दुर्घटना को रोकने के लिए भी सभी आवश्यक उपाय सुनिश्चित किए जाएं। उन्होंने सड़कों की मरम्मत, क्षतिग्रस्त पुल पुलियों की मरम्मत करने के निर्देश दिए। संभागायुक्त श्री तिवारी ने सभी कलेक्टर को निर्देश दिए कि वह विभागीय एवं जिले के अंदर होने वाले सभी ट्रांसफर की फाइल ई ऑफिस सिस्टम के माध्यम से ही भेजना सुनिश्चित करें। संभागायुक्त ने जल गंगा अभियान की समीक्षा करते हुए निर्देश दिए की हरदा बैतूल एवं नर्मदापुरम जिले में चल गंगा अभियान के अंतर्गत जो कार्य किये जा रहे हैं, उन कार्यों को और तेजी से पूर्ण किया जाए। उन्होंने कहा कि अभी अभियान समाप्त होने में 13 से 14 दिन बाकी है , इस अवधि में और अतिरिक्त मेहनत कर सभी जिले टॉप-03 में आने का प्रयास करें। संभागायुक्त श्री तिवारी ने नजूल लीज नवीनीकरण के अंतर्गत अब तक हुई प्रगति की समीक्षा की। बताया गया की नर्मदापुरम में 40 प्रकरण लीज नवीनीकरण के दर्ज किए गए हैं। संभागायुक ने निर्देश दिए की सभी नजूल अधिकारियों को लीज नवीनीकरण के संबंध में एवं रजिस्ट्रेशन के संबंध में आवश्यक जानकारियां रहे। सरकारी अस्पताल, स्कूल, कॉलेज एवं अन्य भवन निर्माण में शासकीय भूमि के आवंटन में अनावश्यक विलंब ना हो। उन्होंने कहां की डायवर्सन से लेकर राजस्व के सभी प्रकरण ऑनलाइन रहे, कोई भी प्रकरण ऑफलाइन ना रहे।

छोटी बजरिया से हटाया वर्षों पुराना अतिक्रमण

नर्मदापुरम, देशबन्धु। नगरपालिका के अतिक्रमण दल द्वारा छोटी बजरिया स्थित एक पुराना अतिक्रमण हटाया गया है। विगत कई वर्षों से अतिक्रमण की शिकायत की जा रही थी। मस्जिद के पास हुए वक्फ बोर्ड की जमीन पर अतिक्रमण के कारण वहां के रहवासियों को दिक्कत आ रही थी। नगरपालिका की टीम द्वारा अतिक्रमण पर प्रभावी करने पर स्थानीय निवासियों ने आभार व्यक्त किया है।

अतिक्रमण दल प्रभारी सुनील राजपूत ने बताया कि नगरपालिका अध्यक्ष नीतू महेंद्र यादव एवं मुख्य नगरपालिका अधिकारी हेमेश्वरी पटले के निर्देश पर नगर क्षेत्र से अतिक्रमण हटाया जा रहा है।

सिटी मजिस्ट्रेट ब्रजेंद्र रावत और तहसीलदार देवशंकर धुर्वे द्वारा उक्त अतिक्रमण हटाने के विशेष निर्देश दिए गए थे।

ब्रह्माकुमारी केंद्र सदर और वृद्धाश्रम उड़दन में हुआ योगाभ्यास, आयुष विभाग ने बताए योग के लाभ

बैतूल, देशबन्धु। अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस के सफल आयोजन को लेकर आयुष विभाग ने तैयारियां तेज कर दी हैं। अंतर्राष्ट्रीय योग काउंटडाउन कार्यक्रम के अंतर्गत शासकीय आयुर्वेद जिला चिकित्सालय टिकारी बैतूल द्वारा स्थानीय ब्रह्माकुमारी केंद्र दिव्य दर्शन भवन, सदर बैतूल में योगाभ्यास कार्यक्रम आयोजित किया गया। आयुष विभाग द्वारा आयोजित इस विशेष कार्यक्रम में 21 जून को मनाए जाने वाले अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस की जानकारी उपस्थितजनों को दी गई। कार्यक्रम के दौरान सूक्ष्म प्राणायाम, सरल योग क्रियाओं सहित योगाभ्यास भी कराया गया। इस योग सत्र में ब्रह्माकुमारी मंजू दीदी क्षेत्र संचालिका बैतूल, ब्रह्माकुमारी पूर्णिमा दीदी संचालिका सदर केंद्र, ब्रह्माकुमारी सुनीता दीदी संचालिका सारणी केंद्र, प्रदीप ठाकुर एवं श्री तरुण विशेष रूप से उपस्थित रहे। इनके साथ ही अन्य लाभार्थियों की भी सक्रिय भागीदारी रही। आयुष विभाग की ओर से डॉक्टर रीना चौकीकर, डॉक्टर निधि मालवीय, योग शिक्षक सागर सिवनकर एवं योग सहायक पारुल पालीवाल द्वारा योगाभ्यास करवाया गया। 16 जून को मातोश्री वृद्ध आश्रम, उड़दन में भी 11वें अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस के अंतर्गत योगाभ्यास कार्यक्रम का आयोजन किया गया। यह कार्यक्रम आयुष्मान आरोग्य मंदिर पाढर के माध्यम से सम्पन्न हुआ। वृद्धजनों को उनके स्वास्थ्य अनुरूप योगाभ्यास प्रशिक्षक डॉक्टर ललिता एवं योग सहायक भूपेंद्र देवडे द्वारा करवाया गया, जिससे उनके स्वास्थ्य पर सकारात्मक प्रभाव पड़ा। आश्रम संचालक मनोज बिष्ट की उपस्थिति में यह सत्र संपन्न हुआ, जिसमें कुल 22 लाभार्थी शामिल हुए। इस पूरे आयोजन का संचालन संचालनालय आयुष मध्यप्रदेश भोपाल के निर्देशानुसार एवं कलेक्टर बैतूल के मार्गदर्शन में किया गया। कार्यक्रम की निगरानी जिला आयुष अधिकारी डॉ.योगेश चौकीकर द्वारा की गई। आयुष विभाग ने जिलेभर में योग के प्रति जनजागरूकता फैलाने और नागरिकों को नियमित योगाभ्यास के लिए प्रेरित करने का संकल्प लिया है।

नर्मदा नियरे

सार-समाचार

जंगली सूअर ने ग्रामीण बुजुर्ग पर किया हमला, उपचार जारी

सोहागपु, देशबन्धु। ग्राम नयागाँव निवासी 45 वर्षीय व्यक्ति पर जंगली सूअर द्वारा हमला करने का मामला सामने आया है। ग्राम नयागांव निवासी चंदन सिंह कुशवाहा पिता कन्हैया लाल कुशवाहा बकरी चराने के लिए नहर की ओर गए हुए थे। इसी दौरान मंगलवार शाम 4 बजे लगभग एक जंगली सूअर ने उन पर हमला कर दिया। जिससे उनकी एक हाथ की उंगली सूअर द्वारा दांतों से घायल कर दी गई। वहीं पैरों एवं सिर में भी चोटें आई हैं। घायल चंदन सिंह ने बताया कि वह बकरी चरा था, तभी सूअर ने उसे पर हमला कर दिया। मामले को लेकर वन विभाग के रेंजर सुमित पांडे से बात की गई तो उन्होंने बताया कि आपके द्वारा हमें जानकारी दी गई है। मैं मामले की जानकारी लेकर दिखाता हूं।

तीन दिवसीय बैडमिंटन प्रतियोगिता खिताबी मुकाबलों के साथ हुई संपन्न

नर्मदापुरम, देशबन्धु। । बुधवाडा रोड स्थित डॉल्फिन स्पोर्ट्स एकेडमी में दिनांक 14 से 16 जून चल रही तीन दिवसीय ग्यारहवीं स्कूल स्टेट एजुकेशनल डिपार्टमेटल चैंपियनशिप का समापन हुआ। सोमवार को हुए फाइनल मैचों में 50 वर्ष से अधिक महिला वर्ग में प्रथम इंदौर, द्वितीय रीवा तृतीय नर्मदापुरम, 50 से कम महिला वर्ग में प्रथम डी पी आई,द्वितीय जनजाति विभाग एवं तृतीय जबलपुर संभाग, 50 से अधिक पुरुष वर्ग में प्रथम इंदौर संभाग, द्वितीय ग्वालियर संभाग एवं तृतीय जबलपुर संभाग, 50 से कम पुरुष वर्ग में प्रथम सागर संभाग,द्वितीय रीवा संभाग एवं तृतीय स्थान पर जनजाति विभाग रहे। 11वीं राज्य स्तरीय अधिकारी कर्मचारी बैडमिंटन खेल प्रतियोगिता नर्मदापुरम का समापन समारोह संपन्न हुआ जिसमें प्रतियोगिता को सफलता पूर्वक संपन्न कराने वाले संदीप नीखर प्राचार्य सी एम राइज स्कूल प्राचार्य शा,एस,एन,जी स्कूल, गजेंद्र सुराजिया, संदीप शुक्ला, आशीष पटेल , राजेंद्र प्रसाद नामदेव,अरविंद कुमार शर्मा खेल शिक्षक पिपरिया अर्पण दुबे, राकेश सराठे, पूनम रैकवार,यशवंत सिंह आंकरे, चेतन सिंह व पूरी टीम का विशेष सहयोग रहा।

संभाग स्तरीय सतर्कता, सलाहकार एवं अनुश्रवण समिति की समीक्षा बैठक 20 जून को

नर्मदापुरम। अनुसूचित जाति, जनजाति (अत्याचार निवारण) अधिनियिम अंतर्गत दर्ज प्रकरणों की संभाग स्तरीय सतर्कता, सलाहकार एवं अनुश्रवण समिति की समीक्षा बैठक 20 जून को आयोजित की गई है।

सरकार ने मूंग को जहरीली बताकर खरीदी करने से इनकार क्या किया किसान का दम फूल गया

मूंगः पहले हुई बदनाम, अब मिल जाएं अच्छे दाम

नर्मदापुरम/ हरदा, देशबन्धु । 19 जून। इसी तारीख का किसानों को बेसब्री से इंतजार है। उनकी बहुफायदा देने वाली मूंग का पंजीयन का ऐलान किया गया है। मूंग ने यहां तक पहुंचने के लिए बहुत संघर्ष किया है। उगने से लेकर बिकने तक। बीच में उसके दामन पर भी जहरीली होने का ऐसा दाग लगा कि दाम पिट गए। मध्य प्रदेश शासन में कृषि सलाहकार परिषद के पूर्व सदस्य केदार सिरोही बताते हैं, सरकार के इस दुष्प्रचार ने किसानों की मेहनत पर पानी फेर दिया। मध्यप्रदेश ग्रीष्मकालीन मूंग उत्पादन में देश में अग्रणी राज्य है। मूंग की न्यूनतम समर्थन मूल्य (एमएसपी) पर खरीदी नहीं होने से मूंग के दामों मे गिरावट शुरू हो गई, जिससे किसानों को 5-6 हजार करोड़ का नुकसान की संभावना थी, जिसे तमाम विरोध, प्रदर्शनों के बाद सरकार ने हरी झंडी दे दी।

अब तक क्या हुआ

ग्रीष्मकालीन मूंग की बिक्री को लेकर इस समय प्रदेश के किसानों में काफी नाराजगी देखी जा रही है। कई जगह किसान प्रदर्शन, नारेबाजी और जल सत्याग्रह कर अपना विरोध जताया गया। कांग्रेस विधायक आरके दोगने और टिमरनी विधायक अभिजीत शाह के साथ कांग्रेस कार्यकर्ताओं ने एमएसपी को लेकर तीन घंटे तक नर्मदा में जल सत्याग्रह किया था। इसका कारण मूंग की सरकारी खरीदी राज्य में नहीं होना था, जिससे किसानों को समर्थन मूल्य से करीब-करीब 3000 रुपए क्विंटल के नीचे भाव पर कृषि उपज मंडियों में बेचना पड़ रहा है। इधर, जिला कांग्रेस कमेटी ने कल नायब तहसीलदार सृष्टि डेहरिया को किसानों की विभिन्न मांगों को लेकर एक ज्ञापन सौंपा। नर्मदापुरम सहित प्रदेश के कई जिलों में तीसरी फसल के रूप में मूंग की फसल व्यापक क्षेत्रफल में ली जा रही है जो कि मध्यप्रदेश की आर्थिक सम्पन्नता में किसानों की भागीदारी का प्रमाण है। बीते दोनों सरकार द्वारा मूंग को जहरीली बताकर खरीदी करने से इनकार किया गया। जिससे उत्पन्न किसानों की पीड़ा को देखते हुए प्रदेश कांग्रेस कमेटी के निर्देश पर जिले के कांग्रेस कार्यकर्ताओं द्वारा बनखेडी के पांसी घाट से प्रारंभ कर सात दिवसीय किसान अधिकार यात्रा संपूर्ण जिले में निकली गई।

सबसे बड़ा उत्पादक है मप्र

मध्य प्रदेश गर्मी के मूंग का सबसे बड़ा उत्पादक राज्य है। पिछले वर्ष प्रदेश में 11.59 लाख हेक्टेयर में मूंग की बोवनी हुई थी, जबकि इस वर्ष यह बढ़कर 13.49 लाख हेक्टेयर हो गई है। नर्मदा पट्टी के 16 जिले प्रमुख उत्पादक माने जाते हैं। इस बार कुल उत्पादन 21 लाख टन के आसपास रहने का अनुमान है। हर साल प्रदेश सरकार गर्मी के मूंग की एमएसपी पर खरीद करती रही है, जिससे बोवनी में वृद्धि हुई है।

केदार सिरोही मांग रहे जवाब

केदार पूछते हैं, सरकार ने जहरीला मानते हुए गर्मी में इसकी खरीद से इंकार कर दिया है। जिस मूंग को सरकार ने जहरीला बताया है, उसकी खरीद-बिक्री मंडी-बाजारों में जारी है। सरकार ने कौन से टेस्ट कराया जो मूंग को जहरीला बता दिया। इससे मार्केट में समस्या बढ़ गई। मूंग का 23 हजार करोड़ का मार्केट है। ऐसे तो कोई भी कुछ भी कह देगा। यह गलत है। मूंग में रासायनिक अवशेष की जांच रिपोर्ट (जिला, तिथि, लैब, विश्लेषण, एमआरएल स्तर) सार्वजनिक की जाए। साथ ही यह स्पष्ट करें कि जिन रसायनों को आधार बनाकर खरीदी रोकी गई, वे विभाग द्वारा अनुमोदित कैसे रहे?

मूंग खरीदी से ज्यादा खुश मूंग माफिया, रजिस्ट्रेशन के लिए हो रही तैयारी

सोहागपुर, देशबन्धु। समर्थन मूल्य पर मूंग की खरीदी प्रारंभ होने की खबर से मूंग माफिया में किसानों से ज्यादा खुशी देखी जा रही है सभी माफियो ने अपने-अपने जुगाड़ लगाना प्रारंभ कर दिए हैं। सोहागपुर माखननगर में मूंग खरीदी के समय कोई ना कोई भ्रष्टाचार का मामला सामने आ ही जाता है, पिछले वर्ष तो मूंग की जगह हरी मिट्टी को मूंग के रूप में परिवर्तित कर बेच दिया गया था लेकिन उसे कोई पकड़ नहीं पाया और वह मूंग अब बोरों में बंद होकर वेयरहाउस में जमा हो चुकी है और माखननगर ब्लॉक का तो मामला ही अलग है यहां पर सत्ताधारी पार्टी के मालिको के वेयरहाउस को ही मूंग की खरीदी दी जाती है इस कारण प्रशासनिक अधिकारी भी उन पर कार्यवाही करने को डरते हैं और इस मूंग की खरीदी में मालामाल सभी होते हैं सर्वेयर, समिति प्रबंधक, वेयरहाउस मालिक, बिचौलिए , व्यापारी जो कि अब किसान से व्यापारी बन गए हैं उनके कर्मचारी हर खरीदी केंद्रों में देखे जा सकते हैं मूंग ले जाने वाला कोई और होता है और रजिस्ट्रेशन और किसी का होता है। और कुछ किसान पैसे की लालच में आकर अपना रजिस्ट्रेशन इन व्यापारियों को बेंच देते हैं। कुल मिलाकर एक पूरी सिस्टम इस भ्रष्टाचार को साथ मिलकर करता है और प्रशासन को चूना लगाता है, सबसे खास बात यह है कि मूंग खरीदी में पक्ष और विपक्ष दोनों मिलकर यह भ्रष्टाचार को अंजाम देते हैं यदि कोई इसका विरोध करता है तो कुछ दिन बाद उसे भी मैनेज कर लिया जाता है और उसकी आवाज को भारी भरकम राशि से दबा दी जाती है, और इस राम राज्य में अधिकारियों का तो कहना ही क्या है वह जांच करने के लिए वेयरहाउसों पर पहुंचते तो हैं लेकिन कार्यवाही करने से डरते हैं और यदि कुछ कार्यवाही भी करते हैं तो अपराधियों को छोड़ देते हैं उन पर इस प्रकार की कार्यवाही की जाती है कि जब कोर्ट में यह मामला आता है तो सभी लोगों को क्लीन चिट मिल जाए। कुछ इमानदार अधिकारी कार्यवाही करते हैं तो उनका स्थानांतरण रातों-रात कर दिया जाता है कुल मिलाकर यह है कि मूंग को जहर का नाम दिया जा रहा था जबकि यह सभी के लिए सोने के बराबर है। इस साल भी भ्रष्टाचार के लिए ब? पैमाने पर तैयारी चालू कर दी गई है अब देखना यह है कि भ्रष्टाचार के खेल में मूंग पकड़ में आती है या नहीं या हर वर्ष की तरह वेयरहाउस में पैक हो जाएगी।

कितना है समर्थन मूल्य

गौरतलब है कि केंद्र सरकार ने इस सीजन के लिए मूंग का न्यूनतम समर्थन मूल्य 8682 रुपये प्रति क्विंटल तय किया है। वहीं, यह मूंग बाजार में मूंग 6000 से 7000 रुपये प्रति क्विंटल के दाम पर बिक रहा है।

क्या वाकई जहरीली है मूंग

जानकारों की राय में, मूंग की फसल की औसत उम्र 75 दिन यानि करीब ढाई महीने होती है। लेकिन मध्यप्रदेश में इसे 60 दिन से पहले ही पका लिया जाता है। इस अवधि में तीन से चार बार रासायनिक दवाओं का छिड़काव होता है। बुवाई के हर 15 दिन में पेस्टीसाइड, उर्वरक और फंगीनाशक का मिश्रण छिड़का जाता है। फूल लाने से पौधों की लंबाई रोकने के लिए भी दवा का उपयोग किया जाता है। फलियां लगने के बाद खरपतवार नाशक, जो आमतौर पर पेराक्वाट नामक रसायन होता है, का छिड़काव किया जाता है। इसी प्रक्रिया के आधार पर सरकार ने मूंग को जहरीला माना है किंतु एमएससी पासआउट केदार सिरोही इससे परे अपनी राय रखते हैं। उनका मानना है कि, किसान जिस कीटनाशकों का उपयोग करते हैं, उनका असर कुछ बाद स्वतः समाप्त हो जाता है।

नर्मदापुरम। जिला कांग्रेस कमेटी ने कल नायब तहसीलदार सृष्टि डेहरिया को किसानों की विभिन्न मांगों को लेकर एक ज्ञापन सौंपा। नर्मदापुरम सहित प्रदेश के कई जिलों में तीसरी फसल के रूप में मूंग की फसल व्यापक क्षेत्रफल में ली जा रही है जो कि मध्यप्रदेश की आर्थिक सम्पन्नता में किसानों की भागीदारी का प्रमाण है।

हरदा। कांग्रेस कार्यकर्ताओं ने एमएसपी को लेकर तीन घंटे तक नर्मदा में जल सत्याग्रह किया था। कांग्रेस विधायक आरके दोगने और टिमरनी विधायक अभिजीत शाह के साथ कांग्रेस कार्यकर्ताओं ने एमएसपी को लेकर तीन घंटे तक नर्मदा में जल सत्याग्रह किया था। इसका कारण मूंग की सरकारी खरीदी राज्य में नहीं होना था, अब कल से पंजीयन हो रहा है तो उम्मीद जागी।

जीतू की समझाइशः आपस में लड़ोगे तो कैसे मजबूत होगी कांग्रेस

निलय, सुखदेव, हेमंत को गिले शिकवे दूर कर मिलाया गले

आठनेर, देशबन्धु। मध्य प्रदेश कांग्रेस कमेटी के अध्यक्ष जीतू पटवारी कांग्रेस के सृजन अभियान के तहत आठनेर विकासखंड के ग्राम पंचायत मांडवी के लॉन में कार्यकर्ताओं से मुलाकात का कार्यक्रम रखा गया था जिसमें उन्होंने कार्यकर्ताओं को संबोधित करते हुए कहा कि आप सभी एक होकर कांग्रेस के लिए कार्य करें कांग्रेस खुद ब खुद मजबूत हो जाएगी इसी संबंध में जीतू पटवारी ने कहा कि निलय सुखदेव हेमंत तीनों को मंच पर उन्होंने खड़ा कर आपस में गले मिलाया। कहा कि आप तीनों एक रहे और संगठन को मजबूत करें । आप मजबूत रहोगे तो कांग्रेस मजबूत होगी गुटबाजी दूर करें और सभी मिलकर कांग्रेस को मजबूत करें । इस अवसर पर पटवारी ने कहा कि मध्य प्रदेश की भाजपा सरकार बहनों से 3000 महीना देने की बात कह कर आज भी बहनों को 1200 दे रही है और 18 सौ रुपए बहनों के खा रहे हैं ऐसे में भाजपा की कथनी और करनी में अंतर साफ दिखाई दे रहा है वह सावन के महीने में 250 रुपए अधिक देकर बहनों को मिठाई लेने को कहते हैं जबकि ढाई सौ रुपए में 1 किलो भी मिठाई नहीं आती है ऐसी झूठी सरकार को उखाड़ फेंकना है और आने वाले समय में कांग्रेस की सरकार मध्य प्रदेश में बनाना है आज यह वादा करके मैं जा रहा हूं आप सभी का प्रयास सभी का सहयोग कांग्रेस को एक सूत्र में बांधेगा आप सभी कार्यकर्ता एकजुट होकर सारे गिले-शिकवे भुलाकर कांग्रेस के लिए कार्य करें ना कि नेता के लिए व्यक्ति के लिए इस कार्यक्रम में कांग्रेस के पदाधिकारी कार्यकर्ता सहित बड़ी संख्या में ग्रामवासी उपस्थित रहे ।

विलंब से आए इसलिए कार से नहीं उतरेः अखिल भारतीय कांग्रेस कमेटी द्वारा पूरे प्रदेश में कांग्रेस कार्यकर्ताओं में नए जोश एवं उत्साह भरने के उद्देश्य से बैतूल जिले में चलाए जा रहे संगठन सृजन अभियान के अंतर्गत कार्यकर्ताओं की बैठक का आयोजन ग्राम मांडवी में किया गया जिसमें शामिल होने के लिए प्रभात पट्टन के रास्ते मध्य प्रदेश कांग्रेस कमेटी के प्रदेश अध्यक्ष जीतू पटवारी अखिल भारतीय कांग्रेस कमेटी के मध्य प्रदेश प्रभारी हरीश चौधरी बैतूल कांग्रेस कमेटी के जिलाअध्यक्ष हेमंत वागदरे पूर्व विधायक सुखदेव पांसे एवं नीलय डागा आठनेर आए इस अवसर पर सुखदेव पांसे एवं नीलय डागा समर्थकों ने गर्मजोशी के साथ स्वागत किया । विलंब के कारण नेता सीधे कार्यक्रम में पहुंचे।

आवश्यकता है

राजा भोज शिक्षा महाविद्यालय जामठी बैतूल (म.प्र.)

में अधिनियम-28 के तहत् अध्यापन हेतु निम्न पदों पर आवेदन पत्र आमंत्रित हैं-

(राष्ट्रीय अध्यापक शिक्षा परिषद् नई दिल्ली से मान्यता एवं बरकतउल्ला विश्वविद्यालय भोपाल से सम्बद्धता प्राप्त)

क्रं.	पदनाम	संकाय	विषय	पद संख्या	शैक्षणिक योग्यता	अनिवार्य	वांछनीय
1	व्याख्याता	बी एड /बी.एस.सी. बी.एड.	गणित	01	संबंधित विषय में कम से कम 55% अंकों के साथ स्नातकोत्तर उपाधि एवं 55% अंकों के साथ एम.एड।	किसी शिक्षण संस्था में 3 वर्ष का शिक्षण कार्य का अनुभव	विषय विशेषज्ञयता के साथ शिक्षा में NET /SLET/ Ph.D. डिग्री
2	व्याख्याता	बी.एड.	भौतिक शास्त्र	01			
3	व्याख्याता	बी.एड / बी.एस. सी.बी.एड.	मनोविज्ञान	01			
4	व्याख्याता	बी.एड.	जंतु / वनस्पति शास्त्र	01			
5	व्याख्याता	बी एड.	सामाजिक अध्ययन	01			
6	व्याख्याता	बी.एड.	अंग्रेजी	01			
7	व्याख्याता	बी.एस.सी. बी.एड.	रसायन शास्त्र	01			

नोटः- ये सभी नियुक्तियाँ राष्ट्रीय अध्यापक शिक्षा परिषद् / विश्वविद्यालय अनुदान आयोग तथा बरकतउल्ला वि.वि. भोपाल एवं म.प्र. शासन के अधिनियम एवं मापदण्डों के तहत होगी।

आवेदन जमा करने की अंतिम तिथि:- 03.07.2025

आवेदन निम्न पते पर जमा करें:-

प्राचार्य राजा भोज शिक्षा महाविद्यालय जामठी (भारत-भारती) बैतूल, जिला- बैतूल (म.प्र.)
Email Id :- rbcollage@gmail.com मो.नं.:- 9407538818, 9425610043, 9425656632

कार्यालयः-प्रभारी अधिकारी नजारत अनुभाग सोहागपुर जिला नर्मदापुरम

नीलामी वस्तुओं की सूची

1	टूटी-फूटी लोहे की रिवाल्विंग चेयर	01 नग	300/- रू. प्रति नग
2	टूटी-फूटी लकड़ी की बड़ी कुर्सी	03 नग	300/- रू. प्रति नग
3	टूटी-फूटी लकड़ी की छोटी कुर्सी	04 नग	50/- रु. प्रति नग
4	टूटे-फूटे लोहे के कूलर	04 नग	250/- रू. प्रति नग
5	टूटी-फूटी रिवाल्विंग चेयर गद्दी वाली	03 नग	150/- रू. प्रति नग
6	टूटी-फूटी रिवाल्विंग चेयर गद्दी वाली	01 नग	500/- रू. प्रति नग

अध्यक्ष अपलेखन समिति सोहागपुर / प्रभारी अधिकारी नजारत अनुभाग सोहागपुर | सदस्य अपलेखन समिति सोहागपुर | सदस्य अपलेखन समिति सोहागपुर | नायब नाजिर सोहागपुर

कार्यालयः - द्वितीय जिला एवं सेशन न्यायाधीश सोहागपुर जिला नर्मदापुरम (म.प्र.)

फोन नं. 07575-299185 ई-मेल adjcourtsgp@gmail.com

नीलामी विज्ञप्ति

क्रमांक /Q/ नजा.अनु./2025 सोहागपुर दिनाक 16.06.2025

यह कि इस स्थापना पर नजारत अनुभाग सोहागपुर में उपलब्ध पुराने अनुपयोगी लोहे एवं लकड़ी के फर्नीचर की नीलामी न्यायालय भवन सोहागपुर में दिनांक **28.07.2025** को कार्यालय समय दोपहर 12.00 बजे से 2.00 बजे तक किया जाना है। सामग्री जिस हालत में या उसके संबंध में अन्य कोई विस्तृत जानकारी लेना हो तो अवकाश दिवसों को छोड़कर कार्यालयीन समय में नायब नाजिर सोहागपुर से ली जा सकती है अतः सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है कि संलग्न सूची अनुसार सामग्री नीलामी पर जो भी व्यक्ति नीलामी की शर्तों पर क्रय करने के इच्छुक हों, वह कार्यालयीन समय में उपस्थित होकर जानकारी प्राप्त कर दिनांक **28.07.2025** को नीलामी में भाग ले सकते हैं।

इस संबंध में विवरण एवं सामग्री के छायाचित्र अपर जिला न्यायालय नर्मदापुरम की वेबसाईट पर देखे जा सकते हैं। नीलामी की शर्ते कार्यालयीन समय में कार्यालय में देखी जा सकती है।

द्वितीय जिला एवं सेशन न्यायाधीश
सोहागपुर जिला नर्मदापुरम

हिट एंड रन केस में राहत राशि प्राथमिकता से दें ताकि घायल न हों परेशानः संभागायुक्त तिवारी

नर्मदापुरम, देशबन्धु। संभागायुक्त ने सड़क दुर्घटनाओं में घायल व्यक्तियों को राहत राशि देने के प्रकरण की समीक्षा करते हुए निर्देश दिए की ऐसे प्रकरण पुलिस अधीक्षक से प्राप्त कर राहत राशि देना सुनिश्चित किया जाए। उन्होंने कहा कि हिट एंड रन केस में भी राहत राशि देने का प्रावधान है अतः दो प्रकार की सड़क दुर्घटनाओं में घायल होने पर राहत राशि प्राथमिकता से घायल व्यक्ति को मिलनी चाहिए। उन्होंने सड़क सुरक्षा समिति की बैठक के पालन प्रतिवेदन को पोर्टल पर अपलोड करने के निर्देश दिए। साथ ही निर्देश दिए की सभी लोगों के समग्र आई डी की ई-केवाईसी की जाए। उन्होंने सभी कलेक्टर्स को निर्देश दिए कि वह संयुक्त परामर्शदात्री समिति की बैठक आयोजित करे और बैठक में प्राप्त कर्मचारियों के लंबित समस्याओं का निराकरण करें।

योग दिवस पर एक पेड़ जरूर लगाएं : कमि श्नर नर्मदापुरम। संभागायुक्त ने अंतरराष्टीय योग दिवस 21 जून की व्यापक स्तर पर तैयारी करने के भी निर्देश दिए और कहां की एक पेड़ मां के नाम अभियान में आम जनता को एक पेड़ अपनी मां के नाम लगाने के लिए प्रेरित किया जाए। उन्होंने वर्षा काल की तैयारी के संबंध में आवश्यक निर्देश देते हुए कहा कि नालों और नालियों की सफाई ठीक तरह से कर दी जाए ताकि बारिश में पानी का बहाव ना हो ।संभागायुक्त ने कहां की कलेक्टर सभी जिला शिक्षा अधिकारी और स्कूल के प्राचार्य गणो को निर्देश दे कि वे दसवीं उत्तीर्ण छात्र-छात्राओं को आईटीआई में प्रवेश लेने के लिए प्रेरित करें। उन्होंने कहा कि आईआईटी महाविद्यालय में सभी सीटे प्राथमिकता से भरी जाएं और महिला सीट भी खाली ना रहे। उन्होंने जल जीवन मिशन के अंतर्गत किए जा रहे हैं सभी कार्य समय सीमा में करने के निर्देश दिए और कहां की किए गए कार्यों की एंट्री पोर्टल पर अनिवार्य रूप से की जाए।

कार्यालय नगर पालिका परिषद, हरदा जिला-हरदा (म.प्र.)

E-mail-cmoharda@mpurban.gov.in Ph-07577-225301

क्रमांक /3530 /रा.वि./202 हरदा, दिनांक 13/06/2025

(द्वितीय) ऑनलाईन निविदा सूचना

सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है कि नगर पालिका स्वामित्व की 01 भूखण्ड को म.प्र.न.पा. अधिनियम 1961 की धारा 109 के साथ पढित धारा 355 तथा म.प्र.न.पा. अचल संपत्ति अंतरण नियम 2016 एवं म.प्र. राजपत्र आसाधारण दिनांक 04 मई 2021 में प्रकाशित प्रावधानों के अंतर्गत 30 वर्ष की अवधि हेतु स्वत्व अधिपत्थ मूल्य प्रीमियम बेसिस वार्षिक किराये पर देने हेतु घोष, विक्रय हेतू निविदा वेबसाईड www.mptender.gov.in निम्नानुसार दरें आमंत्रित की गई है निविदा प्रपत्र वेबसाईड पर दिनांक 16.06.2025 से 01.07.2025 तक क्रय की जा सकती है। है। बिड समिट दिनांक 01.07.2025 समय 5.30 तक निविदा संशोधित होने की स्थिति में वेबसाईड पर ही देखा जा सकता है।

क्रं.	भूखण्ड क्रमांक	वार्ड का नाम/ वार्ड क्रमांक/ स्थान	भूखण्ड का नजरी नक्शा एवं क्षेत्रफल वर्गफुट	संपत्ति का आरक्षित मूल्य	अमानत राशि (2.5%)	वार्षिक भू-भाटक अंतिम बोली पर देय होगा	आरक्षण की स्थिति	निविदा प्रपत्र की राशि
1	व्यवसायीक भूखण्ड क्रमांक 01	स्वामी विवेकांनद वार्ड क्रमांक 20, बादर होटल की दक्षिण में	13×19 = 247	13,77,323/-	34,433/-	0.5%	अनारक्षित	5000/-

निविदा की नियम एवं शर्ते की जानकारी एवं अन्य शर्ते नगर पालिका कार्यालय में कार्यालय दिवस व समय में देखी जा सकती है।

मुख्य नगर पालिका अधिकारी
नगर पालिका परिषद, हरदा

नर्मदापुरम, बुधवार 18 जून 2025
संस्थापक-संपादक : स्व. मायाराम सुरजन

युद्ध के साए में दिखावे का जी-7

कनाडा के कनानास्किस में जी-7 की बैठक में हिस्सा लेने के लिए प्रधानमंत्री मोदी पहुंच चुके हैं, हालांकि उन के पहुंचने से पहले ही अमेरिकी राष्ट्रपति ट्रंप वहां से रवाना हो चुके थे। ये बात श्री मोदी के लिए राहत की है क्योंकि अब भारत-पाकिस्तान के बीच युद्धविराम के दावे को लेकर ट्रंप से कोई चर्चा नहीं होगी। ट्रंप इस बात को कम से कम 14 बार कह चुके हैं। ऐसे में अगर श्री मोदी ट्रंप से मिलते और इस बारे में सवाल नहीं करते तब देश में उनकी काफी आलोचना होती। तो इसलिए एक तरह से उन के लिए ये राहत ही है कि वे ट्रंप के साथ किसी अप्रिय स्थिति में उलझने से बच गए।

उधर ट्रंप के जल्दी निकल जाने पर भी विवाद खड़ा हो ही गया है। फ्रांस के राष्ट्रपति इमैनुएल मैक्रों ने कहा था कि मध्य पूर्व में युद्ध विराम सुनिश्चित करने के लिए ट्रंप वापस गए हैं, जो सकारात्मक पहल है। लेकिन ट्रंप ने सोशल मीडिया पर दिए अपने जवाब में मैक्रों को गलत बताते हुए लिखा, 'प्रचार चाहने वाले इमैनुएल मैक्रों ने गलती से कहा कि मैं कनाडा में जी-7 शिखर सम्मेलन छोड़कर वापस वाशिंगटन डीसी जा रहा हूं ताकि इजरायल-ईरान के बीच 'युद्ध विराम' पर काम कर सकूं। गलत! उन्हें नहीं पता कि मैं अब वाशिंगटन क्यों जा रहा हूं, लेकिन इसका निश्चित रूप से युद्ध विराम से कोई लेना-देना नहीं है। इससे कहीं ज्यादा बड़ा। चाहे जानबूझ कर हो या अनजाने में, इमैनुएल हमेशा गलत ही बोलते हैं। देखते रहिए!'

ट्रंप के इस बयान से संकेत मिल रहे हैं कि इजरायल-ईरान युद्ध में अब अमेरिका भी सीधा हिस्सा बन सकता है। वैसे इस बार जी-7 का एजेंडा मौजूदा वैश्विक हालात को देखते हुए पूरी तरह विफल नजर आ रहा है। इस बार बैठक के एजेंडे में वैश्विक शांति और सुरक्षा, आर्थिक स्थिरता, विकास और डिजिटल विकासशील जैसे मुद्दों पर चर्चा होनी है। लेकिन एक तरफ रूस और यूक्रेन के बीच जंग छिड़ी है, इजरायल ने ग़ज़ा में कत्लेआम मचाया है और अब ईरान के साथ भी जंग छेड़ दी है। इस बैठक की शुरुआत करते हुए कनाडा के पीएम मार्क कार्नी ने कहा था कि, आज हम जिस वक्त जी-7 मीटिंग कर रहे हैं तब दुनिया में काफी हलचल है। देश बंटे हुए हैं। अमेरिका, जर्मनी, फ्रांस, जापान, यूनाइटेड किंगडम और इटली के नेता एक साथ बैठे हैं। दुनिया हमारी तरफ देख रही है। अगले दो दिन हम खुलकर चर्चा करेंगे।

लेकिन जिस तरह ट्रंप पहले चले गए, मैक्रों उन पर तंज कस रहे हैं, उससे नजर आ रहा है कि बैठक में न खुलकर चर्चा हो रही है, न सदस्य देशों में एकता दिखाई दे रही है। वैसे जी-7 नेताओं ने इजरायल और ईरान के हालात पर जो बयान जारी किया है, उसमें कहा है कि च्हम, जी-7 के नेता, मध्य-पूर्व में शांति और स्थिरता के लिए अपनी प्रतिबद्धता दोहराते हैं। जी-7 नेताओं ने कहा है कि 'इजराइल को अपनी रक्षा करने का अधिकार है, इस बयान में ईरान को 'क्षेत्रीय अस्थिरता और आतंक का असल स्रोत' कहा गया है। जी-7 नेताओं ने कहा, 'हम लगातार कहते रहे हैं कि ईरान परमाणु हथियार कभी हासिल नहीं कर सकता है। ईरानी संकट के समाधान से मध्य-पूर्व में युद्ध की स्थिति में व्यापक कमी आएगी, जिसमें ग़ज़ा में युद्धविराम भी शामिल है।'

इस बयान को गौर से देखें तो झोल ही झोल नजर आएगा। एक तरफ जी-7 शांति की बात करता है, दूसरी तरफ दो देशों से युद्ध कर रहे इजरायल का साथ दे रहा है और कह रहा है कि इजरायल को रक्षा का अधिकार है। अब सवाल ये है कि अगर इजरायल को रक्षा का अधिकार है, तो वही अधिकार ईरान या फिलीस्तीन को क्यों नहीं है। ईरानी संकट के समाधान की बात जी-7 कर रहा है, यानी सीधे-सीधे ईरान को घुटने टेकने की नसीहत दे रहा है और इसे ग़ज़ा के युद्ध विराम से जोड़ने का दिखावा कर रहा है। अगर जी-7 को वैश्विक शांति की इतनी ही चिंता थी तो अब तक इजरायल को ग़ज़ा को तबाह करने से क्यों नहीं रोका गया।

जी-7 के देशों को शायद यह गुमान है कि उनके पास दुनिया की जीडीपी का 28.4 प्रतिशत हिस्सा है तो वह सारे देशों को अपने मुताबिक नचा सकता है। लेकिन ये समूह आपस में ही बिखरा हुआ दिख रहा है। ट्रंप की तरफ से शुरु किए गए टैरिफ युद्ध की चपेट में दुनिया के कई देश आ चुके हैं। ट्रंप अब भी अपनी टैरिफ नीति से पीछे हटने तैयार नहीं हैं, ऐसे में कई देश खुलकर अपनी नाराजगी जता चुके हैं। इनमें फ्रांस, इटली जैसे देश तो जी-7 के सदस्य ही हैं। वैसे ट्रंप ने जी-7 की अहमियत को लेकर एक बार फिर से सवाल खड़े किए हैं, 2020 में वे इस समूह को आउटडेटेड बता चुके हैं। और अब उन्होंने कहा कि 2014 में रूस को जी-7 से निकालना गलत था, जिससे दुनिया अस्थिर हुई। इसके लिए ट्रंप ने बराक ओबामा और जस्टिन ट्रूडो को जिम्मेदार बताया है।

ट्रंप तो पहले भी अपने पूर्ववर्ती शासकों की सार्वजनिक आलोचना कर चुके हैं, लेकिन मार्क कार्नी के लिए भी उन्होंने अजीब हालात बना दिए हैं, क्योंकि कार्नी का ध्यान इस समय रिश्तों को सुधारने पर है। भारत को आमंत्रित करने के पीछे भी यही कारण बताया गया है, क्योंकि निज्जर हत्याकांड के बाद से कनाडा-भारत के संबंध बिगड़ गए थे। हालांकि अब भी नरेन्द्र मोदी का विरोध कनाडा में हो रहा है। इसके अलावा आतंकवाद, पर्यावरण को नुकसान, कमजोर देशों पर आक्रमण जैसे कई मुद्दों पर जी-7 के खिलाफ प्रदर्शन हो रहे हैं। कनाडाई न्यूज चैनल के मुताबिक, कनानास्किस के सीनियर पुलिस ऑफिसर डेविड हॉल ने कहा है कि प्रदर्शन के लिए 3 जोन तय किए गए हैं, जहां से विरोध प्रदर्शन जी-7 में शामिल हो रहे नेताओं को लाइव दिखाया जाएगा।'

दरअसल, कनाडा सरकार 'शांतिपूर्ण प्रोटेस्ट' को जनता का अधिकार बताती है। इससे पहले भी भारत के ऐतराज के बावजूद कनाडा ने भारतीय दूतावास के सामने विरोध प्रदर्शन की अनुमति दी थी। यानी नरेन्द्र मोदी को अच्छा लगे या बुरा, कनाडा में उनके खिलाफ प्रदर्शन होने दिए जाएंगे।

कुल मिलाकर युद्धों के साए में 2025 की जी-7 की बैठक से कुछ खास हासिल होने की उम्मीद नहीं दिख रही है, क्योंकि सभी देश पहले अपनी स्वार्थपूर्ति में लगे हैं, दुनिया के बारे में सोचने का केवल दिखावा ही हो रहा है।

न्यायपालिका को अपना घर भी ठीक करना चाहिए

बीसवीं सदी के मशहूर जर्मन कवि-नाटककार बर्तोल्त ब्रेख्त ने कहा है कि 'हमें छोटे-छोटे न्याय दिए जाते हैं ताकि बड़े अन्याय छिपाए जा सकें।' हमारे देश में भी ऐसा ही हो रहा है। पिछले कुछ वर्षों से देश की अन्य संवैधानिक संस्थाओं की तरह हमारी न्यायपालिका भी संक्रमण के दौर से गुजर रही है। न सिर्फ उसकी कार्यशैली और फैसलों पर सवाल उठ रहे हैं, बल्कि उसकी हनक भी लगातार कम हो रही है। यह बात सर्वोच्च और उच्च अदालतों के कई पूर्व और वर्तमान न्यायाधीश भी कई मौकों पर कह चुके हैं। इस सिलसिले में कोई सात साल पहले सुप्रीम कोर्ट के चार वरिष्ठ जजों की ऐतिहासिक प्रेस कांफ्रेन्स उल्लेखनीय है।

साल 2018 के जनवरी महीने में सुप्रीम कोर्ट के चार जजों ने एक प्रेस कांफ्रेंस के माध्यम से शीर्ष अदालत में प्रशासनिक गड़बड़ियों को उजागर करते हुए कहा था कि- ये गड़बड़ियां न्यायपालिका को नुकसान पहुंचा रही हैं और देश के लोकतंत्र को नष्ट कर सकती हैं। इन चार जजों का मीडिया के सामने आकर ऐसा कहना आजाद भारत के इतिहास में अपनी तरह की पहली घटना थी। उस घटनाक्रम की एक हैरान करने वाली बात यह भी थी कि चार जजों ने जो कुछ कहा था, उस पर सफाई या उनकी बातों का खंडन सुप्रीम कोर्ट के तत्कालीन प्रधान न्यायाधीश दीपक मिश्रा की ओर से नहीं आया था बल्कि भारतीय जनता पार्टी के प्रवक्ता और राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ से जुड़े संगठन के नेता प्रधान न्यायाधीश के बचाव में आगे आए थे।

बहरहाल इस पूरे घटनाक्रम के बाद सुप्रीम कोर्ट की प्रशासनिक कार्यप्रणाली में कोई सुधार हुआ हो या न हुआ हो, लेकिन देश की न्याय व्यवस्था में तो कोई सुधार हर्गिज नहीं आया। हालांकि तब से लेकर अब तक सुप्रीम कोर्ट और हाई कोर्टों ने कुछ फैसले बहुत अच्छे दिए, जिनसे लोगों को लगा कि अभी सब कुछ खत्म नहीं हुआ है। अलबत्ता सत्ता प्रतिष्ठान को वे फैसले रास नहीं आए और इसी वजह से सत्तापक्ष की ओर से सुप्रीम कोर्ट को कई तरह की नसीहतें भी दी गईं। फिर भी लोक महत्व के कई फैसले बेहद निराशाजनक रहे, जिन्हें किसी भी दृष्टि से तार्किक या निष्पक्ष नहीं कहा जा सकता। इसी दौरान सुप्रीम कोर्ट और हाई कोर्टों के कुछ जजों का व्यक्तिगत आचरण भी बेहद आपत्तिजनक रहा, जिससे न्यायपालिका की विश्वसनीयता पर सवाल उठे।

ज्यादा पुरानी बात न करें तो हाल के दिनों में ही सुप्रीम कोर्ट के कुछ अजीबोगरीब फैसले आए हैं, जो पहलगाम कांड और उसके बाद भारत-पाकिस्तान के बीच हुए सैन्य टकराव के शोर में दब गए और लोगों का उन पर ध्यान नहीं गया। इनमें से कुछ फैसले शीर्ष अदालत की निष्पक्षता पर सवाल खड़ा करते हैं तो कुछ फैसले ऐसे हैं जो शीर्ष अदालत ने अपने अधिकार क्षेत्र के बाहर जाकर दिए हैं।

सबसे महत्वपूर्ण मामला इलाहाबाद हाई कोर्ट के जज शेखर यादव का है। विश्व हिंदू परिषद के एक कार्यक्रम में भाषण देते हुए जस्टिस यादव ने मुसलमानों को कठमुल्ला बताते हुए कहा था कि देश बहुसंख्यकों की इच्छा के मुताबिक ही चलना चाहिए। इस मामले में सुप्रीम कोर्ट ने जस्टिस यादव से सफाई मांगी थी और तत्कालीन प्रधान न्यायाधीश संजीव खन्ना उनके खिलाफ इन-हाउस जांच के लिए कमेटी गठित करने वाले थे लेकिन राज्यसभा सचिवालय ने सुप्रीम कोर्ट को पत्र लिख कर जस्टिस यादव के खिलाफ जांच रुकवा दी। मामला रफा-दफा हो गया। जस्टिस यादव को उनके पद से हटाने के लिए राज्यसभा के 55 सदस्यों के हस्ताक्षर वाला प्रस्ताव भी सदन के सभापति के पास गया था लेकिन उसमें भी कुछ नहीं हुआ।

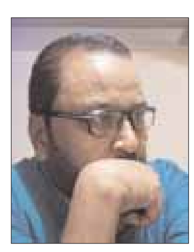
अनिल जैन

भारतीय सेना की कर्नल सोफिया कुरैशी के खिलाफ अपमानजनक टिप्पणी करने वाले मध्यप्रदेश के मंत्री विजय शाह के मामले में तो सुप्रीम कोर्ट का रवैया बेहद ही हैरतअंगेज और अफसोसनाक रहा। मध्यप्रदेश हाई कोर्ट ने इस मामले में सख्त रवैया अपनाते हुए पुलिस को शाह के खिलाफ सख्त धाराओं में एफआईआर दर्ज करने का निर्देश दिया था जिसकी देश भर में सराहना हुई थी

एक अन्य मामला अवमानना का है जिसमें सुप्रीम कोर्ट ने स्पष्ट रूप से दोहरा रवैया अपनाया है। एक यूट्यूबर अजय शुक्ल ने अपने यूट्यूब प्लेटफॉर्म पर सुप्रीम कोर्ट से हाल ही में रिटायर हुई जस्टिस बेला एम. त्रिवेदी की कार्यशैली और उनके दिए कुछ फैसलों को लेकर आलोचनात्मक टिप्पणियां की थीं, जिसे सुप्रीम कोर्ट ने अपमानजनक मानते हुए उनका स्वतः संज्ञान लिया और सुप्रीम कोर्ट की रजिस्टरी को निर्देश दिया कि वह यूट्यूबर शुक्ल के खिलाफ अवमानना की कार्रवाई शुरू करे। जबकि इसी वाकये से कुछ दिनों पहले भाजपा के वरिष्ठ सांसद निशिकांत दुबे ने तत्कालीन प्रधान न्यायाधीश संजीव खन्ना का नाम लेकर कहा था कि उनकी वजह से देश में गृह युद्ध छिड़ा हुआ है। देश के इतिहास में यह पहला मौका था जब सुप्रीम कोर्ट के मुखिया पर किसी ने इतना गंभीर आरोप लगाया था लेकिन उसके खिलाफ अदालत ने अवमानना का मामला शुरू नहीं किया, बल्कि अदालत के सामने जब यह मामला आया तो उसे खुद जस्टिस संजीव खन्ना ने यह कहते हुए खारिज कर दिया कि 'न्यायपालिका ऐसी छुई मुई नहीं है कि जो ऐसी टिप्पणियों से बिखर जाएगी।'

इन मामलों के अलावा सुप्रीम कोर्ट के आदेश पर तमिलनाडु के दो मंत्रियों के इस्तीफे का मामला भी कम हैरान करने वाला नहीं रहा। तमिलनाडु के बिजली और आबकारी मंत्री सेंथिल बालाजी और वन मंत्री के. पोनमुडी के मामले में सुप्रीम कोर्ट ने एक तरह से धमकी दी थी कि अगर उन्होंने मंत्रिपरिषद से इस्तीफा नहीं दिया तो उनकी जमानत रद्द कर उन्हें जेल भेज दिया जाएगा। सवाल है कि कोई भी अदालत किसी मंत्री को यह कैसे कह सकती है कि वह मंत्री पद छोड़े नहीं तो जमानत रद्द करके उसे जेल भेज दिया जाएगा? क्या यह कार्यपालिका के काम में न्यायपालिका का असंवैधानिक हस्तक्षेप नहीं है? किसी आरोपी या दागी व्यक्ति को मंत्रिमंडल में रखने का फैसला नैतिकता की कसौटी पर हो सकता है कि सही नहीं हो लेकिन अगर कानूनी और संवैधानिक रूप से सही है तो उसमें अदालत का दखल क्यों होना चाहिए? गौरतलब है कि सेंथिल बालाजी और पोनमुडी धन शोधन और आय से अधिक संपत्ति के मामलों में लंबे समय तक जेल में रहने के बाद जमानत पर रिहा हुए थे और फिर से मंत्री बनाए गए थे, क्योंकि अगर कोई व्यक्ति विधायक है और उसे अयोग्य नहीं ठहराया गया है तो वह भारत के संविधान के मुताबिक मंत्री, मुख्यमंत्री या प्रधानमंत्री बन सकता है। जैसे पिछले साल धन शोधन के मामले में जेल से छूटने के बाद हेमंत सोरेन फिर से झारखंड के मुख्यमंत्री बने थे और अरविंद केजरीवाल तो जेल में रहते हुए भी मुख्यमंत्री बने रहे।

भारतीय सेना की कर्नल सोफिया कुरैशी के खिलाफ अपमानजनक टिप्पणी करने वाले मध्यप्रदेश के मंत्री विजय शाह के मामले में तो सुप्रीम कोर्ट का रवैया बेहद ही हैरतअंगेज और अफसोसनाक रहा। मध्यप्रदेश हाई कोर्ट ने इस मामले में सख्त रवैया अपनाते हुए पुलिस को शाह के खिलाफ सख्त धाराओं में एफआईआर दर्ज करने का निर्देश दिया था जिसकी देश भर में सराहना हुई थी लेकिन सुप्रीम कोर्ट ने हाई कोर्ट के आदेश पर दो महीने का रहस्यमय स्थगन देकर देश को निराश ही किया।

हाल के वर्षों में हेट स्पीच यानी नफरत फैलाने वाले भाषणों को लेकर भी शीर्ष अदालत और हाई कोर्टों का रवैया बेहद विचित्र रहा है। जेएनयू के दो छात्र खालिद उमर और शरजील इमाम हेट स्पीच के मामले में करीब पांच साल से जेल में हैं। सुप्रीम कोर्ट कई बार कह चुका है कि 'जमानत नियम है और जेल अपवाद' लेकिन सुप्रीम कोर्ट की यह व्यवस्था इन दोनों पर लागू नहीं हो रही है। इसके विपरीत कई केंद्रीय मंत्री और सत्ताधारी पार्टी के सांसद आए दिन हेट स्पीच देते रहते हैं पर उनके खिलाफ एफआईआर दर्ज कराने की अपील तक अदालतों में नहीं सुनी जाती।

ऐसा नहीं है कि न्यायपालिका में जारी गड़बड़ियों से आम आदमी बेखबर हो। पारंपरिक मीडिया भले अपने निहित स्वार्थों की खातिर इन गड़बड़ियों से मुंह फेरे हुए हो, परन्तु वैकल्पिक और सोशल मीडिया के विभिन्न प्लेटफॉर्म्स के विस्तार के चलते हर आदमी न्यायपालिका में व्याप्त भ्रष्टाचार और विसंगतियों से भरी न्याय व्यवस्था से बाखबर है। यह और बात है कि ये गड़बड़ियां अवमानना के डंडे के डर की वजह से कभी भी व्यापक तौर पर सार्वजनिक बहस का मुद्दा नहीं बन पातीं। वक्त का तकाजा है कि न्यायपालिका खुद अपने गिरेबान में झांके और अपनी विश्वसनीयता बहाल करे। अपनी तमाम विसंगतियों और गड़बड़ियों के बावजूद न्यायपालिका ही आज भी हमारे लोकतंत्र का सबसे असरदार स्तंभ है और हर तरफ से लाचार-हताश देशवासियों की उम्मीद का आखिरी आसरा भी। यह स्तंभ भी अगर पूरी तरह ढह गया तो फिर बचा-खुचा लहूलुहान लोकतंत्र भी धर्मांधता, कॉरपोरेट की लूट और व्यक्तिपूजा के पैरों तले पूरी तरह कुचल कर दम तोड़ देगा।

(लेखक स्वतंत्र पत्रकार हैं)

प्रबंधन से ज्यादा जरूरी है आपदा रोकना

सभी राज्यों और केंद्रशासित प्रदेशों के राहत आयुक्तों और आपदा प्रबंधन के मुखिया लोगों के बीच जब केन्द्रीय गृह मंत्री अमित शाह आपदा प्रबंधन में भारत को दुनिया का अगुआ और मोदी राज के दस वर्षों में यह उपलब्धि हासिल करने का दावा कर रहे थे तब डरावने विमान हादसे से बिखरे मलबे और मानव अंगों को समेटने और पहचानने का काम पूरा नहीं हुआ था और जिस किसी ने भी प्रत्यक्ष या वीडियो वगैरह के जरिए राहत एजेंसियों के लोगों को लगन और धैर्य से काम करते देखा होगा वह एक बार गृह मंत्री के दावे पर भरोसा कर लेगा। वैसे यह अलग बात है कि इसी अमित शाह ने इसी दुर्घटना को लेकर जैसा कैजुअल बयान दिया था उसकी काफी आलोचना हुई थी।

आपदा प्रबंधन वाले लोगों के काम की मुश्किल इस बात से भी समझी जा सकती थी कि जब शायद ही कोई शव साबुत मिला हो तब टुकड़ों के आधार पर उसकी पहचान करके घरवालों को सही व्यक्ति की लाश सौंपना असंभव बन गया। लगभग आधे शव ही पहचाने जा सके। हजारों हजार रुपए देकर यात्रा करने वाले यात्रियों और आकाश से आने वाली मौत से अनजान डाक्टर बनने का सपना लेकर आगे बढ़ रहे हास्टल वाले बच्चों के परिवार वालों को अगर शव सौंपना संभव न हो तब सफलता-विफलता और दुनिया में सर्वश्रेष्ठ बनने का दावा क्यों नहीं करना चाहिए यह समझ तो इतने जिम्मेदार नेता में होनी चाहिए।

अरविन्द मोहन

अहमदाबाद या उत्तराखंड हादसे से लेकर कोविड के नाम पर तालाबंदी के जरिए देश भर के करोड़ों प्रवासी मजदूरों के जीवन में तबाही लाने जैसे अधिकांश मामलों में मुख्य भूमिका सरकार की दिखती है या उसकी तरफ से दी गई ढील की है। अगर सिंगल इंजन के विमानों को दुर्गम पहाड़ियों वाले उत्तराखंड में ऑटो की तरह पैसेंजर ढोते सब लोग देख लेते हैं तो यह सरकार को क्यों नहीं दिखता।

अब यह दुर्धटना या इसके ठीक बाद हुई उतराखंड में हेलीकाप्टर दुर्घटना या पुणे में पुल टूटने की घटना या बेंगलुरु में भगदड़ या कुम्भ की भगदड़ या हाथरस की भगदड़ या फिर बाढ़ और प्राकृतिक आपदाओ या कोविड जैसी महामारी के बीच हमारी इन आपदा प्रबंधन एजेंसियों के कामकाज पर नजर डालेंगे तो रिकार्ड फिफ्टी-फिफ्टी का ही मिलेगा। इन पर होने वाले खर्च को जोड़ेंगे तो हिसाब और महंगा लगेगा। इनकी जरूरत और इनकी कार्यकुशलता की मांग तो लगातार बढ़ती जा रही है। लेकिन गृह मंत्री का यह दावा राजनैतिक लगता है कि एजेंसियों ने मोदी राज में नुकसान को न्यूनतम या कम करने की जगह शून्य करने में सफलता पाई है। वे यह कहने से भी नहीं चूके कि आपदा एक वैश्विक समस्या है क्योंकि जलवायु परिवर्तन और वैश्विक तापमान में वृद्धि के चलते इनका क्रम बढ़ गया है। इस बात में सच्चाई हो सकती है लेकिन सारी आपदाओं को प्रकृति और जलवायु के बदलाओं के मत्थे मढ़ना ठीक नहीं है। असल में उस बदलाव और बिगड़ाव के लिए हमी दोषी हैं, हमारी सरकारों की नीतियां दोषी हैं।

अपने यहां अहमदाबाद या उत्तराखंड हादसे से लेकर कोविड के नाम पर तालाबंदी के जरिए देश भर के करोड़ों प्रवासी मजदूरों के जीवन में तबाही लाने जैसे अधिकांश मामलों में मुख्य भूमिका सरकार की दिखती है या उसकी तरफ से दी गई ढील की है। अगर सिंगल इंजन के विमानों को दुर्गम पहाड़ियों वाले उत्तराखंड में ऑटो की तरह पैसेंजर ढोते सब लोग देख लेते हैं तो यह सरकार को क्यों नहीं दिखता। उसके साथ दलालों और पैसों की लूट करने वाली कंपनियों का रिश्ता क्यों नहीं दिखता। हवाई यातायात ही नहीं, सड़क और रेल परिवहन जितना लूटने लगे है उनमें सुविधाओं और सुरक्षा की उतनी ही कमी क्यों आती जा रही है। सड़े गले पुल पर ट्रैफिक न जाए यह देखना किसका जिम्मा है? लोगों के बड़े जमावड़े की इजाजत देते समय कायदे कानून को क्यों बिसरा दिया जाता है? ऐसी दुर्घटनाएं बार-बार हो रही हैं और एनडीआरएफ के जवानों की बहादुरी और कर्तव्यपरायणता के बावजूद बड़ी संख्या में मौत हो जाती है। ऐसी जगह सरकार किसके पक्ष में होती है यह बताया न भी जाए तो इतना जरूर होता है कि वह नुकसान को कम से कम बताकर अपनी जिम्मेवारी से बचना चाहती है।

इस बात का सबसे अच्छा उदाहरण पहलगाम कांड और हमारी सैनिक कार्रवाई की गहमागहमी के बीच कोविड से हुई मौतों का आंकड़ा जारी करना है। यह काम गृह मंत्रालय का ही था और जन्म तथा मृत्यु के आंकड़े जारी करने का रूटीन काम भी कई साल बाद किया गया। इस सरकारी आंकड़े से पता चला कि अकेले 2021 में कोविड से मौत के आंकड़े तीन लाख नहीं बीस लाख से ज्यादा है- पहले बताए जाने वाले आंकड़े से लगभग सात गुना। गुजरात जैसे राज्य में आंकड़ों का फासला साठ गुना लगता है तो उत्तर प्रदेश में भी सात के कई गुना ज्यादा। इस बीच कोविड प्रबंधन में दुनिया भर में झण्डा फहराने जैसे न जाने कितने दावे किए गए। इन मौतों को लेकर सारे चैनल और अखबार सरकार की भक्ति में न थे लेकिन हिन्दू की रिपोर्टों को अनदेखा किया गया तो भास्कर को डांटकर चुप करा दिया गया। अंग्रेजी मीडिया की खबरों से सरकार को ज्यादा चिंता नहीं होती। याद कीजिए, दानिश सिद्दीकी द्वारा लाश से पटी सीमापुरी श्मशान की तस्वीरों पर क्या कहा गया या भास्कर को किस तरह माफी मांगने पर मजबूर किया गया। अफ़गान युद्ध में फोटोग्राफी करते वक्त जान गंवाने वाले दानिश को तब शासक दल के प्रवक्ता गिद्ध कहते थे।

ऐसा ही मामला हाल में हुए कुम्भ हादसे में मरने वालों और उनके परिजनों के साथ हुए व्यवहार का है। कुम्भ को सदी का ही नहीं सदा का सर्वश्रेष्ठ आयोजन बताने और इस भगदड़ को दुर्घटना बताने वाले मामले की पोल बीबीसी के कुछ पत्रकारों ने खोली जब साफ हुआ कि मुआवजे किस भेदभावपूर्ण तरीके से बंटे, कम लोगों को दिए गए और अधिकांश को नहीं मिले।

मौत का आंकड़ा भी सरकारी दावे से कई गुना है। कहीं नकदी तो कहीं बैंक ट्रांसफर क्यों किया गया? यह साफ नहीं है। लेकिन इस बीच उत्तर प्रदेश सरकार ने हाथरस भगदड़ के मुख्य जिम्मेदार को किस तरह बेदाग बचा लिया यह खबर कुम्भ भगदड़ जितनी चर्चा भी नहीं पा सका। उस बाबा पर प्राथमिकी तक दर्ज नहीं हुई और पूछताछ भी औपचारिकतावश हुई। कोविड वाले लाकडाउन में तो प्रवासी मजदूरों की दुर्गति किसी बाबा के चलते न होकर सरकार के गलत फैसले से हुई जिसमें मोदी और शाह सभी शामिल थे। इसलिए साफ लगता है कि दावे जो किए जाए, आपदा प्रबंधन एजेंसियों का काम जितना सुधारा हो आपदा लाने वाले ज्यादा गैर जिम्मेदार हुए हैं, नैतिकता गायब हुई है और फैसलों में कामकाज सुधारने और अच्छे प्रबंधन की जगह दूसरी वजहें प्रभावी होती जा रही हैं।

ललित सुरजन की कलम से

पत्रकारिता: भावना बनाम तर्कबुद्धि

मेरी राय में जिस भी पत्रकार की दिलचस्पी पानी के मसले में हो, उसे राष्ट्रीय जलनीति और यदि प्रदेश की जलनीति हो तो उसका भी अध्ययन करना चाहिए। तभी उसे मालूम होगा कि जलसंकट के विभिन्न आयाम क्या हैं और मूल कारण क्या हैं। जल के आवर्धन, संरक्षण, वितरण और स्वच्छता- इन चारों पहलुओं के बारे में अपनी जानकारी बढ़ाने में उसे तत्पर रहना चाहिए। एक पत्रकार जहां भी पदस्थ है वहां जलस्रोत क्या हैं, वर्षाजल की क्या स्थिति है, जल संरक्षण की पारंपरिक विधियां क्या हैं, नई तकनीकी का इस्तेमाल किस रूप में हो रहा है, उसकी लागत नागरिक की जेब पर भारी है या उचित, जलस्रोत प्रदूषित कैसे हो रहे हैं, स्थानीय निकायों की क्या भूमिका है, जलप्रदाय के लिए आर्थिक प्रावधान क्या हैं, श्रमशक्ति का कैसा इंतजाम है- इन सबको जान-समझकर जब रिपोर्ट बनेगी तब ही उस पर समुचित व प्रभावी कार्रवाई होने की संभावना बन सकती है।

(देशबन्धु में 14 मार्च 2013 को प्रकाशित)

https://lalitsurjan.blogspot.com/2013/03/blog-post_13.html

पावन प्रसंग

अंहकार रूपी व्याधि से सावधान

लोक-व्यवहार में कोई भी व्यक्ति अहंकारी का सम्मान नहीं करता। सभी ऐसे व्यक्ति से बचते फिरते हैं, दूर भागते हैं। परिस्थितिवश मजबूरन उनके साथ व्यवहार करना पड़े तो शिष्टाचारवश उनके आगे सर झुकाते हैं, लेकिन पीठ पीछे उनका वह आदर नहीं रहता; क्योंकि व्यक्ति की अंतरात्मा एक अहंकारी व्यक्ति की क्षुद्रता के सामने श्रद्धानत् नहीं हो सकती और अध्यात्म क्षेत्र में तो इसका विधान और भी स्पष्ट एवं कठोर है।

अध्यात्म-क्षेत्र में अहंकार को भयंकर व्याधि माना गया है। जब तक व्यक्ति में अहंकार का लेशमात्र भी शेष है, अध्यात्म के साम्राज्य में उसका प्रवेश नहीं होता।

गीता में भगवान श्रीकृष्ण का उपदेश तब प्रस्फुटित होता है, जब अर्जुन शरणागत स्थिति में हाथ जोड़कर एक जिज्ञासु के भाव में सामने खड़े होते हैं। अपने शास्त्रबल के अहंकार को त्यागकर, एक भक्त-शिष्य की मनोभूमि में ईश्वरीय वाणी को सुनने के लिए तैयार होते हैं। अत: शिष्य-साधक को अहंकाररूपी महाव्याधि से हर हालत में सावधान रहने की आवश्यकता है।

अध्यात्म-क्षेत्र में प्रगति का मार्ग अहंकार के त्याग एवं गुरु के प्रति भक्तिभाव के साथ ही प्रारंभ होता है। हृदय में जीवन के परम सत्य को जानने की उत्कंठा तथा गुरु के प्रति श्रद्धा-समर्पण के आधार पर ही भक्ति का उदय होता है, अहंकार का विगलन होता है और अध्यात्म-क्षेत्र में प्रवेश की प्रक्रिया प्रारंभ होती है।

अहंकार के मिटते ही व्यक्ति में सज्जनता शालीनता, सादगी, सात्विकता जैसे सद्गुण अनायास ही बढ़ते चले जाते हैं; जबकि अहंकार की भ्रांति व्यक्ति को पग-पग पर आत्मप्रदर्शन के पाखंड रचने के लिए प्रेरित करती है।

अहंकार शक्ति की तनिक-सी उपलब्धि से मदोन्मत्त हो उठता है। तनिक-सा धन, सत्ता, विभूति और प्रशंसा पाकर अहंकार अपनी औकात को भुला बैठता है। अहंकार से फूला व्यक्ति एक ऐसे भ्रम में जीता है कि जैसे उसने क्या पा लिया और वह क्या बन गया?

अहंकाररूपी भेद-बुद्धि न केवल मनुष्य को स्वयं से दूर कर देती है, बल्कि मूल स्त्रोत परमात्मा से भी भिन्न कर देती है। अपने जीवन एवं अस्तित्व के यथार्थ से कटा व्यक्ति अहंकार के अंधकार में अपनी सही स्थिति को अनुभव नहीं कर पाता और विराट अस्तित्व से अपने संबंध को भुला बैठता है और परिणामस्वरूप जीवन के मूल ध्येय से वंचित रह जाता है।

अहंकार का जाल-जंजाल ऐसा है, जिसमें फंस जाने वाला अपनी वास्तविक शक्तियों का इस प्रकार उद्धत प्रयोग करता है कि घाटा निरंतर बढ़ता ही चले। जो कुछ पास में था, उसका सदुपयोग करते कुछ बना और आगे बढ़ा जा सकता था-वह आत्मप्रदर्शन के कुचक्र में ही बरबाद हो जाता है। अहंकारी हर दृष्टि से घाटा-ही-घाटा उठाता है।

इस तरह मनुष्य के विनाश का सबसे प्रबल कारण अहंकार ही है और यह भगवान के सबसे अप्रिय गुणों में से एक है। फिर भी आश्चर्य कि यह अहंकार भाव कितना बलवान है कि यह जो मनुष्य को बार-बार अपने शिकंजे में कसता रहता है। इसके बचाव का एक ही तरीका है कि अपनी विवेक-बुद्धि को जाग्रत रखा जाए, अपनी भाव संवेदना को जीवंत रखा जाए और गुरु के वचनों के प्रति प्रगाढ़ आस्था एवं ईश्वर के प्रति समर्पण भाव के साथ अपने जीवन ध्येय की ओर नैष्ठिक रूप से बढ़ते रहा जाए।

-अखण्ड ज्योति

आपके पत्र

देश में इतने भविष्यवक्ता फिर भी किसी बड़े हादसे की ख़बर तक नहीं मिलती?

यह विडंबना नहीं, त्रासदी है कि भारत जैसे देश में जहां विज्ञान, तकनीक और आपदा प्रबंधन की व्यापक ज़रूरत है, वहां संकट की घड़ी में लोग अब भी किसी बाबा की 'फेसबुक लाइव' पर आश्वासन खोजते हैं। यह एक गहरी सामाजिक असुरक्षा और वैज्ञानिक सोच की कमी का परिचायक है। यहीं पर जिम्मेदारी बनती है सरकारों, शिक्षकों और सामाजिक संस्थानों की। धर्म आस्था का विषय है, लेकिन जब वह वैज्ञानिक विवेक, सामाजिक उत्तरदायित्व और मानवता से दूर जाकर एक 'कॉरपोरेट माया' बन जाए, तो उसके खिलाफ खड़ा होना जरूरी है। यह कोई धर्म-विरोध नहीं, बल्कि अंधविश्वास-विरोध है।

भविष्यवाणी की आड़ में जो व्यवसायिक ढांचा खड़ा हुआ है, वह न केवल जन-संवेदनाओं से खिलवाड़ करता है, बल्कि आपदा के समय नागरिकों को दिग्भ्रमित भी करता है। जब किसी नदी में बाढ़ आती है, तो मौसम विभाग तो चेतावनी जारी करते हैं, लेकिन भगवा पोशाकधारी बाबा लोग चुप रहते हैं। जब ट्रेन दुर्घटनाग्रस्त होती है, तब न तो किसी ज्योतिषी का वीडियो वायरल होता है, न ही कोई 'भविष्यवक्ता' ग्रीन रूम से बाहर आता है।

सवाल यह भी है कि इनका सीधा संपर्क किससे है? क्या वह संपर्क केवल उन्हीं दिनों काम करता है जब 'दस लाख का यज्ञ', 'एक करोड़ का चढ़ावा', या चविशेष पूजा आयोजित की जाती है? क्या ईश्वर को संपर्क में लाने के लिए भी 'डेटा पैक' रिचार्ज कराना पड़ता है? यह कटाक्ष नहीं, कटु सत्य है कि धार्मिक विश्वास अब एक टेलीकॉम योजना जैसा हो गया है—पैसा दो, नेटवर्क भरोसेमंद होगा। एक आम नागरिक के नज़रिए से देखें, तो यह धोखा है। क्योंकि जब जनता किसी संकट में होती है, तब उसे सही, सटीक, और वैज्ञानिक जानकारी चाहिए होती है—न कि दाढ़ी वाले किसी स्वयंभू ईश्वर के प्रवचन की। इस पूरे परिदृश्य में कुछ संतुलित, विद्वान और सच्चे आध्यात्मविद अपवाद हो सकते हैं, जो वास्तव में समाज सेवा और आत्मकल्याण की बात करते हैं। लेकिन बहुसंख्यक मंचों पर जो चल रहा है, वह एक भविष्य बेचने का उद्योग है—जिसमें भविष्य के नाम पर वर्तमान की चेतना को शिथिल किया जा रहा है। अब समय है कि हम इस 'पाखंडी भविष्यवाणी तंत्र' की पड़ताल करें। सरकारों को ऐसे फर्जी दावों पर निगरानी रखनी चाहिए। शिक्षा व्यवस्था में वैज्ञानिक दृष्टिकोण और तर्कशीलता को प्रोत्साहित किया जाना चाहिए। मीडिया को भी यह समझना चाहिए कि बाबा के चक्कर में वे किस तरह जनता को एक अंधकारमय राह पर ले जा रहे हैं। और अंत में, यह भी जरूरी है कि हम, आप, आम लोग—अब सवाल करना सीखें। अगली बार जब कोई बाबा मंच से यह कहे कि -अगले महीने बड़ी घटना घटेगी, तो उनसे पूछें—क्या, कब, कहां, कैसे? यदि उनके पास उत्तर नहीं है, तो उनका भविष्य नहीं, आपकी जागरूकता उनका अंत तय करेगी।

-प्रियंका सौरभ

खेल जगत

गिल की कप्तानी में कोहली और रोहित की विशेषताएं : बटलर

लंदन। इंग्लैंड की सीमित ओवर टीम के पूर्व कप्तान जॉस बटलर ने कहा कि भारतीय टेस्ट टीम के युवा कप्तान शुभमन गिल के नेतृत्व में विराट कोहली और रोहित शर्मा की विशेषताएं है। इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) 2025 में शुभमन गिल की कप्तान में खेल चुके बटलर कहा कि गिल की कप्तानी में विराट कोहली की तरह आक्रामक और रोहित शर्मा की तरह शांत नेतृत्व का मिश्रण है। उन्होंने कहा कि गिल अपने दो पूर्व कप्तानों की सर्वश्रेष्ठ विशेषताओं के साथ अपने तरीके से टीम की अगुवाई करेंगे। उन्होंने कहा कि वह वाकई एक प्रभावशाली युवा खिलाड़ी है। जब वह बोलता है तो बेहत शांत और संतुलित रहता है, लेकिन मुझे लगता है कि मैदान पर वह थोड़ा आक्रामक है, जहां उनमें थोड़ी तीव्रता और जुझारूपन है। वह कोहली और रोहित का मिश्रण है। उसने स्पष्ट रूप से उन दो लोगों से सीखा है, लेकिन वह बहुत हद तक स्वयं की पहचान बनाएगा।

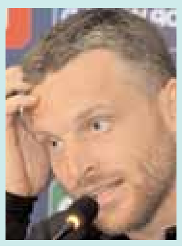

इंग्लैंड 'स्विंग' से लेगा यशस्वी का इम्तिहान

■ सत्येन्द्र पाल सिंह

■ इंग्लैंड में यशस्वी का मिजाज तय करेगा उनकी कामयाबी

■ यशस्वी के साथ क्या केएल राहुल करेंगे भारत की पारी का आगाज

नई दिल्ली, 17 जून (देशबन्धु)। भारत के नौजवान सलामी बल्लेबाज यशस्वी जायसवाल की सबसे बड़ी ताकत है खुद को बहुत जल्द मैच की स्थिति के मुताबिक ढाल कर खेलना। 23 बरस के यशस्वी मात्र दस बरस की उम्र में क्रिकेट में अपने लिए अलग मुकाम बनाने का सपना लिए अकेले ही उत्तर प्रदेश के छोटे से कस्बे भदोही से मुंबई आ गए। यशस्वी का मुंबई आकर आजाद मैदान में पहुंच टेंट में रहने के बाद वहीं अपने बल्ले से कमाल दिखा पहले पहले मुंबई रणजी टीम और फिर भारतीय टेस्ट टीम में स्थान बनाना किसी भी छोटे शहर से आने वाले खिलाड़ी के लिए बड़ी प्रेरणा साबित हो सकता है। यशस्वी इस लिहाज से खुशकिस्मत रहे कि उनकी प्रतिभा को कभी खुद क्रिकेटर बनने का सपना लिए मुंबई आए क्रिकेट की प्रतिभा को तलाशने व तराशने वाले क्रिकेट उस्ताद ज्वाला सिंह जैसे जोहरी ने पहचाना। यशस्वी नैसर्गिक रूप से स्ट्रोक खेलने में यकीन करते हैं लेकिन टेस्ट जैसे सबसे चुनौतीपूर्ण फॉर्मेट के मिजाज के मुताबिक खुद को ढाल कर खेलना उन्हें क्रिकेट के तीनों फॉर्मेट का मजबूत बल्लेबाज बनाता है। वह इस मामले में खुशकिस्मत रहे कि दरउन्हें भारत और भारत की अंडर 19 टीम के क्रिकेट उस्ताद के रूप में करियर के रूप में अपने दौर के सर्वकालीन सर्वश्रेष्ठ बल्लेबाजों में से एक राहुल द्रविड़ जैसे दुनिया के सबसे काबिल क्रिकेट उस्ताद मिले । संयोग से यशस्वी अब आईपीएल में उसी राजस्थान रॉयल्स के लिए खेलते हैं जिसके चीफ क्रिकेट कोच द्रविड़ हैं। यह गुरु द्रविड़ के मार्गदर्शन का ही कमाल है कि यशस्वी टेस्ट में भी पिच और स्थिति के मुताबिक कई बार क्रीज पर लंगर ढाल, कई बाद आक्रामक अंदाज में और कई बार रक्षात्मक अंदाज मे खेल, हर स्थिति के मुताबिक खुद को ढाल टेस्ट में टीम इंडिया के शीर्ष क्रम के प्रमुख बल्लेबाज के रूप में साबित करने में कामयाब रहे हैं। यशस्वी की मुश्किल स्थिति में आगे आकर चुनौती का सामना करने की कूवत की भारत के पूर्व चीफ कोच राहुल द्रविड़ कायल हैं। भारत की पिछली टेस्ट सीरीज में ऑस्ट्रेलिया में यशस्वी ने बढ़िया आगाज किया था लेकिन शुरू में टेस्ट सीरीज में बढ़िया आगाज करने के बाद वह राह भटक गए।

यशस्वी अब रोहित शर्मा और विराट कोहली के टेस्ट को अलविदा कहने के बाद केएल राहुल, उपकप्तान ऋषभ पंत , कप्तान शुभमन गिल , साई सुदर्शन, करुण नायर के साथ भारतीय बल्लेबाजी में शीर्षक्रम की अहम कड़ी हैं। यशस्वी का खासतौर पर भारत में टेस्ट रिकॉर्ड शानदार रहा है।इंग्लैंड बेजबाल यानी शुरु से दे दनादन की रणनीति पर ही भारत के खिलाफ टेस्ट सीरीज में काबिज रहता तो तब पिचों के बल्लेबाजों के लिए ज्यादा मुफीद रहने की उम्मीद है और ऐसी पिचों पर यशस्वी बड़ी पारियां खेलने में सक्षम हैं। यदि इंग्लैंड में पिचें सीम गेंदबाजों के लिए मददगार रही तो तब यशस्वी को जवाबी हमले बोल कर इंग्लैंड को उसी के अंदाज में जवाब देने की जरूरत होगी। इंग्लैंड में जब भारत हेडिंग्ले ,लीडस में 20 जून से उसके खिलाफ पांच टेस्ट मैच की सीरीज का पहला टेस्ट खेलेगा तो वहां के भारी मौसम में जब गेंद स्विंग होगी और तब यह देखना दिलचस्प होगा कि यशस्वी इससे कैसे निपटते हैं। यशस्वी क्या पिच पर ठहर कर स्विंग को समझने के लिए शुरूआती ओवर धैर्य धर कर खेलेंगे या इंग्लैंड के गेंदबाजों पर हावी होकर उनकी लय बिगाड़ने की रणनीति अपनाएंगे?

अर्श के हौसलो का 'दीप' इंग्लैंड में जलने के लिए पूरी तरह से तैयार

नई दिल्ली। युवा भारतीय टीम का सबसे बड़ा और पहला टेस्ट 20 जून से इंग्लैंड के खिलाफ शुरू होने वाली पांच मैचों की टेस्ट सीरीज के पहले टेस्ट से होने जा रहा है। इस युवा टेस्ट टीम में पहली बार चुने गए बाएं हाथ के तेज गेंदबाज अर्शदीप सिंह पर जसप्रीत बुमराह के कार्य प्रबंधन को देखते हुए अधिक जिम्मेदारी हो सकती है लेकिन इस जिम्मेदारी के लिए उन्होंने पिछले दो साल से कड़ी मेहनत की थी और उनके कोच जसवंत राय को लगता है कि अब उसको अमलीजामा पहनाने का समय आ गया है। ईएसपीएन क्रिकइंफो से बातचीत के दौरान राय ने कहा कि अर्शदीप जब अंडर-19 विश्व कप जीते थे तो उस समय टीम के कोच राहुल द्रविड़ थे। राहुल जानते थे कि अर्शदीप में आगे आने वाले समय में लाल गेंद क्रिकेट में भी लंबा खेलने की क्षमता है।

ब्रॉड और बटलर ने बुमराह को बताया 'ट्रम्प कार्ड'

लंदन। भारत के तेज गेंदबाज जसप्रीत बुमराह इंग्लैंड के खिलाफ आगामी पांच टेस्ट मैचों की सीरीज में पहले से ही अपनी छाप छोड़ रहे हैं, इंग्लैंड के दो आधुनिक महान खिलाड़ियों - स्टुअर्ट ब्रॉड और जोस बटलर - ने तेज गेंदबाज के कौशल, विशिष्टता और मैच जीतने की क्षमता की भरपूर प्रशंसा की है। 'फॉर द लव ऑफ क्रिकेट' पॉडकास्ट पर बोलते हुए, सेवानिवृत्त तेज गेंदबाज स्टुअर्ट ब्रॉड ने बुमराह के गेंदबाजी एक्शन और डिलीवरी स्ट्राइड की तुलना महान ग्लेन मैकग्रा से की और उन्हें शुक्रवार को लीड्स में शुरू होने वाली मार्की सीरीज में 'देखने लायक खिलाड़ी' बताया। ब्रॉड ने कहा कि वह दौड़ते हुए आता है, आप सोचेंगे कि 'यह 70 मील प्रति घंटे की रफ्तार होगी' और यह आपको 90 मील प्रति घंटे की रफ्तार से मारता है और आपको वास्तविक प्रवाह नहीं मिलता है, उन्होंने बताया कि कैसे बुमराह की भ्रामक गति और लयहीन दृष्टिकोण बल्लेबाजों को भ्रमित करता है। उन्होंने कहा कि जब मैंने शोएब अख्तर का सामना किया, तो वह सौ मील प्रति घंटे की रफ्तार से दौड़ा और सौ मील प्रति घंटे की रफ्तार से गेंद डाली। आप तैयार थे। लेकिन बुमराह अपने रन-अप में बहुत संतुलित है - यह एक छोटी-सी चाल है, इसलिए वह कभी भी ओवर स्ट्राइड और संतुलन से बाहर नहीं होता है। ब्रॉड, जिन्होंने अपने शानदार करियर में 604 टेस्ट विकेट लिए, ने कहा कि मैं ग्लेन मैकग्रा को देखता हूं - मैंने जितने भी गेंदबाज देखे हैं, उनमें से उनका स्ट्राइड सबसे संतुलित था, और बुमराह भी वही हैं। हालांकि बुमराह का सभी पांच टेस्ट मैचों में शामिल होना सुनिश्चित नहीं है - भारतीय चयनकर्ताओं और मुख्य कोच गौतम गंभीर ने उनके कार्यभार को प्रबंधित करने का विकल्प चुना है - ब्रॉड ने यह स्पष्ट किया कि सभी मैचों में तेज गेंदबाज की उपस्थिति भारत के पक्ष में तराजू को काफी हद तक झुका सकती है।

म्यूनिख में भारतीय निशानेबाजों ने चमक बिखेरी दो स्वर्ण और दो कांस्य पदक लेकर स्वदेश लौटे

नई दिल्ली, 17 जून (एजेंसियां)। भारतीय पिस्टल और राइफल निशानेबाजों ने म्यूनिख में हाल ही में संपन्न आईएसएसएफ विश्व कप 2025 में शानदार प्रदर्शन करते हुए दो स्वर्ण और दो कांस्य सहित चार

■ शानदार कौशल का प्रदर्शन करते हुए फाइनल में 231.2 का स्कोर दर्ज किया

पदक हासिल किए। इस उपलब्धि ने भारत को समग्र अंक तालिका में प्रभावशाली तीसरे स्थान पर पहुंचा दिया, जो केवल चीन और नॉर्वे से पीछे थे। भारत की पदक की तलाश दो बार की ओलंपियन एलावेनिल वलारिवन के साथ शुरू हुई, जिन्होंने महिलाओं की 10 मीटर एयर राइफल श्रेणी में कांस्य पदक जीता। 25 वर्षीय ने शानदार कौशल का प्रदर्शन करते हुए फाइनल में 231.2 का स्कोर दर्ज किया। इससे पहले क्वालिफिकेशन राउंड में वलारिवन ने 635.9 के शानदार स्कोर के साथ नया राष्ट्रीय रिकॉर्ड बनाया। भारत की कांस्य पदक तालिका में महिलाओं की 50 मीटर राइफल 3 पोजीशन स्पर्धा में सिफ्ट कौर समरा ने भी अपना नाम शामिल किया। 23 वर्षीय, जो इस स्पर्धा में वर्तमान विश्व रिकॉर्ड रखती है (2022 एशियाई खेलों के दौरान 469.6 के स्कोर के साथ दर्ज की गई), ने 453.1 के अंतिम स्कोर के साथ पोडियम पर अपना स्थान सुरक्षित किया। यह जीत इस साल की शुरुआत में 2025 आईएसएसएफ विश्व कप ब्यूनस आयर्स में इसी श्रेणी में स्वर्ण पदक जीतने के बाद मिली है। टूर्नामेंट में भारत के लिए पहला स्वर्ण पदक युवा प्रतिभाशाली सुरुचि सिंह ने महिलाओं की 10 मीटर एयर पिस्टल स्पर्धा में हासिल किया। 19 वर्षीय ने अपने दृढ़ संकल्प का परिचय देते हुए फाइनल में कुल 241.9 का स्कोर दर्ज किया और पोडियम पर शीर्ष स्थान हासिल किया। यह इस साल आईएसएसएफ विश्व कप में सुरुचि का लगातार तीसरा स्वर्ण पदक है, इससे पहले उन्होंने टूर्नामेंट के ब्यूनस आयर्स और लीमा दोनों चरणों में स्वर्ण पदक जीता था, जिससे उनका दबदबा और मजबूत हुआ। सुरुचि सिंह ने कहा कि लगातार तीसरा आईएसएसएफ विश्व कप स्वर्ण जीतना अवास्तविक लगता है।

सुपर60 यूएसए लीजेंड्स टूर्नामेंट में खेलते नजर आएंगे हरभजन समेत इंडियन क्रिकेटर्स

नई दिल्ली, 17 जून (एजेंसियां)। पूर्व भारतीय क्रिकेटर हरभजन सिंह, शिखर धवन, सुरेश रैना और रॉबिन उथप्पा 'सुपर60 यूएसए लीजेंड्स टूर्नामेंट' में खेलते नजर आने वाले हैं। यह टूर्नामेंट 5-16 अगस्त के बीच खेला जाएगा।

हरभजन सिंह और सुरेश रैना साल 2011 में भारत की वनडे विश्व कप विजेता टीम का हिस्सा रह चुके हैं, जबकि रॉबिन उथप्पा साल 2007 में टी20 वर्ल्ड कप जीतने वाली टीम का हिस्सा रहे हैं। वहीं, शिखर धवन ने साल 2013 में भारत को चैंपियंस ट्रॉफी जिताने में अहम भूमिका निभाई थी। यूएसए लीजेंड्स टूर्नामेंट में अपनी भागीदारी पर बात करते हुए हरभजन सिंह ने कहा कि मैं सुपर60 यूएसए लीजेंड्स टूर्नामेंट का हिस्सा बनकर रोमांचित हूं। यह एक अनूठा और विशिष्ट

फॉर्मेट है, जो खेल में एक नया नजरिया लाता है। अंतरराष्ट्रीय खिलाड़ियों की भागीदारी के साथ, यह टूर्नामेंट दुनिया के इस हिस्से में क्रिकेट को लोकप्रिय बनाने की दिशा में एक बड़ा कदम है। सुरेश रैना ने कहा कि मैं सुपर60 यूएसए लीजेंड्स टूर्नामेंट का हिस्सा बनकर उत्साहित हूं, जो वर्ल्ड क्लास टैलेंट को एक साथ लाता है। इस तरह का टूर्नामेंट अमेरिका में क्रिकेट कम्यूनिटी को बढ़ाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगा। मुझे उस जर्नी में अपनी भूमिका निभाने पर गर्व है। शिखर धवन ने आगे कहा कि सुपर60 यूएसए लीजेंड्स टूर्नामेंट में शामिल होना बढ़ती क्रिकेट कम्यूनिटी में फैंस से जुड़ने का एक शानदार मौका है। इंटरनेशनल स्टार्स और एक नए, आकर्षक फॉर्मेट के साथ, इस आयोजन में क्षमता है कि वह अमेरिका में क्रिकेट को मुख्यधारा में लाए, जो भविष्य की पीढ़ियों के लिए मार्ग प्रशस्त करेगा।

> मैं सुपर 60 यूएसए लीजेंड्स टूर्नामेंट का हिस्सा बनकर रोमांचित हूं, यह एक अनूठा और विशिष्ट फॉर्मेट है, जो खेल में एक नया नजरिया लाता है। अंतरराष्ट्रीय खिलाड़ियों की भागीदारी के साथ, यह टूर्नामेंट दुनिया के इस हिस्से में क्रिकेट को लोकप्रिय बनाने की दिशा में एक बड़ा कदम है : हरभजन सिंह

> मैं सुपर60 यूएसए लीजेंड्स टूर्नामेंट का हिस्सा बनकर उत्साहित हूं, जो वर्ल्ड क्लास टैलेंट को एक साथ लाता है। इस तरह का टूर्नामेंट अमेरिका में क्रिकेट कम्यूनिटी को बढ़ाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगा : सुरेश रैना

धवन ने सुपर60 यूएसए लीजेंड्स टूर्नामेंट में खेलने से किया इनकार

नई दिल्ली। पूर्व भारतीय बल्लेबाज शिखर धवन ने स्पष्ट किया कि वह सुपर60 यूएसए लीजेंड्स टूर्नामेंट से जुड़े नहीं हैं या इसमें भाग नहीं ले रहे हैं, क्योंकि टूर्नामेंट के आयोजकों ने कहा था कि वह 5 से 16 अगस्त तक होने वाले इस आयोजन में भाग लेने वाले चार भारतीय खिलाड़ियों में से एक हैं । धवन के कार्यालय द्वारा जारी एक बयान मे, उन्होंने सुपर60 यूएसए लीजेंड्स टूर्नामेंट में उनकी भागीदारी के बारे में मीडिया रिपोर्टों को पूरी तरह से गलत और भ्रामक बताया। बयान में कहा गया है, हमने देखा है कि कुछ लेख और पोस्ट मीडिया प्लेटफॉर्म पर प्रसारित हो रहे हैं, जिसमें गलत दावा किया जा रहा है कि शिखर धवन आगामी सुपर 60 लीजेंड्स यूएसए लीग में भाग ले रहे हैं।

सार संक्षेप

तीन सुपर ओवरों बाद नीदरलैंड्स की नेपाल पर जीत

नई दिल्ली। ग्लास्गो में सोमवार को एक ऐतिहासिक पल देखने को मिला जब नीदरलैंड्स-नेपाल मैच तीसरे सुपर ओवर में पहुंच गया जहां पर नीदरलैंड्स ने यह रोमांचक मैच जीता। यह पहली बार है जब पुरुषों के पेशेवर क्रिकेट टी20 या लिस्ट ए मैच तीसरे सुपर ओवर में पहुंचा है। यह नीदरलैंड्स की टीम थी जो इस रोमांचक जंग में अंत में शीर्ष पर रहकर जीती। नेपाल को आखिरी ओवर में जीत के लिए 16 रन चाहिए थे। नंदन यादव ने तेज गेंदबाज काइल क्लीन पर 2,1,4, 2, 2, 4 रन बनाते हुए मैच को पहले सुपर ओवर में ला दिया। इसके बाद बायें हाथ के स्पिनर डेनियल डोरम को सुपर ओवर दिया गया, जिसमें कुशल भुर्तल ने उन पर दो छक्?के और एक चौका लगाते हुए 19 रन बना लिए। डोरम सामान्य समय में चार ओवर में केवल 14 रन देकर तीन विकेट ले गए थे। इसके बाद माइकल लेविट ने पहली गेंद पर छक्?का और मैक्स ओ'डाउड ने आखिरी दो गेंद पर छक्का और चौका लगाते हुए मैच को दूसरे सुपर ओवर में पहुंचा दिया। इसके बाद ललित राजबंशी पर पहली तीन गेंद पर दो छक्के लगे और फिर नीदरलैंड्स ने सुपर ओवर नंबर दो में 17 रन बनाए। रोहित पोडल ने इसके बाद पहली गेंद पर छक्का लगाया और फिर दिपेंद्र सिंह ऐरी ने चौका लगाया और अब आखिरी गेंद पर सात रन चाहिए थे।

चेल्सी की जीत में चमके पेड्रो नेटो, साथी खिलाड़ी का जताया आभार

अटलांटा। चेल्सी ने लॉस एंजिल्स एफसी के खिलाफ 2-0 से जीत के साथ अपने फीफा क्लब विश्व कप अभियान की शुरुआत की है। चेल्सी के स्टार पेड्रो नेटो ने मुकाबले के 39वें मिनट पर गोल दागकर चेल्सी का खाता खोलने में मदद की। मैच जीतने के बाद पेड्रो ने शुरुआती गोल के लिए निकोलस जैक्सन के पास को श्रेय दिया है। जैक्सन ने नेटो को एक बेहतरीन पास दिया, जिसका फायदा उठाकर पेड्रो ने ह्यूगो लॉरिस को पीछे छोड़ते हुए गोल दागा। इस गोल ने चेल्सी को अटलांटा में एलएएफसी के खिलाफ टूर्नामेंट के अपने पहले मैच में शानदार जीत दिलाने में बड़ी भूमिका निभाई। जीत के बाद नेटो ने फीफा से कहा कि मैं बहुत अच्छा महसूस कर रहा हूं। मैंने टीम में कई पोजिशन पर खेला है। यह क्लब के साथ मेरा पहला साल है।

मंधाना महिला वनडे बल्लेबाजी रैंकिंग में बनीं नंबर वन

दुबई, 17 जून (एजेंसियां)। अंतर्राष्ट्रीय क्रिकेट परिषद (आईसीसी) द्वारा मंगलवार को जारी नवीनतम अपडेट के अनुसार, भारत की स्टार स्मृति मंधाना ने नवंबर 2019 के बाद पहली बार महिला वनडे बल्लेबाजी रैंकिंग में नंबर एक स्थान हासिल किया है।

■ मंधाना ने त्रिकोणीय सीरीज के फाइनल के दौरान अपने करियर का 11वां शतक बनाया

28 वर्षीय मंधाना एक स्थान ऊपर उठकर शीर्ष स्थान पर वापस आ गई हैं, जबकि दक्षिण अफ्रीका की कप्तान लॉरा वोल्वार्ट, वेस्टइंडीज के खिलाफ पहले दो वनडे में 27 और 28 रन की पारी खेलने के बाद इंग्लैंड की नई कप्तान नैट सिवर-ब्रंट के साथ संयुक्त दूसरे स्थान पर खिसक गई हैं। वोल्वार्ट के शीर्ष पर छह महीने से अधिक समय तक बने रहने के बाद मंधाना अब 727 रेटिंग अंकों के साथ आराम से बैठी हैं। भारत की स्टार बल्लेबाज हाल ही में शानदार फॉर्म में हैं और उन्होंने कोलंबो में श्रीलंका और दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ भारत की हाल ही में त्रिकोणीय सीरीज के फाइनल के दौरान अपने करियर का 11वां शतक बनाया। वोल्वार्ट की टीम की साथी, टैजमिन ब्रिट्स तीन मैचों की सीरीज के पहले मैच में अपने अर्धशतक की बदौलत पांच पायदान ऊपर चढ़कर 27वें स्थान पर पहुंच गई, जो वर्तमान में दक्षिण अफ्रीका द्वारा बारबाडोस में दूसरे मैच में मेजबान टीम को 40 रनों से हराने के बाद बराबरी पर है।

मैं इस टीम के लिए अपना खून देने को तैयार हूं : रबाडा

लंदन, 17 जून (एजेंसियां)। दक्षिण अफ्रीका के तेज गेंदबाज कैगिसो रबाडा, जिन्होंने पिछले सप्ताह लॉर्ड्स में विश्व टेस्ट चैंपियनशिप (डब्ल्यूटीसी) के फाइनल में ऑस्ट्रेलिया पर प्रोटियाज की पांच विकेट की जीत में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई थी, ने कहा कि वह इस टीम के लिए अपना शरीर दांव पर लगाने को तैयार हैं। रबाडा ने लॉर्ड्स ऑनर्स बोर्ड में अपना नाम दर्ज करने के लिए पहली पारी में पांच विकेट सहित शिखर मुकाबले में नौ विकेट लिए। उनके प्रयासों ने दक्षिण अफ्रीका को एक प्रभावशाली स्थिति में पहुंचा दिया क्योंकि उन्होंने ऑस्ट्रेलिया की पहली पारी 212 रनों पर समेट दी।

30 वर्षीय खिलाड़ी ने अब तक 71 टेस्ट मैचों में 336 विकेट लिए हैं, जो उन्हें दक्षिण अफ्रीका के सर्वकालिक विकेट लेने वालों की सूची में चौथे स्थान पर रखता है और 200 से अधिक विकेट लेने वाले किसी भी खिलाड़ी के लिए खेल में सर्वश्रेष्ठ स्ट्राइक रेट रखता है। रबाडा ने लॉर्ड्स में संवाददाताओं से कहा कि आमतौर पर आपके दिमाग में दो आवाजें होती हैं, एक जो संदेह करती है और दूसरी जो विश्वास करती है। दूसरी आवाज वह होती है जिसे हम लगातार आगे बढ़ाते रहते हैं, खास तौर

■ रबाडा 30 वर्षीय खिलाड़ी ने अब तक 71 टेस्ट मैचों में 336 विकेट लिए हैं

पर इस तरह के बड़े मौकों पर, जैसे कि विश्व टेस्ट चैंपियनशिप का फाइनल।इसीलिए आपने जो प्रदर्शन देखा, वह देखने लायक है। यह इस सीजन में हमारी टीम के लिए एक वसीयतनामा है। उन्होंने कहा कि मैं खुद को स्टार के तौर पर नहीं देखता। मैं खुद को ऐसे व्यक्ति के तौर पर देखता हूं जो इस टीम के लिए अपना खून देने को तैयार है और कड़ी मेहनत और सुधार करना जारी रखता है। मैं एक क्रिकेटर के तौर पर हमेशा सुधार करना चाहता हूं और बहुत गर्व के साथ बैज के लिए खेलता हूं।

आगामी तीसरे सत्र के लिए दो नई फ्रेंचाइजी विश्व पैडल लीग में शामिल

मुंबई, 17 जून (एजेंसियां)। इस साल फरवरी में भारत में सफल शुरुआत करने के बाद, विश्व पैडल लीग (डब्ल्यूपीएल) ने अपने तीसरे सत्र की वापसी की घोषणा की। भारतीय पैडल महासंघ द्वारा समर्थित यह लीग 12 से 16 अगस्त के बीच नेस्को सेंटर में होने वाली है। आगामी सत्र में, डब्ल्यूपीएल चार फ्रेंचाइजी से बढ़कर छह हो जाएगी, जिसमें दो नई टीमें शामिल होंगी। आगामी सत्र में मुंबई के बीचों-बीच पांच दिनों तक एक्शन से भरपूर मैच होने का वादा किया गया है, जिसमें शीर्ष वैश्विक पैडल खिलाड़ी शामिल होंगे। आगामी सीजन के लिए उत्साह व्यक्त करते हुए, वर्ल्ड पैडल लीग की सह-संस्थापक हेमाली शर्मा ने कहा कि भारत में पैडल का विकास देखने लायक रहा है। हमारे पिछले संस्करण के सिर्फ़ छह महीने बाद, डब्ल्यूपीएल का सीजन 3 एक बड़ी उपलब्धि है क्योंकि हम प्रतियोगिता के पैमाने का विस्तार कर रहे हैं और खेल के लिए नए मानक स्थापित कर रहे हैं। भारत पैडल के लिए एक उच्च-संभावित विकास केंद्र के रूप में तेजी से उभर रहा है। हमारी महत्वाकांक्षा खेल को बढ़ावा देने से कहीं आगे जाती है क्योंकि हमारा लक्ष्य एक गतिशील, विश्व स्तरीय खेल अनुभव तैयार करना है जो अनुभवी प्रशंसकों और पहली बार दर्शकों को समान रूप से आकर्षित करे।

सूर्यकुमार हर्निया के इलाज के लिए लंदन में

■ मैदान से कुछ सप्ताह बाहर रहने की उम्मीद

■ सूर्यकुमार का इलाज अगले सप्ताह शुरू होगा और अगस्त तक मैदान पर वापसी करने की उम्मीद है

नई दिल्ली, 17 जून (देशबन्धु)। एक रिपोर्ट के अनुसार भारत के टी20 कप्तान सूर्यकुमार यादव दाएं स्पोर्ट्स हर्निया के इलाज के लिए फिलहाल लंदन में हैं और उनके कुछ सप्ताह तक मैदान से बाहर रहने की उम्मीद है। जबकि शुभमन गिल की अगुआई वाली भारतीय टेस्ट टीम इंग्लैंड के खिलाफ पांच मैचों की सीरीज के लिए कमर कस रही है, वहीं 34 वर्षीय सफेद गेंद के उस्ताद भारत के सीमित ओवरों के कार्यक्रम में मौजूदा ब्रेक का उपयोग अपनी रिकवरी और दीर्घकालिक फिटनेस पर ध्यान केंद्रित करने के लिए कर रहे हैं। सूर्यकुमार का इलाज अगले सप्ताह शुरू होगा और अगस्त तक उनके क्रिकेट के मैदान पर वापसी करने की उम्मीद है। हालांकि भारतीय क्रिकेट कंट्रोल बोर्ड (बीसीसीआई) ने आधिकारिक बयान जारी नहीं किया है, लेकिन रिपोर्ट बताती है कि चिकित्सा प्रक्रिया में दो महीने तक की रिकवरी की आवश्यकता हो सकती है। यादव के लिए यह समय सही है, क्योंकि अगस्त तक भारत के पास कोई टी20 प्रतिबद्धता नहीं है, जब वे सफेद गेंद के दौरे के लिए बांग्लादेश की यात्रा करेंगे। इसके बाद दक्षिण अफ्रीका और वेस्टइंडीज के खिलाफ घरेलू श्रृंखला होगी, उसके बाद ऑस्ट्रेलिया की यात्रा होगी, जो सभी भारत

की 2026 टी20 विश्व कप की तैयारी का हिस्सा हैं। सूर्यकुमार का अभी प्रक्रिया से गुजरने का निर्णय रणनीतिक है, जिससे उन्हें आगामी महत्वपूर्ण टी20 चक्र के लिए पूरी तरह से फिट होने का मौका मिलेगा। और उनकी कमी खलेगी - मुंबई का यह बल्लेबाज शानदार फॉर्म में है, खासकर आईपीएल 2025 सीजन में, जहां उन्होंने बेहतरीन प्रदर्शन किया था। मुंबई इंडियंस की तरफ से खेलते हुए, सूर्यकुमार ने 16 मैचों में 65.18 की औसत और 167.9 की स्ट्राइक रेट से 717 रन बनाए। उल्लेखनीय रूप से, उन्होंने सभी 16 पारियों में 25 या उससे अधिक रन बनाए, जिससे लगातार सबसे अधिक 25+ स्कोर का नया टी20 रिकॉर्ड बना। उनकी निरंतरता एमआई को प्लेऑफ में पहुंचाने में अहम रही, हालांकि उनका अभियान क्वालीफायर 2 में पंजाब किंग्स से हार के साथ समाप्त हो गया। आईपीएल के बाद, सूर्यकुमार मुंबई टी20 लीग में ट्रायम्फ नाइट्स एमएनई के लिए खेले, लेकिन टीम पांच मैचों में से सिर्फ एक जीत हासिल कर पाई और प्लेऑफ क्वालीफिकेशन से चूक गई।

डब्ल्यूटीसी का नया चक्र टेस्ट क्रिकेट को और भी ज्यादा रोमांचक बनाएगा : शाह

दुबई, 17 जून (एजेंसियां)। बीते हफ्ते दक्षिण अफ्रीका ने लॉर्ड्स के मैदान पर विश्व टेस्ट चैंपियनशिप (डब्ल्यूटीसी) 2023-25 चक्र का फाइनल जीता। अब डब्ल्यूटीसी के नए चरण की शुरुआत पर आईसीसी अध्यक्ष जय शाह ने खिलाड़ियों को शुभकामनाएं दी हैं। नए चक्र की शुरुआत से ठीक पहले आईसीसी ने शाह के हवाले से एक प्रेस रिलीज जारी की, जिसमें उन्होंने कहा कि विश्व टेस्ट चैंपियनशिप का तीसरा संस्करण लॉर्ड्स में शानदार तरीके से संपन्न हुआ। ऑस्ट्रेलिया और दक्षिण अफ्रीका ने एक बेहतरीन मुकाबला खेला। अब हम अगले चरण का इंतजार कर रहे हैं। यह चैंपियनशिप

> अब हम अगले चरण का इंतजार कर रहे हैं। यह चैंपियनशिप टेस्ट फॉर्मेट को और भी अधिक जीवंत बनाएगी: जय शाह

टेस्ट फॉर्मेट को और भी अधिक जीवंत बनाएगी। नौ प्रतिस्पर्धी देशों में से चार डब्ल्यूटीसी के शुरुआती तीन चक्रों में फाइनल तक पहुंच चुके हैं। उन्होंने आगे कहा कि खिलाड़ियों और फैंस के लिए कॉन्टेक्स्ट लाना, साथ ही उच्च स्तर की प्रतिस्पर्धा, लॉर्ड्स में बड़ी संख्या में लोगों का आना टेस्ट क्रिकेट की निरंतर लोकप्रियता का सबूत है। मैं इसके लिए सदस्य बोर्डों को धन्यवाद देना चाहता हूं। इसके साथ ही खिलाड़ियों को 2027 में अगले फाइनल के लिए अपनी यात्रा शुरू करने के लिए शुभकामनाएं देता हूं। डब्ल्यूटीसी चक्र 2025-27 की शुरुआत 17 जून से हो चुकी है। गाले में बांग्लादेश और श्रीलंका के खिलाफ टेस्ट सीरीज का पहला मैच खेला जा रहा है। इसके बाद 20 जून से भारत-इंग्लैंड की टीमें भी अपने अभियान की शुरुआत करने जा रही हैं।

सार समाचार

जनसुनवाई में कर्मचारियों के कार्यालय समय पर न पहुंचने की शिकायत

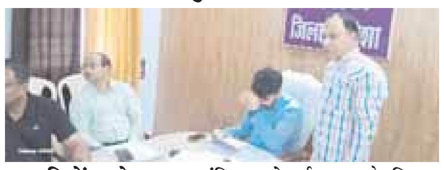

सिरोंज, देशबन्धु। इंडियन वोटर्स क्लब के जिला अध्यक्ष पूर्व सरपंच जफर खान ने जनसुनवाई में एसडीएम को ज्ञापन पत्र देकर मांग की है कि सिरोंज तहसील के समस्त विभागों में कार्यालीन समय सुबह 10 बजे से शाम 6 बजे तक है। अधिकांश विभागों में कई कर्मचारी समय पर उपस्थित नहीं पहुंचते हैं एवं शाम को जल्दी चले जाते हैं जिस कारण आम जन को अपने सरकारी कार्य कराने के लिए बार बार चक्कर काटने पड़ते हैं उक्त कर्मचारियों की उपस्थिति बायोमीट्रिक मशीन से करवाई जावे साथ ही विभाग द्वारा अधिकारी कर्मचारियों की जो ड्रेस कोड होता है उसको भी लागू करा जाए।

कथावाक प्रदीप मिश्रा की टिप्पणी के विरोध में सौंपा ज्ञापन

सिरोंज, देशबन्धु। श्री चित्रगुप्त सेवा समिति अध्यक्ष एवं समस्त कायस्थ ने राज्यपाल के नाम एक ज्ञापन अनुविभागीय अधिकारी को सौंपकर कथावाचक प्रदीप मिश्रा द्वारा भगवान चित्रगुप्त पर की गई टिप्पणी का विरोध किया। ज्ञापन में कहा गया कि पिछले सप्ताह में कथावाचक प्रदीप मिश्रा द्वारा प्रवचन के दौरान सनातन धर्म एवं कायस्थ समाज के आराध्य प्रभु चित्रगुप्त पर अभद्र एवं अनार्यदित टिप्पणी की गई है जिससे समस्त सकल सनातन समाज, हिन्दू समाज एवं कायस्थ समाज में भारी रोष है। ज्ञापन में मांग की गई कि प्रदीप मिश्रा के विरूद्ध अतिशीघ्र कठोर कार्रवाई की जाए।

पार्क सिटी कॉलोनी में अवैध बिजली बिक्री का खुलासा, विद्युत विभाग पर सवालिया निशान

एक अस्थाई कलेक्शन से जल रही आधा सैकड़ा घरों की बिजली

गंजबासौदा, देशबन्धु। ग्राम खैरूआ के अंतर्गत आने वाली पार्क सिटी कॉलोनी में एक चौंकाने वाला मामला सामने आया है, जहां एक अस्थायी बिजली कनेक्शन का इस्तेमाल करके करीब पचास घरों और कई व्यवसायिक दुकानों में अवैध रूप से बिजली बेची जा रही है। हैरानी की बात यह है कि इस पूरे गोरखधंधे पर विद्युत विभाग और स्थानीय प्रशासन ने चुप्पी साध रखी है। विद्युत विभाग के अनुसार, पार्क सिटी कॉलोनी को केवल 10 किलोवाट का अस्थाई कनेक्शन दिया गया है लेकिन, इसी कनेक्शन से कॉलोनी में निर्माणाधीन और बन चुके लगभग पचास घरों को बिजली की आपूर्ति की जा रही है। इस आपूर्ति के लिए न तो कोई बिजली के खंभे लगाए गए हैं और न ही कोई ट्रांसफार्मर स्थापित किया गया है। बिजली सिर्फ तारों के माध्यम से दी जा रही है। कहने को यह कनेक्शन अस्थायी है, लेकिन तीन दर्जन से अधिक घर और कई व्यवसायिक दुकानें, जो पूरी तरह से बन चुकी हैं, इसी अस्थाई कनेक्शन से बिजली ले रही हैं। यह सब प्रशासन की नाक के नीचे खुलेआम चल रहा है, लेकिन कोई कार्रवाई नहीं हो रही है। लोगों का मानना है कि पूरा प्रशासन कॉलोनी संचालकों के सामने बेबस दिख रहा है।

अधिकारियों की अलग-अलग राय

इस मामले में जब मीडिया ने विद्युत वितरण कंपनी के डीई राजू भांबरे से बात की, तो उन्होंने स्पष्ट कहा कि एक कनेक्शन का उपयोग केवल एक ही व्यक्ति कर सकता है, चाहे वह स्थायी हो या अस्थायी। उन्होंने यह भी कहा कि अगर ऐसा हो रहा है तो वह इसकी जांच करवाएंगे। वहीं, विद्युत वितरण कंपनी के जेई मदन अहिरवार ने बताया

कि कॉलोनी ने 10 किलोवाट का अस्थायी कनेक्शन लिया है और वे इसका उपयोग निर्माण कार्यों के लिए कर सकते हैं। स्थायी कनेक्शन के बारे में पूछे जाने पर, जे.ई. अहिरवार ने कहा कि यदि कॉलोनी संचालक अपने सभी दस्तावेज प्रस्तुत करते हैं, तो उन्हें स्थायी कनेक्शन भी दिया जा सकता है। हालांकि, यह सोचने वाली बात है कि इतने सालों में जब कॉलोनी को स्थायी कनेक्शन नहीं मिला, तो भविष्य में इसकी क्या गारंटी है? यदि भविष्य में विद्युत विभाग स्थायी कनेक्शन देने से इनकार कर देता है, तो इस कॉलोनी में प्लॉट खरीदने वाले और मकान बनाने वाले नागरिकों का क्या होगा? विद्युत वितरण कंपनी ने अस्थायी कनेक्शन से बड़े पैमाने पर बिजली आपूर्ति की बात से इनकार करते हुए जांच का आश्वासन दिया है।

कॉलोनी के बीच से गुजरने वाला नाला भी गायब

यह वही कॉलोनी है जिसमें कुछ साल पहले प्रशासन ने ताबड़तोड़ कार्रवाई की थी और कॉलोनी के भीतर कई जगहों पर जेसीबी मशीन से खुदाई और तोडफ़ोड़ की थी। उस समय कॉलोनी का काम काफी समय तक बंद रहा था, लेकिन अब यह फिर से जोर-शोर से शुरू हो गया है। उस समय की त्वरित कार्रवाई करने वाले प्रशासनिक अधिकारियों की अब की चुप्पी समझ से परे है।

इस क्षेत्र के तत्कालीन पटवारी दिनेश नरवरिया ने बताया कि इस कॉलोनी के बीच से एक बड़ा नाला गुजरता है, जो आगे जाकर पाराशरी नदी में मिलता है। उन्होंने बताया कि कॉलोनी संचालकों ने नाले को बंद करके निर्माण कर लिया था, जिसे उस समय अवैध निर्माण तोडक़र और नाले को खोदकर फिर से खोला गया था। जब मीडिया ने पटवारी नरवरिया से पूछा कि भ्रमण के दौरान कहीं भी खोदा गया नाला दिखाई नहीं दिया, तो उन्होंने कहा कि अब वे उस क्षेत्र के पटवारी नहीं हैं, इसलिए उन्हें इस विषय की जानकारी नहीं है। इस मामले में वर्तमान क्षेत्र के पटवारी शैलेंद्र साध से संपर्क करने की कोशिश की गई, लेकिन उनका फोन नहीं उठा।

इनका कहना है...

पार्क सिटी कॉलोनी का मामला आपके द्वारा जानकारी में दिया गया है। पूरे मामले में संबंधित विद्युत विभाग को पत्र लिखकर जांच करवाता हूं। साथ ही अगर नाले का पुन: भराव हो गया है तो उसे पुन: खोदकर नाले को अतिकमण से मुक्त कराया जाएगा।

विजय राय, एसडीएम, गंजबासौदा

आपके द्वारा जानकारी दी गई है, भले ही कनेक्शन अस्थाई हो, उससे किसी दूसरे को न तो कनेक्शन दिया जा सकता है और न ही बिजली बेची जा सकती है। अगर ऐसा हो रहा है तो मैं उसकी जांच करवाता हूं।

राजू भांबरे, डीई
विद्युत वितरण कंपनी, गंजबासौदा

विधायक के पत्र पर नालों निर्माण कार्य का निरीक्षण करने पहुंची संभाग स्तरीय टीम

सिरोंज, देशबन्धु। नालों के निर्माण की जांच को लेकर विधायक द्वारा लिखे गए पत्र के बाद शुक्रवार को संभाग स्तरीय टीम नगर पहुंची। टीम ने नालों का निरीक्षण किया। बताया जाता है कि संभागीय स्तर की टीम ने इस मामले को काफी गंभीरता से लिया और नालों के निर्माण में काफी अनियमितताएं पाई। भोपाल से आई टीम नालों के निर्माण में उपयोग की गई सामग्री के सैंपल अपने साथ ले गई है और आगामी कार्रवाई करने की बात कही है।

ज्ञात हो कि नगर के वार्ड क्रमांक 10 अंतर्गत नारायणदास साहू के मकान से कष्टम पथ तक नाला निर्माण की संभाग स्तर पर अधीक्षण यंत्री से जांच करवाने एवं दोषी उपयंत्री पर कार्रवाई की मांग को लेकर विगत दिवस विधायक उमाशंकर शर्मा ने नगरीय विकास एवं आवास विभाग आयुक्त को एक पत्र लिखा था। जिसमें नाला निर्माण की गुणवत्ता को लेकर सवाल खड़े किए गए थे।

भगवान चित्रगुप्त की टिप्पणी पर पं. प्रदीप मिश्रा नें मांगी माफी

सीहोर, देशबन्धु। शिव पुराण जगत के कल्याण के लिए है, किसी की भावना का ठेस पहुंचाने के लिए नहीं है, महाराष्ट्र कथा के दौरान मृत्यु के देवता यमराज और सनातन धर्म के आराध्य हमारे भगवान चित्र गुप्त का प्रसंग चल रहा था, इसको लेकर जो मामला बना है, उससे किसी को ठेस पहुंची है तो हम इसके लिए संपूर्ण श्रद्धालुओं से क्षमा चाहते है।

यह बात जिला मुख्यालय स्थित कुबेरेश्वरधाम में पत्रकारों से चर्चा के दौरान कथा वाचक पंडित प्रदीप मिश्रा ने कही। उन्होंने कहा कि संत, महात्मा, देवी-देवता सभी मेरे लिए भगवान का रूप है। उन्होंने कहा है कि उनकी मंशा किसी जाति, किसी व्यक्ति विशेष को ठेस पहुंचाने की नहीं थी। शिवपुराण के दौरान एक प्रसंग आया था और उन्होंने उसी संदर्भ में वह बात कही थी। यदि

मेरे कथन से किसी समाज या व्यक्ति को ठेस पहुंची हो तो मैं क्षमा चाहता हूं। मेरा उद्देश्य केवल शिव महापुराण के माध्यम से लोगों का कल्याण करना है। मैंने किसी समाज या देवी-देवता का अपमान नहीं किया, यदि किसी को भी मेरी वाणी से ठेस पहुंची हो तो मैं क्षमा मांगता हूं।

उन्होंने कहाकि शिव पुराण के दौरान जो भी प्रसंग का संबोधन होता है। उससे किसी समाज, वर्ग और अन्य को ठेस पहुंचाने के लिए नहीं किया जाता है। वह सभी समाज और वर्ग का सदैव सम्मान करते है और आगे भी करते रहेंगे। उल्लेखनीय है कि पंडित प्रदीप मिश्रा की कथित टिप्पणी को लेकर कायस्थ समाज में बहुत नाराजगी देखी जा रही है इसी परिप्रेक्ष्य में कायस्थ समाज के जिला अध्यक्ष प्रदीप कुमार सक्सेना ने प्रदीप मिश्रा विरुद्ध कड़ी कार्रवाई करने की मांग की है तथा आज कायस्थ समाज अध्यक्ष प्रदीप कुमार सक्सेना के नेतृत्व में कलेक्टर को ज्ञापन सौंपेंगा।

उल्लास नव भारत साक्षरता कार्यक्रम का आयोजन

आष्टा, देशबन्धु। उल्लास नव भारत साक्षरता कार्यक्रम का आयोजन संकुल केंद्र कुरावर में भव्य आयोजन किया गया । कलेक्टर एवं राज्य शिक्षा केंद्र भोपाल के निर्देशानुसार उल्लास नव भारत साक्षरता कार्यक्रम की शुरुआत मां सरस्वती के चित्र पर माल्यार्पण किया गया। इस आयोजन में संकुल प्राचार्य, जन शिक्षक, संकुल समन्वयक उपस्थित रहे । कार्यक्रम का मुख्य उद्वेश्य 15 वर्ष से अधिक आयु के असाक्षरों के लिये इस साक्षरता कार्यक्रम को पूर्ण सफलता प्रदान की जाएगी। कार्यक्रम में विशेष अथिति के रूप में ब्लाक सहसमन्वयक अनिल कुमार श्रीवास्तव, प्राचार्य कमल सिंह मालवीय, सहसमन्वयक विजय सिंह ठाकुर, जन शिक्षक लखन सिंह ठाकुर, बहादुर सिंह ठाकुर, लखन लाल जोमर, गजराज सिंह राजपूत उपस्थित रहे।

आरोपियों से 18 कट्टी चना व 14 कट्टी मूंग बरामद

अनाज चोरी के आरोपियों को पुलिस ने किया गिरफ्तार

भेरून्दा, देशबन्धु। पुलिस ने मंडी में चोरी करने वाले शातिर चोरों को पकड़ा है। नगर भैरूंदा में कृषि उपज मण्डी समिति से अनाज चोरी के संबंध में 13 जून को फरियादी प्रभु सिंह पंवार, 15.6.2025 को फरियादी अंकित खण्डेलवाल, फरियादी अक्षय अग्रवाल एवं महेश खण्डेलवाल द्वारा रिपोर्ट लिखायी गयी थी। जिनकी रिपोर्ट पर थाना पर चोरी का अपराध पंजीबद्ध किए गए थे।

प्रकरण की गंभीरता को देखते हुए सीहोर पुलिस जिला अधीक्षक दीपक कुमार शुक्ला द्वारा अनाज मण्डी में चोरी करने वाले अज्ञात आरोपियों की पहचान कर उनके खिलाफ कठोर कार्रवाई करने के निर्देश दिए गए हैं। निर्देशों के पालन में अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक श्रीमती सुनीता रावत व एसडीओपी विजय कुमार अंभोरे के मार्गदर्शन में थाना प्रभारी भैरूंदा निरीक्षक घनश्याम सिंह दांगी द्वारा 2 टीम गठित की गई थी। गठित पुलिस टीम द्वारा तकनीकी सहायता एवं नगर मे लगे सीसीटीव्ही कैमरे के माध्यम से अज्ञात आरोपियों की पहचान स्थापित की गई। 16 जून को मुखबिर की सूचना के आधार पर नीलकण्ठ रोड भैरूंदा आरोपियों राहुल उर्फ लड्डू बनवारी पिता शान्तिलाल (27) निवासी लाड़कुई और पवन मीणा पिता रामनिवास (19) निवासी लाडकुई तथा विनोद बनवारी पिता रामबगस (32) निवासी लाड़कुई को

को हिरासत मे लिया गया। जिनसे पूछताछ करने पर आरोपियों द्वारा अपराध स्वीकार करते हुए घटना मे प्रयुक्त एक मोटर सायकिल व 18 कट्टी चना(11 क्विंटल) व 14 कट्टी मूंग(7 क्विंटल) अनाज एवं घटना में प्रयुक्त मोटर सायकिल जप्त किए गए। आरोपियो को गिरफ्तार कर न्यायालय पेश किया गया। जहां से आरोपीगण का जेल वारंट प्राप्त होने पर जेल दाखिल कराया गया हैं। प्रकरण मे एक अन्य फरार आरोपी की तलाश जारी है।

नपाध्यक्ष ने सौंपे हितग्राहियों को संबल अनुग्रह सहायता राशि के स्वीकृति पत्र

आष्टा, देशबन्धु। मुख्यमंत्री जनकल्याण संबल योजना के अंतर्गत पंजीकृत हितग्राहियों के मृत होने उपरांत परिवारजनों को अनुग्रह सहायता राशि का हितलाभ का सिंगल क्लिक के माध्यम से मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव द्वारा प्रदेश के हितग्राहियों के खातों में अनुग्रह सहायता राशि का अंतरण किया। इसी के चलते नपाध्यक्ष श्रीमती हेमकुंवर रायसिंह मेवाड़ा द्वारा नगर के तीन हितग्राहियों को सहायता राशि के रूप में दो-दो लाख रूपये की राशि के स्वीकृति पत्र प्रदान किए। नपाध्यक्ष श्रीमती हेमकुंवर मेवाड़ा ने जानकारी देते हुए कहा कि संबल योजना प्रदेश में असंगठित क्षेत्र में कार्यरत लाखों श्रमिकों के लिए एक अत्यंत महत्वपूर्ण योजना है, जिसमें श्रमिक को जन्म से लेकर मृत्यु तक आर्थिक सहायता दी जा रही है। सभी संबल हितग्राहियों को अब आयुष्मान भारत निरामय योजना अंतर्गत पात्र श्रेणी में चिन्हित किया गया है, जिन्हें 5 लाख रुपये वार्षिक नि:शुल्क चिकित्सा का लाभ मिल रहा हैं। इस अवसर पर संबल प्रभारी नारायणसिंह सोलंकी, बाबूलाल जाटव सहित हितग्राहीगण मौजूद थे।

झांसी से टीकमगढ़ जा रही बस में पुलिस ने पकड़ी अवैध शराब

दिगौड़ा, देशबन्धु। कस्बा के बस स्टैंड पर एक बस में अवैध शराब मिलने का मामला सामने आया है। यात्रियों की सूचना पर पुलिस ने बस में रखी अवैध शराब को जप्त कर लिया है। बताया जा रहा है कि बस में सवार किसी यात्री के द्वारा यह शराब लाई जा रही थी लेकिन यह शराब किसकी थी। इसकी जानकारी अभी तक नहीं लगी है। पुलिस ने इस मामले में अवैध शराब को जप्त कर बस को पुलिस थाने में ले जाया गया। पुलिस बस के स्टाफ से जानकारी लगा रही है कि यह शराब कहां जा रही थी और इसको लेकर कौन जा रहा था।

स्थानीय लोगों व बस में सवार यात्रियों ने बताया है कि आरबीएस कंपनी की बस झांसी से टीकमगढ़ जा रही थी। जैसे ही यह बस दिगौड़ा में पहुंची तो बस के पीछे संदिग्ध अवस्था

मे एक बैग मिला। बस स्टैंड पर यात्रियों के उतरने के दौरान बैग से शीशी जैसी आवाज आई तो लोगों ने बैग खोलकर देखा तो उसमें अंग्रेजी शराब भरी हुई थी। यात्रियों ने इसकी सूचना पुलिस को दी। दिगौड़ा पुलिस ने मौके पर पहुंच कर शराब को जप्त किया और यात्रियों से पूछा कि यह बैग में रखी शराब किसकी है। लेकिन इस बैग के बारे में किसी यात्री ने कुछ नहीं बताया। इसके बाद पुलिस शराब व बस को लेकर पुलिस थाने ले गई और मामले की जांच पड़ताल शुरू कर दी।

गलवान घाटी बलिदान दिवस के उपलक्ष्य में राष्ट्र प्रहरी सेमिनार आयोजित

आष्टा, देशबन्धु। वायु सेना अधिकारी नवीन गुप्ता द्वारा युद्ध एवं शांति काल में थल सेना ,जल सेना ,वायु सेना द्वारा संयुक्त करवाई कर किस प्रकार देश को सुरक्षित रखा जाता है जानकारी प्रस्तुत की, साथ ही आधुनिक भारत की सेना जिसने ऑपरेशन सिंदूर में अपने पराक्रम एवं तकनीकी का जिस ढंग से प्रदर्शन किया।

संपूर्ण विश्व आश्चर्य चकित है स भारतीय सेना भविष्य में देश को किस प्रकार सुरक्षित रखा जा सके, पूरे तकनीकी ज्ञान के साथ अपने कौशल का प्रयोग कर रही है,ताकि भारत माता किसी भी बाहरी आक्रमण से सुरक्षित रहसके । इस अवसर पर तहसील क्षेत्र के नवप्रशिक्षित 15 अग्नि वीरों को स्मृति चिन्ह भेंट कर भव्य स्वागत किया गया। सरदार सिंह रावत, वायु सेना अधिकारी नवीन गुप्ता, ग्रीनफील्ड डायरेक्टर धर्मेंद्र गौतम द्वारा विशेष उद्बोधन प्रदान किया गया ।

जै. एन. प्रसाद, विजयलक्ष्मी उपाध्याय, रानी सोनी, विनम्र संजीव जैन, संजय जैन, अखिल भारतीय मारवाड़ी महिला सम्मेलन एवं इनर व्हील क्लब के सभी सम्मानित पदाधिकारी गण मां नर्मदा परिक्रमावासी भुरु मुकाती, मनीष डोंगरे, बीआरसी अजब सिंह राजपूत, नारायण जाट उपस्थित रहे । आयोजक संस्था एक्स सर्विसमैन वेलफेयर सोसाइटी म.प्र. के अध्यक्ष संतोष शर्मा द्वारा कार्यक्रम का संचालन किया।

जूनियर त्रिकोणीय सीरीज लेदर बॉल क्रिकेट का हुआ समापन

आष्टा, देशबन्धु। श्यामाप्रसाद मुखर्जी मैदान पर अमित बिल्लौरे के नेतृत्व में जूनियर लेदर बॉल क्रिकेट सीहोर आष्टा कालापीपल के बीच त्रिकोणीय सीरीज खोली गई जिसमें फाइनल में कालापीपल और आष्टा की टीमों ने प्रवेश किया फाइनल मुकाबला आष्टा ने पहले खेलते हुए 200 रन बनाएं जिसमें देवेंद्र ठाकुर ने 54 रन की पारी खेली वही कालापीपल की टीम लक्ष्य का पीछा करते हुए 117 रनों पर आल आउट हो गई. इस अवसर पर नपा अध्यक्ष प्रतिनिधि रायसिंह मेवाड़ा ने विजेता टीम को जीत की शुभकामनाएं दी एवं उपविजेता टीम का हौसला अफजाई करते हुए कहा कि निरंतर प्रयास करना ही एक खिलाड़ी का काम होता है कभी भी अपनी हार से निराश ना हो निरंतर प्रयास करते रहने पर ही एक दिन जीत सुनिश्चित होती है. खेल के साथ-साथ अपनी फिटनेस पर भी ध्यान दें और अपने खेल कौशल को निखारे. हमारे नगर की दो प्रतिभाएं जिन्होंने कड़ी मेहनत कर आस्था नगर का नाम संपूर्ण प्रदेश एवं देश में रोशन किया है आज दोनों ही नगर के खिलाड़ी मध्य प्रदेश ज-20 क्रिकेट टूर्नामेंट में खेल कर उच्च स्तरीय प्रदर्शन कर रहे हैं. देवेंद्र ठाकुर को मैन ऑफ द मैच का पुरस्कार दिया गया समापन अवसर पर मुख्य अतिथि नगर पालिका अध्यक्ष प्रतिनिधि रायसिंह मेवाड़ा, पार्षद रवि शर्मा, हरेंद्र ठाकुर, अमित बिल्लोरे, सोनू मेवाड़ा, राहुल वाल्मीकि मौजूद रहे. समापन का संचालन राहुल वाल्मीकि द्वारा किया गया जिसमें पुरस्कार वितरण मैन ऑफ द सीरीज शिवांश बिल्लौरे , सर्विसेज बल्लेबाज शशांक सर्वश्रेष्ठ गेंदबाज गणेश विजेता विजेता टीमों को आकर्षक ट्रॉफी से सम्मानित किया गया।

ताप्ती तीरे

सार-समाचार

जल संरक्षण का संदेश लेकर स्कूली बच्चों ने गांव में निकाली रैली

बैतूल, देशबन्धु। मध्यप्रदेश जन अभियान परिषद् बैतूल के मार्गदर्शन में विकास खंड भीमपुर अंतर्गत नवांकुर संस्था ग्राम विकास प्रस्फुटन समिति घोघरा द्वारा जल गंगा संवर्धन अभियान के तहत जागरुकता रैली का आयोजन किया गया। इस रैली में स्कूली बच्चों ने भाग लिया और जल है तो कल है, पानी बचाओ जीवन बचाओ जैसे नारे लगाकर गांव में लोगों को जल संरक्षण का महत्व समझाया। रैली ग्राम पंचायत घोघरा के विभिन्न गलियों और मुख्य मार्गों से होकर गुजरी, जिससे गांव के हर हिस्से में जागरूकता का संदेश पहुंचाया गया। इस अभियान में सरपंच एवं ग्राम विकास प्रस्फुटन समिति के अध्यक्ष रामकिशोर धुर्वे ने बच्चों का उत्साहवर्धन किया। कार्यक्रम का संचालन नवांकुर संस्था घोघरा द्वारा किया गया और इसे जन अभियान परिषद् बैतूल का सतत मार्गदर्शन प्राप्त था। आयोजन के समापन पर सभी प्रतिभागियों ने जल बचाने की शपथ ली और भविष्य में इस प्रकार के और कार्यक्रम आयोजित करने का संकल्प लिया।

हमलापुर के निर्माणाधीन डेम से ईंट भट्टे पर पहुंची सैकड़ों ट्रॉली मिट्टी

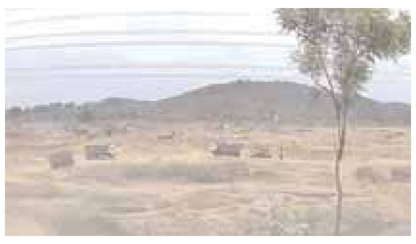

बैतूल, देशबन्धु। हमलापुर स्थित नगर पालिका डेम में से सैकड़ों ट्राली मिट्टी अवैध रूप से निकालकर ईंट भट्टे तक पहुंचाए जाने का गंभीर मामला सामने आया है। इस संबंध में कलेक्टर बैतूल, एसडीएम बैतूल एवं खनिज विभाग से लिखित शिकायत की गई है जिसमें बताया गया है कि हमलापुर शिव मंदिर के पास स्थित ईंट भट्टे में बिना किसी अनुमति के डेम से लगभग 13 ट्रेक्टर ट्रालियों और 3 जेसीबी मशीनों की मदद से करीब 600 से 700 ट्राली मिट्टी ईंट भट्टे पर ले जाकर जमा की गई है। शिकायत में बताया गया है कि वर्तमान में उक्त ईंट भट्टे पर 20 से 25 लाख की ईंटों का अवैध स्टॉक मौजूद है। शिकायत के अनुसार यह ईंट भट्टा एस.एन.पी. ईंट उद्योग के नाम से जाना जाता है, जो एम.पी. एग्रो से पहाड़ी रोड पर शिव मंदिर के पास स्थित है। यह भी बताया गया है कि उक्त अवैध कार्य में कई ट्रेक्टर ट्राली मालिकों और जेसीबी संचालकों की मदद ली गई है, जिनकी सूची भी शिकायत में दी गई है।

डेहरी पंचायत की लापरवाही से ग्राम में फैली गंदगी, बीमारी का सता रहा डर

आमला, देशबन्धु। सरकार ने स्वच्छता अभियान चलाकर गांवों को स्वच्छ करने के लाख दावे कर रही हो, लेकिन जमीनी स्तर पर इसकी वास्तविकता जरा हटके है। इसका उदाहरण है ग्राम पंचायत डेहरी के वार्डों में फैली अपार गंदगी। दरअसल, वार्ड क्रमांक 03 में नालियां के पानी की निकासी नहीं होने के कारण लोगों के लिए समस्या बनी हुई है। दोनों वार्डों में कई महीनों से नालियों की सफाई नहीं होने के कारण गंदगी फैली हुई है। घरों से निकलने वाले गंदे पानी की समुचित निकासी व्यवस्था नहीं की गई है। जिससे लोगों को आवागमन में परेशानी का सामना करना पड़ रहा है। ग्राम पंचायत की लापरवाही के चलते नालियों की साफ-सफाई नहीं हो रही है इससे नालियां चौक हो गई है। इस वजह से सड़क पर पानी बह रहा है इससे कीचड़ भी फैल रहा है। आवागमन के दौरान कई बार गंदे पानी के छींटे उछलते हैं। इससे विवाद की स्थिति बन रही है। ग्राम के रामदास यादव,गंगाधर यादव ,पंजाब पंडोले,निरंकार यादव सदाराम यादव आदि का कहना है कि दर्जनों बार ग्राम पंचायत सरपंच एवं सचिव से शिकायत की। इसके बावजूद समस्या जस की तस बनी हुई है।

महतपुर गांव के आदिवासियों ने एसडीओ फॉरेस्ट को सुनाई व्यथा

बस्ती उजाड़कर पौधारोपण करेगा वन विभाग

बैतूल, देशबन्धु। उन दर्जनों आदिवासियों की एक ही पीड़ा है। सभी का कहना है कि, भीमपुर तहसील के ग्राम महतपुर जावरा के रहने वाले हैं किंतु अब परेशानी बढ़ गई है। आदिवासी ग्रामीणों ने 50- 60 वर्षों से काबिज वनभूमि से बेदखल किए जाने के प्रयासों के खिलाफ मंगलवार को वन विभाग को ज्ञापन सौंपकर अपनी व्यथा व्यक्त की। युवा आदिवासी विकास संगठन के जिला अध्यक्ष जितेंद्र सिंह इवने के नेतृत्व में ग्रामीणों ने पश्चिम सामान्य वन मंडल के डीएफओ के नाम पर एसडीओ फॉरेस्ट जितेंद्र आवासे को ज्ञापन सौंपा। ग्रामीणों ने आरोप लगाया कि उन्हें जिस जमीन पर उनके पूर्वजों से खेती करते आ रहे हैं, उस पर अब वन विभाग गड्ढे खोदकर पौधारोपण करने जा रहा है, जिससे उन्हें रोजी-रोटी का संकट खड़ा हो जाएगा।

ज्ञापन देने पहुंचे ग्रामीणों में बीडू धुर्वे, फागा कुमरे, देवसू वरकड़े, पंडरी यादव, जत्तू उइके, रितेश परते, दिनेश सलामे, अंकुश सलामे, मुसिया धुर्वे, रत्तो वाड़ीवा, रुखिया परते, सुखिया वरकड़े सहित कई लोग शामिल रहे। ग्रामीणों ने बताया कि वे वनभूमि पर वर्षों से काश्तकारी कर रहे हैं और उनके पास अन्य कोई भूमि नहीं है। वनरक्षक अभिषेक राठौर को सभी ग्रामीणों ने पट्टे हेतु दस्तावेज भी सौंपे हैं और मोबाइल से सर्वे भी हुआ है, लेकिन अब तक कोई स्पष्ट कार्रवाई नहीं हुई। उल्टा अब उन्हें उजाड़ने की तैयारी की जा रही है। ग्रामीणों की मांग है कि उनके परिवारों को वनभूमि का पट्टा शीघ्र जारी किया जाए और वन विभाग द्वारा खेतों में गड्ढे खोदकर किया जा रहा पौधरोपण कार्य तत्काल प्रभाव से रोका जाए। उन्होंने चेतावनी दी है कि यदि समय रहते समाधान नहीं हुआ तो वे मजबूरन उग्र आंदोलन करेंगे।

ग्रामीणों ने लगाए गंभीर आरोप

ग्रामीणों ने यह भी गंभीर आरोप लगाए कि पट्टा दिलाने के नाम पर कई लोगों से हजारों रुपये वसूले हैं। ग्रामीणों के अनुसार चतरू पिता दामू से 15 हजार रुपये, फागा पिता काडमू से 15हजार रुपये, बीडू पिता बिसनू से 5 हजार रुपये, रामकरण पिता भीक से 5 हजार रुपये, सुखदेव पिता काडमा से 5 हजार रुपये, रामलाल पिता अमरसिंह से 5 हजार रुपये, मनसू पिता गंगू से 5 हजार रुपये, कमल पिता सूरज से 10,000 रुपये, कमल पिता भदू से 10 हजार रुपये, मोहन पिता दागू से 1 हजार रुपये, शिवलाल पिता सुकू से 2 हजार रुपये, अंकुश पिता मंतुलाल से 1 हजार रुपये, देवसू पिता चुन्नी से 15 हजार रुपये, जत्तू पिता लक्ष्मण से 2 हजार रुपये, भैयालाल पिता बिरसा से 2,000 रुपये, पिंटु पिता मन्सू से 2 हजार रुपये, दिनेश पिता रामा से 2 हजार रुपये, गीता बाई पति मारोतीराव से 5 हजार रुपये और पंढरी पिता बाबू से 1 हजार रुपये लिए गए हैं।

जंगल सत्याग्रह के वीर योद्धा टंटू संभाजी कोरकू के नाम पर आठनेर कॉलेज के नामकरण की मांग

बैतूल, देशबन्धु। आठनेर स्थित शासकीय महाविद्यालय का नाम वीर स्वतंत्रता संग्राम सेनानी टंटू संभाजी कोरकू के नाम पर करने की मांग तेज हो गई है। इस मांग को लेकर आदिवासी समाज के युवाओं ने जोहार सरकार बैतूल - मिशन ट्राइबल 5 के नेतृत्व में आवाज बुलंद की है। संगठन के उपाध्यक्ष शुभम बारस्कर बेठे के नेतृत्व में युवाओं का एक प्रतिनिधिमंडल महाविद्यालय पहुंचा, जहां उन्होंने प्राचार्य से नामकरण में हो रही देरी को लेकर चर्चा की। उन्होंने कहा कि प्रस्ताव पारित हो चुका है और आदेश भी जारी हो चुके हैं, बावजूद इसके नामकरण क्यों अटका है यह स्पष्ट नहीं है। जल्द ही यह प्रतिनिधिमंडल जिला कलेक्टर से भी मुलाकात करेगा। शुभम बारस्कर बेठे ने बताया कि यह पूरे आदिवासी समुदाय की मांग है कि आज़ादी के अमृत महोत्सव पर शासकीय महाविद्यालय आठनेर का नाम शासकीय वीर टंटू संभाजी कोरकू महाविद्यालय, आठनेर रखा जाए। उन्होंने कहा कि आजादी की लड़ाई में कई गुमनाम नायक थे, जिनमें वीर टंटू संभाजी कोरकू भी शामिल हैं, जिन्होंने जंगल सत्याग्रह आंदोलन में अद्भुत नेतृत्व और साहस दिखाया था। ऐसे स्वतंत्रता संग्राम सेनानियों को उचित सम्मान देना हमारी नैतिक जिम्मेदारी है।

22 अगस्त 1930 को जब शाहपुर की अंग्रेजी पुलिस ने आदिवासी आंदोलन को दबाने की कोशिश की, तब टंटू कोरकू ने अपने साथियों के साथ मिलकर जबरदस्त प्रतिरोध किया। उन्हें 6 महीने कैद, प्रतिदिन 6 बैग आटा पीसने और 6 कोड़े खाने की दी गई थी सजा । प्रतिनिधि मंडल में यह रहे उपस्थित जोहार सरकार बैतूल - मिशन ट्राइबल 5 द्वारा इस मांग के समर्थन में प्राचार्य से चर्चा के दौरान करण चढ़ोकार, महादेव बेठे कोरकू, सूरज बारस्कर बेठे, अर्जुन धोटे, जिलाध्यक्ष डॉ अलकेश धोके, परमेश बारस्कर, मनोज चौहान, दीपक बारस्कर, करण धाड़से, लक्ष्मण बारस्कर, आकाश काकडे, सुनिल लिखितकर, निलेश बारस्कर, नामदेव बारस्कर, गणेश डिकारे, शिवा बारस्कर और सतीश ठाकरे उपस्थित रहे। इन सभी ने एक स्वर में मांग की कि शासकीय महाविद्यालय आठनेर का नामकरण वीर टंटू संभाजी कोरकू के नाम पर किया जाए, ताकि आने वाली पीढ़ी अपने नायकों को जान सके और उनसे प्रेरणा ले सके।

कोयलारी गांव के सपूत थे वीर टंटू संभाजी कोरकू

वीर टंटू संभाजी कोरकू का जीवन संघर्ष और योगदान देश की आजादी की गाथा का स्वर्णिम अध्याय है। वे बैतूल जिले के निपानिया कोयलारी गांव के एक साधारण किसान परिवार से थे, लेकिन देशभक्ति की भावना से ओतप्रोत होकर उन्होंने जंगल सत्याग्रह आंदोलन में भाग लिया। जब अंग्रेजों ने फॉरेस्ट एक्ट के तहत आदिवासी समुदाय को उनके जंगलों से बेदखल करना चाहा, तो उन्होंने सरदार गंजनसिंह कोरकू और अन्य स्वतंत्रता सेनानियों के साथ मिलकर अंग्रेजों के खिलाफ हथियार उठाए।

सूर्य महायज्ञ के माध्यम से सत्य सनातन संघ ने दिया धर्म रक्षा का संदेश

बैतूल, देशबन्धु। पवित्र नगरी मुलताई में आयोजित सूर्य महायज्ञ के अंतर्गत आचार्य सोमेश परसाई के निर्देशन में सवा करोड़ शिवलिंग निर्माण और रुद्राभिषेक का विशाल कार्य चल रहा है। इस पावन मंच से अखिल विश्व सत्य सनातन संघ मध्यप्रदेश के प्रदेश सचिव गंगा प्रसाद यादव ने कहा कि यह आयोजन आध्यात्मिक जागरण है, जो लोगों को धर्म के मूल स्वरूप से जोड़ रहा है। राष्ट्रीय हिंदू सेना के प्रदेश अध्यक्ष दीपक मालवी ने बताया कि सूर्य महायज्ञ में हजारों श्रद्धालुओं की उपस्थिति, तप और मंत्रों की ध्वनि से गुंजायमान वातावरण में धर्म का उद्घोष हो रहा है। श्री द्वारका पीठाधीश्वर पूज्य शंकराचार्य सरस्वती ने अपने गूढ़ वाणी से जनमानस को सत्य, शांति और सनातन के मार्ग पर चलने का संदेश दिया। उन्होंने अपील की कि देशभर के संत, धर्माचार्य, संस्थाएं और आम सनातनी अब मौन न रहें, खुलकर सत्य सनातन धर्म की रक्षा के लिए आगे आएं।

एमपी सेट पास कर पीएससी में चयनित हुईं वीवीएम कॉलेज की छात्रा खुशी, सम्मान

बैतूल, देशबन्धु। विवेकानंद विज्ञान महाविद्यालय की बीकॉम संकाय की पूर्व छात्रा खुशी बड़ोनिया ने एमपी सेट की परीक्षा उत्तीर्ण कर मध्यप्रदेश लोक सेवा आयोग (एमपी पीएससी) में सफलता अर्जित की है। उन्हें सहायक प्राध्यापक के पद पर नियुक्त किया गया है। उनकी इस उपलब्धि से पूरे महाविद्यालय परिवार में उत्साह और गर्व की भावना है। खुशी बड़ोनिया ने वाणिज्य संकाय के सहायक प्राध्यापक प्रो अनिल सोनी के मार्गदर्शन में इस सफलता को अर्जित किया। उनकी इस सफलता पर महाविद्यालय के अध्यक्ष विजय साबले, प्राचार्य डॉ. कृष्णा खासदेव, सचिव निर्गुण देशमुख, उपाध्यक्ष श्री बालापुरे, कमलेश गडेकर, अनिल सोनी सहित पूरे महाविद्यालय परिवार ने उन्हें शुभकामनाएं दीं।

खुशी की सफलता में वाणिज्य संकाय के शिक्षकों का विशेष योगदान रहा। प्राध्यापक हरीश माकोड़े, मनोज कनाठे, पंकज परिहार सहित अन्य सहायक प्राध्यापक सुनील जैन, डॉ. गायकवाड, उज्ज्वल पांसे, हेमलता लोखंडे, श्वेतल चौबे, नीलिमा उपाध्याय, शिखा शुक्ला, पुष्पक देशमुख, पवन धोटे, रसायन शास्त्र विभाग के अशीष पवार, आभा हजारे, अर्चना पाल, सोलंकी, पंडागरे आदि ने उन्हें मार्गदर्शन प्रदान किया। कार्यक्रम में पत्रकार संजय द्विवेदी, खुशी बड़ोनिया के माता-पिता और उनके चाचा भी विशेष रूप से शामिल हुए। महाविद्यालय परिवार ने खुशी के उज्जवल भविष्य की कामना करते हुए उन्हें ढेर सारी शुभकामनाएं दीं।

ताप्ती तट पर सैकड़ों छायादार पौधों से सजा सिद्ध स्थल

▶ पारसडोह की बंजारा टेकरी पर साधकों ने किया पौधारोपण

बैतूल, देशबन्धु। सिद्ध आश्रम साधक परिवार निखिल मंत्र विज्ञान एवं मां ताप्ती सेवा समिति के तत्वावधान में गुरु के नाम एक पौधा अभियान के अंतर्गत सोमवार को सूर्य पुत्री ताप्ती के पावन तट पर स्थित पारसडोह के बंजारा टेकरी शिव मंदिर परिसर एवं आसपास के क्षेत्र में पौधारोपण किया गया। इस विशेष अभियान में पूजे जाने वाले बरगद, पीपल, आंवला, बेल, शमी, करंजी, नीम, जामुन आदि लगभग एक सैकड़ा पौधों का रोपण किया गया।

साधक परिवार के नीतिन अग्रवाल ने जानकारी देते हुए बताया कि सभी पौधों की सुरक्षा के लिए ट्री गार्ड लगाए गए हैं ताकि पौधे सुरक्षित रूप से विकसित हो सकें। इन पौधों के संरक्षण की जिम्मेदारी मंदिर के पुजारी द्वारा निभाई जाएगी। कार्यक्रम के सूत्रधार ओंकार साहू अपने पूरे परिवार के साथ मौजूद रहे और लगातार पौधों का रोपण करते रहे। इस अभियान में राजू खंडेलवाल, प्रशांत गर्ग, श्रीमती हर्षा मनोज अग्रवाल, पंजाबराव चिल्हाटे, निश्चल कमाविसदार, रघुनाथ लोखंडे, गणेश साहू, दिलीप कुयटे, शैलेंद्र गायकवाड, सुधाकर नागले, दीपक लहरपूरे, बबलू प्रजापति, संजय बारंगे, अन्नू कुयटे, नमन बारंगे, सीता सातनकर, उज्जवल अग्रवाल, अंजू लहरपूरे, केशिका, बाली कुयटे, नेकराम राठौर, ज्ञानेश्वर लहरपूरे, नारायण दातिर, गोलू सोनी एवं मनोहर जीतपुरे ने भाग लिया और सभी ने गुरु के नाम एक पौधा लगाने का संकल्प लेकर श्रद्धा और भक्ति के साथ पौधा रोपित किया। कार्यक्रम के दौरान वातावरण गुरु भजनों की गूंज से आध्यात्मिक हो उठा। साधकों के इस संकल्प और सामूहिक प्रयास से पारसडोह की बंजारा टेकरी अब छायादार पौधों की हरियाली से सुसज्जित हो गई है। यह अभियान पर्यावरण संरक्षण एवं गुरु भक्ति का एक प्रेरणादायी उदाहरण बन गया है।

पावनधाम कॉलोनी में मूलभूत सुविधाओं का बना हुआ टोटा

रहवासी बोले- सपनों का घर बना मुसीबत, रोड, बिजली, नाली सब अधूरी

जनसुनवाई में पहुंचे रहवासी

बैतूल। टिकारी क्षेत्र की पावनधाम कॉलोनी के रहवासी इन दिनों मूलभूत सुविधाओं के अभाव में नारकीय जीवन जीने को मजबूर हैं। मंगलवार को जनसुनवाई में प्रेमसिंह, गोपाल यादव, शेरसिंह, सरवन यादव, किशन यादव, सुमित यादव, विजय सरकार, इंद्रदेव बारस्कर, दीपेंद्र देशमुख, कृष्णकांत राने, प्रणिता बरडे, भीमराव वागद्रे, अविनाश यादव, सरला सागरे, संजय राठौर, पूजा यादव और तुलसी बिष्ट सहित कॉलोनी के अनेक नागरिकों ने आवेदन देकर प्रशासन से गुहार लगाई कि उन्हें रोड, नाली, बिजली, गार्डन, मंदिर और पक्की नाली जैसी बुनियादी सुविधाएं जल्द से जल्द उपलब्ध कराई जाएं।

आवेदकों ने बताया कि उन्होंने सुनील गुप्ता से मोती वार्ड, टिकारी में स्थित खसरा नंबर 224/3 की भूमि पर प्लाट खरीदे थे। सुनील गुप्ता द्वारा इस जमीन पर कॉलोनी विकसित की गई थी और उन्होंने रहवासियों से मूलभूत सुविधाएं उपलब्ध कराने का वादा भी किया था। लेकिन कॉलोनी में न तो अब तक रोड बनाई गई, नाली का निर्माण अधूरा है, न बिजली के पर्याप्त पोल लगे हैं, न पार्क या गार्डन बना है और न ही किसी प्रकार का मंदिर या पक्का नाला विकसित किया गया है। रहवासियों ने जनसुनवाई में शिकायत करते हुए कहा कि इस कॉलोनी में परिवारों ने अपने जीवन भर की पूंजी लगाकर मकान बनाए हैं, लेकिन आज भी वे सड़क, पानी और बिजली जैसी जरूरी सुविधाओं को तरस रहे हैं। बारिश के दिनों में गलियों में कीचड़ भर जाती है, जल निकासी के अभाव में घरों में पानी भरने लगता है, और गंदगी के कारण बीमारियों का खतरा बना रहता है।कॉलोनीवासियों ने जनप्रतिनिधियों से भी शिकायत की है। उन्होंने आवेदन की प्रतिलिपि सांसद, विधायक, मुख्य नगर पालिका अधिकारी तथा नगर पालिका अध्यक्ष को भी भेजी है। कॉलोनी के रहवासी इस आस में बैठे हैं कि कब उन्हें उनके हक की सुविधाएं मिलती हैं और कब कॉलोनी एक आदर्श आवासीय क्षेत्र के रूप में विकसित होती है।

आमला-सारणी मार्ग के निर्माण की मांग, फुटकर सब्जी व्यापारी संघ ने एसडीएम को सौंपा ज्ञापन

आमला, देशबन्धु। आमला से सारणी तक सुरक्षित और सुगम मार्ग की मांग को लेकर आज आमला में जनसुनवाई के दौरान फुटकर सब्जी व्यापारी संघ ने एसडीएम को एक ज्ञापन सौंपा। संघ ने प्रस्ताव दिया कि यदि आवरिया होते हुए नया मार्ग बनाया जाए, तो यह दूरी केवल 20 किलोमीटर की रह जाएगी और इसमें घाट क्षेत्र भी नहीं आएगा। इससे बसों का संचालन भी संभव होगा और गरीब व मजदूर वर्ग को राहत मिलेगी जो प्रतिदिन आवाजाही करते हैं। यह ज्ञापन मुख्यमंत्री,सांसद एवं विधायक के नाम संबोधित था। ज्ञापन में बताया गया कि फिलहाल आमला से सारणी तक जाने के लिए एकमात्र रास्ता ग्राम बोरी होकर जाता है, जिसकी दूरी लगभग 35 किलोमीटर है। यह मार्ग अत्यधिक घुमावदार और खतरनाक घाट क्षेत्र से होकर गुजरता है, जिससे यहां ना तो बसें चलती हैं और ना ही अन्य सार्वजनिक परिवहन उपलब्ध है। केवल मोटरसाइकिल और कार से ही यात्रा संभव है, जिसका खर्च एक व्यक्ति के लिए लगभग 200 और परिवार के लिए 1000 तक आता है। व्यापारी संघ ने बताया कि इस मार्ग पर अक्सर दुर्घटनाएं होती हैं और आपात स्थिति में एंबुलेंस व फायर ब्रिगेड को मौके पर समय पर पहुंचने में कठिनाई होती है। ज्ञापन सौंपते समय फुटकर सब्जी व्यापारी संघ के अध्यक्ष बृजेश राठौर, सचिन संदीप सातपुते, कोषाध्यक्ष लखन सिंह ठाकुर, सह सचिव सुनील राठौर, उपाध्यक्ष राजेश मानकर सहित अनेक सदस्य उपस्थित थे। संघ ने शासन से इस जनहित के विषय पर शीघ्र कार्रवाई की मांग की है।

प्राचीनकाल में बनी तिरमहू गांव की बावड़ी अब बनी कचरा पात्र

आमला, देशबन्धु। तिरमहू ग्राम में बावड़ी की नहीं की जा रही साफ सफाई हुई शिकायत। जल संरक्षण के लिए जागरूक कर रहे अधिवक्ता राजेन्द्र उपाध्याय ने एसडीएम से शिकायत कर बावडी का गहरीकरण साफ सफाई की मांग की है। ग्रामीणों को पयजल से मिल सकती है राहत। बावडी की होना चाहिए साफ सफाई। आमला के तिरमहू गांव का मुख्य पेयजल स्त्रोत रही प्राचीन बावडी कचरा पात्र में तब्दील होकर अपनी दुर्दशा पर आंसू बहा रही है। प्रशासन द्वारा रखरखाव नहीं किए जाने से भीषण पेयजल संकट में ग्रामीणवासियों को दूर-दूर से पानी लाना पड़ रहा है। कभी ग्रामीणों की प्यास बुझाती थी बावड़ी, लेकिन ग्राम प्रशासनिक तौर पर इनका कोई रखरखाव नहीं किए जाने से यह बावड़ी खंडहर होने के कगार पर पहुंच गई है।

ग्राम पंचायत की लापरवाही: ग्राम पंचायत तिरमहू में प्राचीन काल की निर्मित प्रकृति की सौगात बावडी की देखरेख नहीं की जा रही है। इससे ग्रामीणों को पेयजल की समस्या का सामना करना पड़ रहा है। वरिष्ठ अधिवक्ता राजेन्द्र उपाध्याय, नीलेश मालवीय, नर्मदाप्रसाद सोलंकी, अशोक पाल का कहना है कि ग्राम पंचायत को बावडी की साफ सफाई और गहरीकरण करवाना चाहिए। इससे ग्रामीणों को पेयजल की समस्या से निजात मिल सकती है।

एसडीएम से कार्रवाई की मांग

वरिष्ठ अधिवक्ता राजेन्द्र उपाध्याय ने एसडीएम से शिकायत कर बावडी का गहरीकरण और साफ सफाई करवाने की मांग की है। इससे ग्रामीणों को पेयजल की समस्या से निजात मिल सकती है। ग्राम पंचायत को अपनी जिम्मेदारी समझनी चाहिए और बावडी की साफ सफाई करवानी चाहिए। ग्राम पंचायत को बावडी की देखरेख करनी चाहिए और ग्रामीणों को पेयजल की समस्या से निजात दिलानी चाहिए।

बेखौफ जारी है लूट का खेल: नागपुर के गिरोह ने बैतूल में फैलाया निवेश का जाल

पूर्व थाना प्रभारी की पत्नी समेत कई को लगी चपत

बैतूल, देशबन्धु। जिले में चिटफंड कंपनियों द्वारा आम नागरिकों के साथ की जा रही धोखाधड़ी के मामले लगातार सामने आ रहे हैं। अब इस ठगी का शिकार एक शिक्षित महिला हुई हैं, जो हरदा जिले में पदस्थ रहे भूतपूर्व टीआई दीवाकर उइके की पत्नी हैं। फरियादी महिला रजनी उइके ने बैतूल एसपी से शिकायत करते हुए बताया कि एजीएम कॉरपोरेशन नामक चिटफंड कंपनी ने उन्हें पांच लाख रुपए की ठगी का शिकार बना लिया है।

रजनी उइके की ओर से प्रस्तुत की गई शिकायत में कंपनी के डायरेक्टर्स सुशील कोल्हे, पंकज रमेश, और अजय लधवें को नामजद किया गया है। ये सभी नागपुर, महाराष्ट्र निवासी हैं। साथ ही कंपनी से जुड़े स्थानीय मोटिवेशनल लीडर्स दिनेश कुमार टेकाम जम्बाड़ा तहसील आमला और वासुदेव वाघमारे निवासी ग्राम दनोरा बैतूल, तथा लालजी पाल निवासी इटारसी को भी दोषी बनाया गया है। शिकायत के अनुसार वर्ष 2018 में बैतूल जिले में एजीएम कंपनी ने एक मीटिंग का आयोजन किया था, जिसमें बड़ी संख्या में निवेशकों को आमंत्रित किया गया था। वहां कंपनी के डायरेक्टर्स ने अपने पुराने प्रोजेक्ट सक्सेस लाइफ मल्टीपल प्रोजेक्ट मार्केटिंग प्रा.लि. और डिजिटल एलईडी होर्डिंग प्लान की जानकारी दी थी।

कंपनी ने दिया था मोटे मुनाफे का झांसा: निवेशकों को बताया गया कि कंपनी में निवेश करने पर हर माह आकर्षक लाभांश मिलेगा, साथ ही मैच्योरिटी चेक और पासबुक भी जारी की जाएगी। कंपनी के तीनों डायरेक्टर्स द्वारा स्वयं को अनुभवयुक्त और सफल कारोबारी बताते हुए दिनेश टेकाम और वासुदेव वाघमारे से व्यक्तिगत तौर पर परिचय कराया गया, जिससे निवेशकों का कंपनी पर विश्वास और गहरा हो गया।

रजनी उइके ने भी अपनी पति की मृत्यु के उपरांत प्राप्त पांच लाख रुपए की रकम को कंपनी में 18 माह के प्लान के तहत निवेश कर दिया। उन्हें पासबुक और मैच्योरिटी चेक भी दिए गए। शुरुआत में कुछ महीनों तक खाते में लाभांश की राशि आना शुरू हुई, जिससे रजनी उइके और अन्य निवेशकों का भरोसा और भी बढ़ गया। उन्होंने अपने परिचितों व रिश्तेदारों को भी कंपनी में निवेश करने के लिए प्रेरित किया। लेकिन कुछ महीनों के बाद कंपनी द्वारा लाभांश देना बंद कर दिया गया और दिए गए चेक भी बाउंस होने लगे।

मध्यप्रदेश राज्य नीति आयोग ने चार एनजीओ के साथ किये एमओयू

सामाजिक विकास के लिए मिलकर करें काम : डॉ. यादव

▶ प्रदेश के समावेशी और सतत् विकास को मिलेगा बल

भोपाल, देशबन्धु। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव की उपस्थिति में मंगलवार को मंत्रालय में मध्यप्रदेश राज्य नीति आयोग और चार प्रतिष्ठित गैर शासकीय संगठनों अंतरा फाउंडेशन, प्रदान, पीएचआईए फाउंडेशन और यूएनविमेन के मध्य समझौता ज्ञापनों (एमओयू) पर हस्ताक्षर एवं आदान-प्रदान किया गया। इन एमओयू से प्रदेश के सुनियोजित, समावेशी, सकल और सतत् विकास को बल मिलेगा। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि प्रदेश का सामाजिक परिदृश्य बदल रहा है। सरकार की योजनाओं का लाभ लेकर सभी अपने जीवन में सकारात्मक बदलाव की ओर तेजी से बढ़ रहे हैं। सामाजिक विकास के सभी मानकों में उत्तरोत्तर बढ़ोतरी और सबको विकास का लाभ देने के लिए सरकार गैर शासकीय संगठनों के अनुभवों का भी लाभ उठायेगी। उन्होंने कहा कि म.प्र. राज्य नीति आयोग प्रदेश में संचालित सभी जनहितैषी योजनाओं के लोकव्यापीकरण के जरिए मानवीय और सामाजिक विकास के सभी मानकों में सुधार और बढ़ोतरी के लिए ऐसे एनजीओ के साथ मिलकर काम करे, जिन्हें विषयगत विशेषज्ञता हासिल हो। उन्होंने कहा कि फील्ड में रह कर काम करने वाले एनजीओ से मिले सुझावों पर भी गंभीरता से अमल का प्रयास किया जाये। नीति आयोग, जनप्रतिनिधि और जिला प्रशासन आपसी समन्वय और सामंजस्य से जनता के हित में काम करें। उल्लेखनीय है कि म.प्र. राज्य नीति आयोग राज्य के सतत् विकास लक्ष्यों के अनुश्रवण और मध्यप्रदेश के दृष्टि पत्र-2047 की तैयारी में अग्रणी भूमिका निभा रहा है। इन साझेदारियों के माध्यम से राज्य में नीति नवाचार, डाटा आधारित सुशासन तथा बहु-क्षेत्रीय विकास को और अधिक सशक्तता एवं व्यापकता के साथ अमल में लाया जायेगा। नीति आयोग द्वारा जिन चार गैर शासकीय संगठनों के साथ एमओयू किया गया, उनमें अंतरा फाउंडेशन मातृ एवं शिशु स्वास्थ्य और पोषण सुधार पर कार्य में सरकार की मदद करेगा। प्रदान संगठन ग्रामीण विकास एवं महिला सशक्तिकरण को मजबूत करने में सहयोग करेगा। पीएचआईए फाउंडेशन जलवायु-लचीले विकास और समावेशी एवं सतत् विकास योजनाओं को आगे बढ़ाने में सरकार का नॉलेज पार्टनर के रूप में सहभागी बनेगा। इसी प्रकार यूएनविमेन प्रदेश में जेंडर उत्तरदायी शासन को आगे बढ़ाने में सरकार की मदद करेगा।

इस अवसर पर उप मुख्यमंत्री जगदीश देवड़ा, अपर मुख्य सचिव योजना, आर्थिक एवं सांख्यिकी संजय कुमार शुक्ला, म.प्र. राज्य नीति आयोग के सीईओ ऋषि गर्ग सहित गैर शासकीय संगठन अंतरा फाउंडेशन से सुश्री चंद्रिका, प्रदान से सुश्री अर्चना सिंह, पीएचआईए फाउंडेशन से अनिरुद्ध और यूएनविमेन से सुश्री जॉयट्री सहित अधिकारी मौजूद रहे।

मुख्यमंत्री ने किया स्वदेश ज्योति समाचार पत्र का लोकार्पण, कहा-

लोकतंत्र और राष्ट्रवादी भावना का संरक्षण पत्रकारिता की अहम कड़ी

भोपाल, देशबन्धु। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा है कि देश में लोकतंत्र और राष्ट्रवादी भावना के संरक्षण के लिए पत्रकारिता अहम कड़ी है। इसी भावना से एक पत्रकार अपना संपूर्ण जीवन खपा देता है। लोकतंत्र के स्वस्थ वातावरण में सहमति और असमहति दोनों का अपना स्थान है और इस कार्य को वर्तमान समय में देश के कई समाचार पत्र समूह बड़ी खूबसूरती से अंजाम तक पहुंचा रहे हैं। ऐसी ही यात्रा स्वदेश समूह की रही है। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने अपेक्स बैंक समन्वय भवन में मंगलवार को दीप प्रज्वलित कर स्वदेश ज्योति समाचार पत्र के लोकार्पण समारोह का शुभारंभ किया। उन्होंने भोपाल से नए प्रकाशन दैनिक स्वदेश ज्योति के लोकार्पण पर समाचार पत्र समूह के अध्यक्ष और प्रधान संपादक राजेंद्र शर्मा को शुभकामनाएं दीं।

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि आपातकाल के दौर में संघर्षों का सामना करते हुए स्वदेश समाचार पत्र ने लोकतांत्रिक मूल्यों की रक्षा की। वर्तमान समय में प्रिंट मीडिया, इलेक्ट्रॉनिक मीडिया के साथ न्यू मीडिया (डिजिटल मीडिया) भी राष्ट्र निर्माण में भूमिका निभा रहा है। कार्यक्रम में विधानसभा अध्यक्ष नरेंद्र सिंह तोमर ने कहा कि पंडित दीनदयाल उपाध्याय के विचारों से प्रेरणा लेकर स्वदेश समाचार पत्र ने हमेशा पिछड़ों और वंचित वर्ग की आवाज बुलंद करने का कार्य किया है। वरिष्ठ पत्रकार एवं प्रधान संपादक राजेंद्र शर्मा ने समाचार पत्र की भावना और विकास यात्रा को समारोह में उपस्थित जनों के समक्ष रखा। इस अवसर पर पिछड़ा वर्ग एवं अल्पसंख्यक कल्याण राज्यमंत्री श्रीमती कृष्णा गौर, भोपाल की महापौर श्रीमती मालती राय, पूर्व मंत्री डॉ. नरोत्तम मिश्रा, हितानंद शर्मा, रघुनंदन शर्मा भी उपस्थित थे।

स्वदेश ने नागरिकों के बीच राष्ट्र प्रथम की अलख जगाई : सोलंकी

पूर्व राज्यपाल कप्तान सिंह सोलंकी ने दैनिक स्वदेश ज्योति प्रबंधन को बधाई देते हुए कहा कि स्वदेश समाचार पत्र ने देश की आजादी के बाद राष्ट्र के पुनर्निमाण में अपनी महती भूमिका निभाई है। देश में धर्म, भाषा, जाति, जेंडर और अमीर-गरीब का बड़ा अंतर था। ऐसे समय में स्वदेश ने नागरिकों के बीच राष्ट्रवादी विचारों और राष्ट्र- प्रथम की भावना को सशक्त किया। पूर्व प्रधानमंत्री स्व. अटल बिहारी वाजपेयी भी लंबे अरसे तक इस समाचार पत्र से जुड़े रहे। कार्यक्रम को वरिष्ठ सांसद वीडी शर्मा एवं वरिष्ठ नेता सुरेश पचौरी ने भी संबोधित किया एवं प्रबंधन को शुभकामनाएं दीं।

कांग्रेस के 3 दिवसीय जनजागरण अभियान को भाजपा प्रदेशाध्यक्ष ने बताया नौटंकी, कहा

कांग्रेस राजनीतिक स्वार्थ के लिए बाबा साहब के नाम का दुरूपयोग कर रही

भोपाल, देशबन्धु। कांग्रेस के 3 दिवसीय जनजागरण अभियान को भाजपा प्रदेशाध्यक्ष विष्णुदत्त शर्मा ने नौटंकी है। उन्होंने आरोप लगाया है कि कांग्रेस अपने राजनीतिक स्वार्थ के लिए बाबा साहब के नाम का दुरूपयोग कर रही है। मंगलवार को उन्होंने पत्रकारों से चर्चा में कहा कि बाबा साहब को लेकर कांग्रेस 23 जून से 3 दिवसीय जन-जागरण अभियान चलाने के बजाए बाबा साहब विरोधी कृत्य के लिए माफी यात्रा निकालकर उपवास रखना चाहिए। बाबा साहब और संविधान विरोधी कांग्रेस पार्टी मध्यप्रदेश में वर्ग संघर्ष कराने और अपनी राजनीतिक रोटियां सेंकने के लिए नौटंकी कर रही है। बाबा साहब अंबेडकर के खिलाफ कांग्रेस द्वारा किए गए अपमान और नेहरू-गांधी परिवार, दिग्विजय सिंह, जीतू पटवारी, उमंग सिंघार और फूल सिंह बरैया सहित अन्य नेताओं को बाबा साहब विरोधी कार्यों के लिए पूरे देश और प्रदेश की जनता से बिना शर्त माफी मांगना चाहिए। भाजपा और प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी बाबा साहब डॉ. भीमराव अंबेडकर से जुड़े स्थानों को पंच तीर्थ के रूप में विकसित करने के साथ उनके विचारों को आगे बढ़ाने का काम कर रहे हैं। श्री शर्मा ने कहा कि कांग्रेस पार्टी बाबा साहब अंबेडकर के नाम पर प्रदेश की जनता को गुमराह करने की कोशिश कर रही है। उन्होंने कहा कि कांग्रेस को इस पाखंड को बंद करना चाहिए। जब भी कोई बड़ा नेता जाता है, तो उनकी विरासतों को संजोया जाता है और उनकी स्मृतियां संजाई जाती हैं, लेकिन कांग्रेस पार्टी ने बाबा साहब डॉ.भीमराव अंबेडकर की एक भी स्थान पर स्मारक बनाने की अनुमति नहीं दी। बाबा साहब के जन्मस्थान महू को तीर्थस्थल के रूप में विकसित करने का कार्य मुख्यमंत्री स्वर्गीय सुंदरलाल पटवा के कार्यकाल दौरान हुआ था, और अटल बिहारी वाजपेयी ने उसका उद्घाटन किया था। श्री शर्मा ने कहा कि कुछ दिनों पहले राहुल गांधी ने भी बाबा साहब की जन्मस्थली महू पहुंचकर संविधान के नाम पर हासिये पर खडी कांग्रेस को खड़ा करने के लिए बाबा साहब के नाम का उपयोग किया, लेकिन जनता समझदार है, सब जानती है कि बाबा साहब को सम्मान देने का काम भाजपा की सरकार ने किया है।

केन्द्रिय सहकारिता राज्य मंत्री की उपस्थित में होगी बैठक

सहकारिता में हुए नवाचारों और उपलब्धियों से अवगत होगी केन्द्र सरकार

- मुख्यमंत्री भी होंगे शामिल
- मंत्री सारंग ने ली तैयारियों की बैठक

भोपाल, देशबन्धु। सहकारिता मंत्री विश्वास कैलाश सारंग ने 20 जून को केन्द्रीय सहकारिता राज्य मंत्री की उपस्थित में होने वाली उच्च स्तरीय समीक्षा बैठक की तैयारियों संबंधी आवश्यक बैठक ली। प्रस्तावित बैठक में मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव अध्यक्षता करेंगे। बैठक में मध्यप्रदेश सरकार द्वारा सहकारिता विभाग में किये गये नवाचारों और उपलब्धियों को बताया जायेगा। बैठक में सहकारिता विभाग से जुड़े मछुआ कल्याण एवं मत्स्य विकास, पशुपालन एवं डेयरी, लघु वनोपज संघ के अधिकारी भी शामिल होंगे।

मंत्री श्री सारंग ने कहा कि बैठक में मध्यप्रदेश में विकास की ओर सहकारिता के कदम में किये गये सीपीपीपी मॉडल और बीज संघ द्वारा जारी चीता ब्रांड आदि की जानकारी दी जाये। मध्यप्रदेश में बहुउद्देशीय व्यवसायिक केन्द्र के रूप में पैक्स का रूपांतरण, अंतर्राष्ट्रीय सहकारिता वर्ष में किये गये और प्रस्तावित कार्यक्रमों से अवगत करवाया जाये। साथ ही सहकारिता विभाग में किये जा रहे हर आयामों जैसे विशेष कार्यक्रम, प्रशिक्षण, एडवांस स्टोरेज, माइक्रो एटीएम सहित 1 से 6 जुलाई को होने वाले कार्यक्रमों का भी समावेश किया जाये।

बैठक में अपर मुख्य सचिव अशोक वर्णवाल, प्रबंध संचालक विपणन संघ आलोक कुमार सिंह, आयुक्त सहकारिता एवं पंजीयक मनोज पुष्प, उप सचिव मनोज सिन्हा, प्रबंध संचालक अपेक्स बैंक मनोज गुप्ता सहित अन्य वरिष्ठ अधिकारी उपस्थित थे।

कोझिकोड सेक्स रैकेट मामले में केरल के दो पुलिसकर्मी गिरफ्तार

कोझिकोड। केरल के कोझिकोड स्थित मालापराम्बु में सेक्स रैकेट चलाने के आरोपी दो पुलिसकर्मियों को मंगलवार को हिरासत में ले लिया गया। दोनों ही फरार चल रहे थे। आरोप है कि दोनों की मदद से स्पा की आड़ में सेक्स रैकेट चलाया जा रहा था। जहां ये सब कुछ चल रहा था, उसे बुजुर्गों की देखभाल के लिए सेवाएं देने वाली एजेंसी के तौर पर पेश किया गया था। दोनों आरोपियों की पहचान वरिष्ठ सिविल पुलिस अधिकारी (सीपीओ) शैजित और सीपीओ सानिथ के रूप में हुई है। दोनों कोझिकोड शहर के पुलिस नियंत्रण कक्ष में ड्राइवर थे। इस सेक्स रैकेट मामले में उनका नाम सामने आने के बाद कोझिकोड शहर के पुलिस आयुक्त ने दोनों को निलंबित कर दिया।

8 हजार से ज्यादा स्कूलों की मान्यता का नवीनीकरण नहीं, हजारों बच्चों का भविष्य अंधकारमय

▶ मंत्री नहीं मिले तो भाजपा कार्यालय में जाकर लगाई गुहार

भोपाल, देशबन्धु। प्रदेश के 8 हजार से ज्यादा स्कूलों की मान्यता का नवीनीकरण न होने से स्कूल संचालक चिंतित हैं, क्योंकि मान्यता के नवीनीकरण न होने के कारण इन स्कूलों में प्रवेश ले चुके हजारों बच्चों का भविष्य प्रभावित होगा। इसी चिंता से परेशान स्कूल संचालकों ने शिक्षा विभाग के अधिकारियों से मुलाकात की। स्कूल संचालकों ने प्रदेश में 8 हजार प्राइवेट स्कूल इस बार मान्यता की सूची से बाहर हैं यानि उन्हें स्कूल शिक्षा विभाग ने इस साल के लिए मान्यता नहीं दी है, उन्होंने सरकार उनकी बात सुनेगी इस भरोसे में अपने यहां प्रवेश ले लिए, लेकिन अब वे बीच में फंस गए हैं, क्लासेस शुरू होने को हैं और उनके पास मान्यता नहीं है, अब उन्हें चिंता सता रही है कि वे क्या करें, स्कूलों में प्रवेश ले चुके बीपीएल के ही करीब 25 हजार बच्चों का भविष्य दांव पर लगा है। स्कूल संचालकों ने बताया कि अधिकारियों ने नियमों का हवाला देते हुए मदद करने से इंकार कर दिया। जिसके बाद संचालकों ने स्कूल शिक्षा मंत्री से मिलने की कोशिश की, लेकिन मुलाकात नहीं हो सकी। जिसके बाद उन्होंने भाजपा प्रदेश कार्यालय की तरफ रूख किया।

जिसके बाद प्रदेश के विभिन्न स्कूल संचालक थक-हारकर भाजपा मुख्यालय पहुंच गए, उन्होंने सोचा प्रदेश अध्यक्ष वीडी शर्मा से मिलकर उन्हें अपनी परेशानी बताएंगे, लेकिन वे भी वहां नहीं थे तो फिर स्कूल संचालकों ने अपना ज्ञापन भाजपा प्रदेश कार्यालय मंत्री राघवेन्द्र शर्मा को अपना ज्ञापन सौंप दिया। साथ ही उनसे अनुरोध किया कि उनकी समस्या से स्कूल शिक्षा मंत्री और मुख्यमंत्री को अवगत करवाकर समाधान निकालें

सोनम रघुवंशी ने कबूली हत्या की बात

राजा की हत्या एक नहीं, बल्कि 2 हथियारों से की थी

हत्या में प्रयुक्त हथियार की तलाश जारी

भोपाल, देशबन्धु। राजा रघुवंशी हत्याकांड में हर रोज नए खुलासे हो रहे हैं। आज भी मेघालय पुलिस ने इस मामले में एक नया खुलासा करते हुए बताया कि राजा की हत्या एक नहीं बल्कि 2 हथियारों से की गई थी। आज फिर घटना स्थल पर पुलिस सोनम को लेकर पहुंची और घटना को दोहराया गया। जिसके बाद सोनम ने हत्या की बात स्वीकार कर ली। सोहरा में यह कार्रवाई आरोपी सोनम रघुवंशी और तीन अन्य लोगों की मौजूदगी में की गई। शिलांग पुलिस अधीक्षक विवेक सियेम ने बताया कि 23 मई को सोहरा के वेइसाडोंग फॉल्स के पास राजा की हत्या में एक नहीं, बल्कि दो धारदार हथियार का इस्तेमाल किया गया था।

पुलिस कार्रवाई के बाद अब मामले की पूरी तस्वीर साफ हो गई है। उन्होंने यह भी बताया कि हत्या में इस्तेमाल किया गया एक और चाकू अभी तक बरामद नहीं हुआ है, जिसकी तलाश की जा रही है। उन्होंने मामले में ज्यादा जानकारी देते हुए कहा कि, एसआईटी ने आज कई जगहों का दौरा किया ताकि यह समझा जा सके कि आरोपियों ने हत्या को कैसे अंजाम दिया। उन्होंने बताया कि जांच की शुरुआत उस पार्किंग स्थल से की गई। जहां आरोपियों ने अपना दोपहिया वाहन खड़ा किया था। इसके बाद टीम व्यूपॉइंट गई और वहां यह पता लगाया गया कि हत्या से ठीक पहले कौन कहां खड़ा था। उन्होंने बताया कि राजा रघुवंशी पर 3 बार चाकू से वार किए। पहला प्रहार विशाल ने किया, दूसरा आनंद ने और आखिरी प्रहार आकाश ने।

श्री सियेम ने बताया कि हत्या के बाद राजा रघुवंशी का मोबाइल फोन पहले सोनम रघुवंशी और फिर विशाल ने तोड़ा था। पुलिस अधीक्षक विवेक सियेम ने कहा, हमने यह पता लगा लिया है कि राजा के मोबाइल फोन का क्या हुआ था। पहले सोनम ने उसे तोड़ा और फिर विशाल ने। इसी दौरान पूरी घटना हुई और उसके बाद वे वहां से निकल गए। उन्होंने बताया, हमें यह भी पता चला है कि राजा पर हमला एक हथियार से किया गया था। सबसे पहला वार विशाल उर्फ विक्की ने किया था। जब राजा को चोट लगी और खून बहने लगा, तो सोनम वहां से दूर चली गई। इसके बाद तीनों आरोपियों ने मिलकर शव को नीचे फेंक दिया। श्री सियेम ने बताया, सोनम ने पहले ही अपना जुर्म कबूल कर लिया है। आज हमने हत्या की जगह का फिर से सीन तैयार किया, जिसमें यह साफ हो गया कि वह कहां खड़ी थी और उसकी भूमिका क्या थी।

प्रथम पृष्ठ का शेष

ईरान का इजराइल के.... कर दी थी। खतम अल-अनबिया हेडक्वार्टर्स ईरान की मुख्य सैन्य कमांड यूनिट है। यह युद्ध के वक्त पूरे देश की सैन्य रणनीति और एयर डिफेंस को देखती है। पिछले 5 दिनों के दौरान इजराइली हमलों में अब तक 224 ईरानी मारे जा चुके है, जबकि 1,481 लोग घायल हुए हैं। वहीं, इजराइल में अब तक 24 लोग मारे गए हैं, जबकि 600 से ज्यादा घायल हैं।ईरान और इजरायल के बीच बढ़ते तनाव को देखते हुए भारत ने तेहरान में रहने वाले अपने नागरिकों के लिए नई एडवाइजरी जारी की है। पिछले 4 दिन से ईरान और इजरायल जंग के हालात हैं। दोनों ओर से हवाई हमले हो रहे हैं, जिससे तेहरान में खासतौर पर गंभीर स्थिति बन चुकी है। वर्तमान हालात को देखते हुए ही भारत ने अपने सभी नागरिकों को तेहरान से बाहर जाने की सलाह दी है।

विदेश मंत्रालय ने नियंत्रण.... इसके अलावा +98 901044557, +98 9015993320, +91 8086871709 नम्बरों पर व्हाटस्एप किया जा सकता है। बंदर अब्बास में +98 9177699036 और जहेदान में +98 9396356649 नम्बर पर संपर्क किया जा सकता है। ईरान में रह रहे 1300 से भी अधिक छात्रों ने सरकार से उन्हें सुरक्षित निकालने की अपील की है।

मैं सीजफायर के लिए.... उससे कहीं बड़ी है।' इससे पहले ट्रम्प ने सोशल मीडिया पर लिखा- ईरान को परमाणु 'समझौते' पर हस्ताक्षर करने चाहिए। ईरान न्यूक्लियर हथियार नहीं रख सकता है। मैंने यह बार-बार कहा है! सभी को तुरंत तेहरान खाली कर देना चाहिए।

अधिकारियों-कर्मचारियों की पदोन्नति.... वर्ष की सेवा माना जायेगा। उन्होंने बताया कि यदि वर्ष के एक भाग की सेवा भी की गई है तो उसे पूर्ण वर्ष की सेवा माना जाएगा। यदि किसी वर्ष में 6 माह का ही गोपनीय प्रतिवेदन उपलब्ध है तो उसे पूर्ण वर्ष के लिये मान्य किया जा सकेगा। यदि गोपनीय प्रतिवेदन उपलब्ध नहीं होने के कारण किसी की पदोन्नति रुकती है तो उसे पदोन्नति प्राप्त होने पर पूरी वरिष्ठता दी जायेगी।विभागीय पदोन्नति समिति के बैठक से पूर्व केवल कारण बताओ सूचना पत्र के आधार पर बंद लिफाफा की कार्रवाई नहीं की जायेगी, जिससे अधिक लोक सेवकों को पदोन्नति के अवसर प्राप्त होंगे। कुल मिलाकर पदोन्नति के पद जिस दिन उपलब्ध हो उसी दिन उपयुक्त योग्य एवं आरक्षित वर्गों के प्रतिनिधित्व को ध्यान में रखकर भरे जा सके। इस तरह से लगभग 2 लाख नए पद निर्मित होंगे। इससे प्रशासन में सुधार एवं कार्यक्षमता बढ़ेगी।

भोपाल मेट्रो का काम सितम्बर.... झक्रम में 27 जून को एमएसएमई-डे पर रतलाम में क्षेत्रीय उद्योगों और रोजगार पर समिट आयोजित की जा रही है। लुधियाना में 7 जुलाई को एमएसएमई पर राष्ट्रीय इंटरएक्टिव सेशन भी होगा। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि भोपाल मेट्रो के प्रथम चरण का लोकार्पण माह सितम्बर में करने की समय-सीमा तय है। भोपाल मेट्रो के लोकार्पण के लिए प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी से अनुरोध किया जाएगा। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि लाड़ली बहनों को रक्षाबंधन के अवसर पर 250 रुपए राशि का अतिरिक्त रूप से भुगतान किया जाएगा। इस वर्ष 21 जून को अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस का एक दशक पूरा हो रहा है। इस उपलक्ष्य में योग संगम के अंतर्गत 21 जून को अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस कार्यक्रम का आयोजन किया जायेगा। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि प्रदेश के अधिक से अधिक नगरीय निकायों, वार्डों, पंचायतों में योग पर कार्यक्रम आयोजित कर देश में रिकार्ड स्थापित करने का प्रयास किया जाए।

एक दिन में एअर इंडिया की.... अहमदाबाद से लंदन के लिए नई फ्लाइट एआई-159 शुरू की गई है। यह फ्लाइट मंगलवार को लगातार दूसरी बार रद्द की गई। फ्लाइट को दोपहर 1.10 बजे उड़ान भरना था, लेकिन टेकऑफ से कुछ घंटे पहले तकनीकी खामी की बात कही गई। 16 जून को भी यह फ्लाइट रद्द की गई थी।

दिल्ली से पेरिस जाने वाली एअर इंडिया की फ्लाइट एआई142 भी टेक्निकल परेशानी के बाद रद्द की गई, जो उड़ान से पहले जांच के दौरान सामने आई। इसके अलावा लंदन से अमृतसर आ रही फ्लाइट को भी तकनीकी दिक्कतों के चलते रद्द किया गया। उधर, सैन फ्रांसिस्को से मुंबई जा रही एअर इंडिया की फ्लाइट एआई-180 में सोमवार रात को तकनीकी खराबी आ गई। इसके चलते यात्रियों को मंगलवार सुबह कोलकाता एयरपोर्ट पर प्लेन से उतारना पड़ा। फ्लाइट नंबर एआई 180 कोलकाता होते हुए मुंबई जा रही थी। बोइंग 777-200 एलआर (वर्ल्ड लाइनर) विमान 17 जून को रात 12:45 बजे समय पर कोलकाता पहुंचा था। इसे मुंबई के लिए रात 2:00 बजे रवाना होना था। विमान के बाएं इंजन में तकनीकी खराबी आने के कारण टेकऑफ में देरी हुई। इसके बाद सुबह करीब 5:20 बजे कैप्टन ने यात्रियों से कहा गया कि वे प्लेन से नीचे उतर जाएं। उन्होंने बताया कि यह फैसला फ्लाइट सेफ्टी को ध्यान में रखते हुए लिया गया है।

यात्रियों के लिए एडवाइजरी.... एयरपोर्ट की ओर प्रस्थान कर रहे हैं तो हम सलाह देते हैं कि हमारे ऐप और वेबसाइट पर फ्लाइट का स्टेटस देखकर ही घर से निकले। पोस्ट में आगे कहा गया कि हमारी टीमें 24 घंटे ऑपरेशनंस के स्थिर संचालन के लिए काम कर रही हैं। एयर इंडिया ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म 'एक्स' पर अपनी पोस्ट में कहा था कि दिल्ली में खराब मौसम की वजह से हमारी उड़ानों का संचालन प्रभावित हो रहा है और कुछ उड़ानें डायवर्ट की जा रही हैं।

हिमाचल में 2 हादसे : एक.... बस के खाई में गिरने से 15 से 20 यात्री घायल हो गए। हादसे में एक व्यक्ति की मौत हो गई। यह बस बलद्वाडा से मंडी जा रही थी। ग्रामीणों ने घायलों को बाहर निकाला।

अधिसूचना में जाति जनगणना.... मिल रहे हैं। भारत सरकार ने अपने नागरिकों को तेहरान से निकलने की एडवाइजरी जारी की है, इस पर कांग्रेस नेता पवन खेड़ा ने कहा, हम पिछले तीन दिनों से इस मुद्दे को उठा रहे हैं। हमारे कई छात्र कश्मीर में हैं। पिछले तीन दिनों से हम सरकार पर दबाव बना रहे हैं कि वह जाग जाए। केवल एडवाइजरी जारी करना पर्याप्त नहीं है, सरकार को उनकी सुरक्षित देश वापसी सुनिश्चित करनी चाहिए।

पूर्व विधायक आशा सिन्हा के खिलाफ गिरफ्तारी का गैर जमानती वारंट

पटना। आचार संहिता उल्लंघन एवं सरकारी आदेश की अवहेलना के मामले में बिहार में पटना की एक विशेष अदालत ने दानापुर विधानसभा क्षेत्र की पूर्व विधायक आशा सिन्हा के खिलाफ आज गिरफ्तारी का गैर जमानती वारंट जारी करने का आदेश दिया। सांसदों एवं विधायकों के आपराधिक मामलों की सुनवाई के लिए गठित विशेष अदालत के न्यायाधीश अपर मुख्य न्यायिक दंडाधिकारी प्रवीण कुमार मालवीय ने मुकदमे में श्रीमती सिन्हा की लगातार अनुपस्थिति के कारण उनका बंध पत्र खारिज करते हुए गैर जमानती वारंट जारी किए जाने का यह आदेश पारित किया है।

गाँधी पी.आर. महाविद्यालय
UG COURSE
B.A., BCA, BBA, B.P.E.S., B.Sc., B.Lib
B.Com (Economics/ Computer/Hon's)
PG COURSE
M.A : Hindi, English. Maths, Economics History, Political Science, Sociology & Social Work
M.Sc : Zoology, Botany, Chemistry, Physics, Computer Science, Microbiology & Biotechnology
M.Com: Accounts & Management
B.Ed.: Bachelor of Education
(Online Counselling)
Direct Admission
DIPLOMA COURSE
P.G.D.Y.S : PG Diploma In Yogic Science
P.G.D.C.A. : PG Diploma in Computer Appcation
D.El.Ed. : Diploma in Elementary Education
www.gandhiprcollege.com, principal@gandhiprcollege.com
Mob. 9827208070, 9425346230
9893194695, 9981291288, 7828186626

पत्रकार प्रकाशन प्रा.लि. के लिए गिरिराज चाचा द्वारा मेसर्स डी.बी. कार्प लिमिटेड फौजदार गैरेज पवारखेड़ा इटारसी रोड नर्मदापुरम से मुद्रित एवं 45, वार्ड नं. 6, कसेरा मुहल्ला नर्मदापुरम म.प्र. से प्रकाशित, संपादक: **पलाश सुरजन,** कार्यकारी संपादक: **ज़ाकिर अली*** फोन 422297। ई-मेल deshbandhuhbd1@gmail.com समाचार चयन के लिए पी.आर.बी. एक्ट के तहत जिम्मेदार।